THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 287 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.9 2082 सोमवार, 12 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शिबू सोरेन को मरणोपरांत भारत रत्न देने की उठी मांग

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की सांसद महुआ माजी ने एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को मरणोपरांत भारत रत्न दिए जाने की मांग उठाई है. उन्होंने बताया कि एक सांसद के तौर पर उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया था। इस पत्र का जवाब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से भी मिल गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि उनका पत्र वहां प्राप्त हो चुका है। महुआ माजी ने कहा कि गुरुजी का आशीर्वाद हमेशा उनके साथ रहा है और इस बात पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा, हमें ऐसा लगता ही नहीं कि गुरुजी हमारे बीच नहीं हैं। आज हम उनके आवास पर जयंती मनाने आए हैं। हर साल वे खुद यहां विराजमान रहते थे और हम उनका आशीर्वाद लेते थे।

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे : मोदी

दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

सोमनाथ/राजकोट, 11 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम ने कहा कि, उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था।

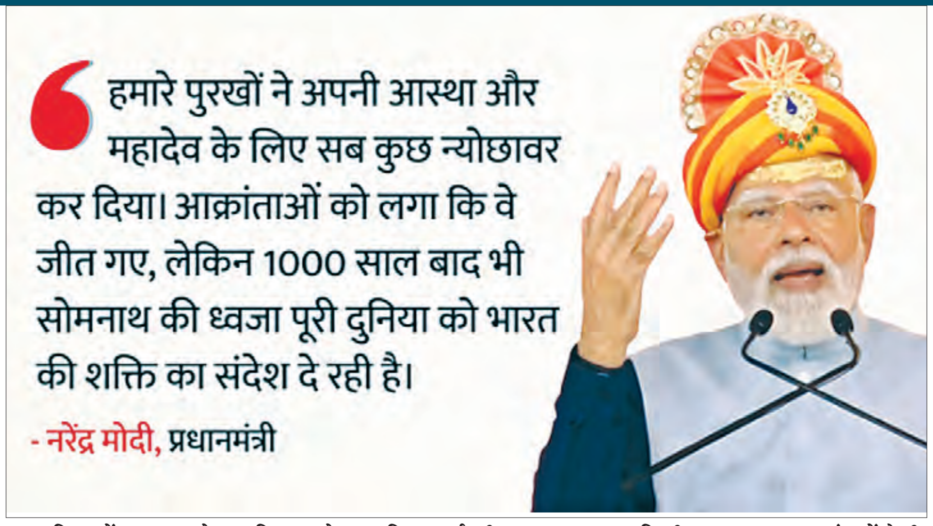

पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी।

पीएम ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया। मोदी शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे थे। यहां सोमनाथ मंदिर पर साल 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया गया।

सोमनाथ का वजूद नहीं मिटा पाए :

आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुननिर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुननिर्माण करा दिया।

न मंदिर नष्ट हुआ न भारत :

ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निमाण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं। लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत नष्ट हुए।

मजहबी कट्टरपंथी कुछ नहीं बिगाड़ पाए :

जब आक्रांता सोमनाथ पर हमला कर रहे थे, उन्हें लग रहा था कि उनकी तलवार सनातन सोमनाथ को जीत रही है। लेकिन वे मजहबी कट्टरपंथी यह नहीं समझ पाए कि जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे। उसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत से जुड़ा है। उसमें हलाहल को पीकर भी अमर रहने का विचार जुड़ा है।

आज भी विरोधी ताकतें मौजूद :

जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई।

पीएमओ को दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां) प्रधानमंत्री कार्यालय को खाली करने की तैयारी तेज कर दी गई है। अब यह 14 जनवरी के बाद नए सेवा तीर्थ परिसर में शिफ्ट हो सकता है।

इस परिसर में पीएमओ, कैबिनेट सचिवालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय स्थित होंगे। बता दें कि राजधानी दिल्ली के मध्य में दारा शिकोह रोड (पूर्व में डलहौजी रोड) पर स्थित एक्जीक्यूटिव एन्क्लेव परिसर या सेवा तीर्थ का निर्माण सरकार द्वारा सेंट्रल विस्टा क्षेत्र के पुनर्विकास के हिस्से के रूप में किया गया है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, जहां कैबिनेट सचिवालय सितंबर 2025 में नए परिसर में स्थानांतरित हो गया, वहीं एनएससीएस के प्रधानमंत्री के स्थानांतरण से पहले ही सेवा तीर्थ में स्थानांतरित होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री खुद मकर संक्रांति के बाद नए कार्यालय परिसर में शिफ्ट हो जाएंगे।

बता दें कि 'सेवा तीर्थ' परिसर में कुल तीन हाई-टेक इमारतें बनाई गई हैं। सेवा-तीर्थ-1 में प्रधानमंत्री कार्यालय रहेगा। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय शिफ्ट होगा। सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का दफ्तर रहेगा। कार्यकारी एन्क्लेव भाग 1 के अलावा, प्रधानमंत्री के लिए एक नया आवास (जिसे कार्यकारी एन्क्लेव भाग 2 कहा जाता है) भी पास में ही निर्माणाधीन है।

नए प्रधानमंत्री कार्यालय भवन में अधिकांश कार्यालय सेंट्रल विस्टा योजना के तहत हाल ही में निर्मित सचिवालय भवन, कर्तव्य भवन में स्थित आधुनिक कार्यस्थलों के समान ही तैयार किए जाएंगे। प्रधानमंत्री का निजी कार्यालय और उच्च स्तरीय दौरों के दौरान औपचारिक उपयोग के लिए निर्धारित कमरे, उनके उपयोग की प्रकृति के अनुरूप अधिक भव्य होंगे।

ट्रम्प को ईरान पर हमले का प्लान बताया गया

अमेरिकी राष्ट्रपति को फैसला लेना बाकी, सरकार विरोधी हिंसा में 217 की मौत का दावा

तेहरान, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में बीते दो हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान पर संभावित सैन्य हमलों के विकल्पों की ब्रीफिंग दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करती है तो ट्रम्प सैन्य कदम उठाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईरान आजादी की ओर देख रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। अमेरिका मदद के लिए तैयार है। वहीं, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर कालिबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका या इजराइल ने ईरान पर हमला किया, तो दोनों को सख्ती से जवाब देंगे। दूसरी तरफ तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से बताया कि कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक अब तक 2600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने रविवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल ईरान में दंगे भड़काकर अराजकता और अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानियों से दंगाइयों और

आतंकवादियों से दूर रहने को कहा। पजशकियान का कहना है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे। लेकिन दंगाइयों की नहीं, जो पूरे समाज को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम लोगों की समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन दंगाइयों को पूरे समाज को खत्म करने की इजाजत नहीं दे सकते।

इजराइल हाई अलर्ट पर :

ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका को लेकर इजराइल हाई अलर्ट पर है। इजराइली सूत्रों के हवाले से बताया है कि हालात को देखते हुए इजराइली सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बढ़ाए हुए हैं। इजराइल और ईरान जून में 12 दिन की जंग लड़ चुके हैं, जिसमें अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर हवाई हमले किए थे। शनिवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत में ईरान में अमेरिकी दखल की संभावना पर चर्चा हुई। अमेरिकी अधिकारी ने कॉल की पुष्टि की, लेकिन बातचीत के मुद्दों का खुलासा नहीं किया।

ईरान की अमेरिका और इजराइल को धमकी :

ईरान ने अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई पर तीखी चेतावनी जारी की है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने कहा है कि अगर प्रदर्शनकारियों को लेकर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, तो अमेरिकी सेना और इजराइल दोनों ईरान के निशाने पर होंगे। यह पहला मौका है जब ईरानी नेतृत्व की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई में इजराइल को भी सीधे तौर पर निशाना बनाए जाने की बात कही गई है।

ईरान में बीते दो हफ्ते से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शन में शामिल लोगों को 'खुदा का दुश्मन' माना जाएगा, जिसके तहत मौत की सजा दी जा सकती है।

मंदिरों को लूटा नहीं, लुटवाया गया

डोभाल को कांग्रेस नेता उदित राज का जवाब, बोले- पहले बेटे को भारतीय नागरिक बनाओ

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के नेता व पूर्व सांसद डॉ. उदित राज ने विकसित भारत के कार्यक्रम में एनएसए चीफ अजीत डोभाल द्वारा दिए गये बयान की आलोचना की। डॉ. उदित राज ने सोशस साइट एक्स पर पोस्ट किया है कि अजीत डोभाल ने कहा कि मंदिरों को लूटा गया, हम असहाय रहे। बदला लेना होगा, युवाओं में आग होनी चाहिए। इनका बेटा इंग्लैंड का नागरिक है, पहले उसे भारतीय नागरिक बनाओ, आग भरो ताकि बदला लेने के लिए आगे आए।

उन्होंने कहा कि मंदिरों को लूटा नहीं, बल्कि लुटवाया गया। जब हम सारे युद्ध हार रहे थे तो वर्ण व्यवस्था चरम पर थी और एक जाति का ही अधिकार था लड़ने का बाकी और जातियों को अपने पेशे तक सीमित रहना था वर्ना धर्म भ्रष्ट हो जाता।

उदित राज ने कहा कि आक्रांता हजारों की ही संख्या में होते थे तो करोड़ों भारतीय क्यों सारे युद्ध हारे? कौन रोक रहा था लड़ने के लिए? हां- लड़ते थे लेकिन दलितों और पिछड़ों से और अभी भी वही कर रहे हैं। इनकी बातें लंबी-चौड़ी और लफ्फाजी की होती हैं और सीधे-साधे लोग फंस जाते हैं।

डॉ. उदित राज ने कहा कि सरकार चला नहीं पा रहे हैं तो मार दिया लफ्फाजी कि हम विश्वगुरु हैं। बनते हैं विश्वगुरु और इनके ही अधिकतर बच्चे विदेश में पढ़ते हैं या देश में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में। क्यों नहीं संस्कृत के माध्यम से वेद पढ़ाते हैं। ईसाइयों और नास्तिकों द्वारा अर्जित ज्ञान के लिए भागे जा रहे हैं और उन्हीं को गाली देते हैं।

उन्होंने कहा कि अब बताओ सोमनाथ मंदिर लूटा गया या लुटवाया। संसार का नियम है कमजोर को लूटना और शासन करना। अभी भी ईमानदारी से गलती स्वीकार नहीं करने को तैयार हो तो भविष्य में फिर वैसा ही होगा।

घरेलू नौकरानी ने बर्खास्त आईएएस पूजा खेडकर और परिवार को बांधा, फिर चुराया कीमती सामान

पुणे, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमहाराष्ट्र की चर्चित बर्खास्त आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के पुणे स्थित घर पर हाईवोल्टेज ड्रामा सामने आया है। पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर ने आरोप लगाया है कि उनकी नौकरानी ने पूरे परिवार को बांधने के बाद लूटपाट की। पुणे पुलिस ने पूजा खेडकर के आरोपों के बाद जांच शुरू कर दी है। पूजा खेडकर ने बताया है कि एक घरेलू नौकरानी ने उनके और उनके माता-पिता को बेहोश करके उनके घर से कीमती सामान चुरा लिया।

खेडकर ने बताया कैसे-क्या हुआ :

पुलिस के अनुसार यह घटना बानेर रोड स्थित पूजा खेडकर के बंगले पर हुई। खेडकर ने घटन के बाद देर रात पुलिस से संपर्क किया और बताया कि नौकरानी ने लूटपाट की है। खेडकर के अनुसार उन्होंने हाल ही में रखी गई एक घरेलू नौकरानी रखी थी। वह नेपाल की रहने वाली है। पूजा खेडकर के अनुसार उसने खाने या पीने की चीजों में बेहोशी की दवा मिला दी थी। जिससे वह और उनके माता-पिता- दिलीप और मनोरमा खेडकर बेहोश हो गए। खेडकर का आरोप है कि नौकरानी ने उन्हें बांध दिया और मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान लेकर भाग गई।

खुद को छुड़ाने के बाद दी सूचना :

खेडकर ने पुलिस को बताया कि बाद में वह खुद को छुड़ाने में कामयाब रहीं और दूसरे फोन से अधिकारियों से संपर्क किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मौखिक रूप से दी गई है और अब तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं की गई है। कथित तौर पर चोरी हुए सामान का विवरण भी औपचारिक रूप से नहीं दिया गया है। इसके बावजूद प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। पिछले साल नवी मुंबई में रोड रेज की घटना के बाद एक ट्रक ड्राइवर के कथित अपहरण के मामले में पुलिस ने दिलीप और मनोरमा खेडकर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। खेडकर पर अपने आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप भी हैं।

'संघ धीरे-धीरे विकसित हो रहा, नए रूप ले रहा है'

दिल्ली में आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार (11 जनवरी) को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। मोहन भागवत दिल्ली स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जहां आने वाली फिल्म 'शतक' के गाने के एल्बम को लॉन्च किया गया। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर की कहानी बताती है।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने अपने संबोधन में कहा, 'संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है। बता दें कि इस

मौके पर सिंगर सुखविंदर सिंह, डायरेक्टर आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस पदाधिकारी भैयाजी जोशी मौजूद रहे।

संघ को लेकर दिया ये उदाहरण :

उन्होंने आगे कहा, जैसे एक बीज से अंकुर निकलता है और फलों और फूलों से लदा हुआ परिपक्व पेड़ का एक अलग रूप होता है, ये दोनों रूप अलग-अलग हैं। फिर भी पेड़ मूल रूप से उसी बीज जैसा है, जिससे वह उगा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एक 'जन्मजात देशभक्त' थे और उन्होंने बचपन में ही अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

संघ और डॉक्टर साहब पर्यायवाची शब्द :

उन्होंने कहा, संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं। वो जब सिर्फ 11 साल के थे, जब उनके माता-पिता का प्लेग से निधन हो गया था, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी, बात करने या भरोसा करने वाला कोई नहीं मिला। मोहन भागवत ने कहा कि जब इतनी कम उम्र में इतना बड़ा सदमा लगता है, तो इंसान अकेला हो जाता है और उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर बुरा असर पड़ने का खतरा रहता है, लेकिन हेडगेवार के साथ ऐसा नहीं हुआ।

आज अंतरिक्ष में पहुंचेगी भारत की 'तीसरी आंख'

504 किमी की ऊंचाई से रखी जाएगी पैनी नजर

श्रीहरिकोटा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) नए साल पर पहला धमाका करने के लिए तैयार है। सोमवार, 12 जनवरी की सुबह 10:17 बजे, श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी62 मिशन लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन भारत की सुरक्षा और निगरानी क्षमताओं को एक नई ऊंचाई पर ले जाने वाला है। इस मिशन का मुख्य आकर्षण ईओएस-एन1 उपग्रह है, जिसे कोड-नाम 'अन्वेषण' दिया गया है।

ईओएस-एन1 (पृथ्वी अवलोकन उपग्रह- अगली पीढी 1) भारत की एक नई पीढ़ी का रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट है। इसे पिक्सेल (पिक्सेल) नामक भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनी ने डिजाइन और विकसित किया है। यह बेंगलुरु स्थित कंपनी है। यह भारत की पहली प्राइवेट कंपनी है, जिसने अपनी खुद की अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स को स्पेस में भेजा है।

इसकी मुख्य विशेषताएं और काम कुछ इस प्रकार है-

हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग : ईओएस-एन1 एक हाइपरस्पेक्ट्रल कैमरा से लैस है, जो 140 से ज्यादा स्पेक्ट्रल बैंड्स में इमेज ले सकता है। यह सामान्य सैटेलाइट्स से अलग है, जो सिर्फ 3-4 बैंड्स (आरजीबी + एनआईआर) में काम करते हैं। हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग से पौधों की सेहत, मिट्टी की नमी, प्रदूषण, खनिज, तेल रिसाव आदि बहुत बारीकी से पता चलता है।

'सबरीमाला में सोना नहीं बचा पाए तो धर्म क्या बचाएंगे'

>>अमित शाह ने साधा केरल सरकार पर निशाना<<

तिरुवनंतपुरम, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केरल दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पिनरई विजयन सरकार को जमकर घेरा। तिरुवनंतपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह नगर निगम में भाजपा की जीत पर बात करते हुए कहा, विजय हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि लक्ष्य तक पहुंचने का एक पड़ाव है। हमारा अंतिम लक्ष्य है, कमल निशान की केरल में सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है। इसी के साथ शाह ने केरल सरकार को सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी मामले पर भी घेरा।

सोना नहीं बचा पाए, वो धर्म क्या बचाएंगे :

शाह ने अपने बयान में कहा कि जो मंदिर का सोना नहीं बचा पाए, वो धर्म क्या बचाएंगे। इसी के साथ उन्होंने सीबीआई जांच की मांग भी की। शाह ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है केरल को पूर्ण विकसित बनाना, केरल को

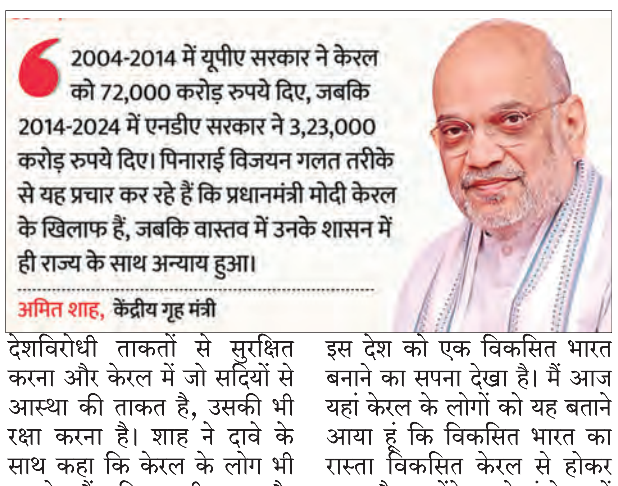

देशविरोधी ताकतों से सुरक्षित करना और केरल में जो सदियों से आस्था की ताकत है, उसकी भी रक्षा करना है। शाह ने दावे के साथ कहा कि केरल के लोग भी मानते हैं कि यूडीएफ और एलडीएफ काम नहीं कर सकते हैं, सिर्फ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ही यह काम कर सकती है।

विकसित भारत का रास्ता विकसित केरल से :

अमित शाह ने अपने बयान में कहा कि नरेंद्र मोदी ने 2047 तक इस देश को एक विकसित भारत बनाने का सपना देखा है। मैं आज यहां केरल के लोगों को यह बताने आया हूं कि विकसित भारत का रास्ता विकसित केरल से होकर जाता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं केरल के लोगों से अपील करने के लिए इस कार्यकर्ता सम्मेलन में आया हूं। केरल के भविष्य का रास्ता, चाहे वह विकास हो, सुरक्षा हो, या हमारी मान्यताओं की रक्षा हो, एलडीएफ या यूडीएफ के जरिए हासिल नहीं किया जा सकता।

एक्स ने अश्लील कंटेंट मामले में मानी गलती

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने अपनी गलती मानी है और कहा है कि वह भारतीय कानून का पालन करेगा। इसी के साथ करीब 3,500 कंटेंट ब्लॉक किए गए और 600 से अधिक अकाउंट डिलीट कर दिए गए हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार अब एक्स अश्लील तस्वीरें पोस्ट करने की अनुमित नहीं देगा।

एक्स ने अपनी गलती मान ली है और कंटेंट मॉडरेशन स्टैंडर्ड में कमियों को स्वीकार किया है और भारत सरकार को बताया है कि वह पूरी तरह से भारतीय कानून का पालन करेगा और नियमों के अनुसार काम करेगा।

दरअसल, यह मामला तब सामने आया जब प्लेटफॉर्म पर अश्लील और कामुक रूप से आपत्तिजनक कंटेंट के प्रसार पर चिंता जताई गई, जिसमें कथित तौर पर इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल ग्रोक के माध्यम से जेनरेट या बढ़ाया गया मटेरियल भी शामिल था।

सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट, बीजेपी ने ममता सरकार को घेरा

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हिंसा का दौर तेज हो गया है। शनिवार, 10 जनवरी की रात पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला हुआ।

सुवेंदु अधिकारी पर हुए इस हमले ने राज्य से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मचा दिया है। इस घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

जानकारी के अनुसार, सुवेंदु अधिकारी पुरुलिया में एक कार्यक्रम के बाद कोलकाता लौट रहे थे, तभी चंद्रकोना रोड मार्केट के पास तृणमूल कांग्रेस के झंडे लिए भीड़ ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बांस की लाठियों से उनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी पर हमला किया।

सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हमला काफी देर तक चलता रहा, लेकिन स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इस घटना के विरोध में भाजपा नेता चंद्रकोना थाने के फर्श पर ही धरने पर बैठ गए। हमले के वीडियो फुटेज अब गृह मंत्रालय को भेज दिए गए हैं।

अधिकारी पर हुए हमले के बाद भाजपा नेतृत्व ने ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसे एक सोची-समझी साजिश करार देते हुए कहा, यह हमला तृणमूल के शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर किया गया है। अमित मालवीय ने आरोप लगाया, सत्ता खोने के डर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा दे रही हैं।

केंद्रीय मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री जानबूझकर राज्य में अस्थिरता पैदा कर रही हैं ताकि केंद्र को कड़े कदम उठाने पर मजबूर किया जा सके और वे सहानुभूति बटोर सकें।

एक महीना पहले शादीः कार की डिमांड कर दुल्हन को मार डाला

फगवाड़ा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। (पंजाब) फगवाड़ा में नई नवेली दुल्हन की मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने ससुरालियों पर बेटी को मारने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका की पहचान उमा बसरा के तौर पर हुई है। उमा बसरा की शादी एक महीने पहले हुई थी।

उमा बसरा की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई है। हालांकि मायके वालों का आरोप है कि ससुरालियों ने उसे जहर देकर मारा है।

लुधियाना के डीएमसी में इलाज के दौरान उसकी मौत के बाद परिवार वालों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप भी लगाए हैं।

20 करोड़ रुपये, कोलकाता टू गोवा... वाया 'हवाला'

आई-पीएसी को लेकर ईडी का बड़ा दावा

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। हाई कोर्ट में दायर याचिका में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लगभग 20 करोड़ रुपये के हवाला लेन देन को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। ईडी का दावा है कि कोयला तस्करी से होने वाली अवैध कमाई के लगभग 20 करोड़ रुपये छह बार अलग-अलग हाथों से होते हुए इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी (आई-पीएसी) के गोवा ऑफिस पहुंचे, जहां इसे 2021-22 के गोवा चुनाव के दौरान राजनीतिक प्रबंधन और खर्चों के लिए इस फंड का इस्तेमाल हुआ। जांच में सामने आया है कि कुल कोयला तस्करी से करीब 2,742 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई थी।

कैसे हुआ यह करोड़ों का ट्रांजेक्शन?

ईडी का आरोप है कि यह पैसा 6 अलग-अलग हाथों से गुजरते हुए गोवा

पहुंचा ताकि इसकी ट्रेल (निशान) मिटाई जा सके। इसमें दिल्ली की एक एनबीएफसी कंपनी और कई हवाला ऑपरेटर्स (जैसे 'मुन्ना' और 'आर। कांतिलाल' फर्म) के शामिल होने का आरोप है। इसी मामले में बीती 8 जनवरी को ईडी ने कोलकाता में आई-पीएसी के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और दिल्ली में 10 जगहों पर छापेमारी की, ईडी का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने जांच में बाधा डाली और कुछ डिजिटल डिवाइस व महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर अपने साथ ले गईं।

ममता का कहना है कि ईडी उनके दल के 'इंटरनल डेटा' और 2026 चुनाव की रणनीति चोरी करने की कोशिश कर रही थी।

हवाला कारोबारियों के नाम ईडी के हाथ

कोलकाता के 'बड़ा बाजार' इलाके से जुड़े कुछ बड़े हवाला कारोबारियों के नाम ईडी के हाथ लगे हैं, जिन्होंने इस पैसे को डिजिटल ट्रेल छोड़ने के बजाय कैश में 'रूट' किया था। सूत्रों के अनुसार, ईडी इस मामले में 'मनी लॉन्ड्रिंग' (पीएमएलए) के तहत कुछ नई गिरफ्तारियां कर सकती है। जांच एजेंसी उन गवाहों के बयान दर्ज कर रही है जिन्होंने पैसे की डिलीवरी गोवा में करवाई थी। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। वहीं तृणमूल कांग्रेस और आई-पीएसी ने इन छापों को राजनीति से प्रेरित बता हाई कोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की है।

क्या हो सकती है बड़ी गिरफ्तारी?

ईडी को कुछ ऐसी व्हाट्सएप चैट और ईमेल मिले हैं जो इस 20 करोड़ के लेनदेन की पुष्टि करते हैं। गोवा पुलिस और स्थानीय हवाला सिंडिकेट से भी जानकारी साझा की गई है। ईडी अब उन हवाला ऑपरेटर्स की तलाश कर रही है जिन्होंने इस ट्रांजेक्शन में मदद की। इस खुलासे के बाद बंगाल में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। विपक्ष इसे सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और काले धन का चुनावी इस्तेमाल बता रहा है।

6 टुकड़ों में मिली लाश का मामला : 3 डॉक्टरों के बोर्ड ने किया पोस्टमॉर्टम, हत्या से पहले इंजेक्शन देने का शक

लुधियाना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के सलेम टाबरी इलाके में 30 वर्षीय युवक दविंदर की नृशंस हत्या के मामले में तीन डॉक्टरों के बोर्ड ने पोस्टमॉर्टम किया है। इस बोर्ड में फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ। करण प्रमोद, डॉ। अभयदीप और डॉ। पवनदीप कौर शामिल थे। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट में संकेत मिले हैं कि दविंदर को हत्या से पहले हाथ पर इंजेक्शन दिया गया था। सूत्रों के अनुसार गिरने के कारण उसके सिर में हेमरेज जैसी गंभीर चोट भी पाई गई है। हालांकि मौत के सटीक कारणों की पुष्टि के लिए विसरा को फोरेंसिक साइंस लैब भेजा गया है। डॉक्टरों ने बताया कि शव छह टुकड़ों में पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया था, जबकि दविंदर का दाहिना हाथ अब तक नहीं मिला है।

मनीमाजरा में पार्षद सुमन की जेठानी की गिरफ्तारी से मचा राजनीतिक बवाल

चंडीगढ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। (पंजाब) मनीमाजरा वार्ड नंबर 4 की पार्षद सुमन अमित शर्मा, जो हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई थीं, उनसे जुड़ा मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। उनकी जेठानी कोमल शर्मा की पंजाब पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होना सुमन शर्मा का एक बड़ा राजनीतिक फैसला माना जा रहा था, खासकर तब जब 26 जनवरी को मेयर चुनाव प्रस्तावित हैं। इस फैसले से आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा था। इसी के बाद अब राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई किए जाने के आरोप लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि मोहाली के सुहाना थाने में दर्ज एक मामले के आधार पर पंजाब पुलिस ने रविवार सुबह करीब 6 बजे सुभाष नगर स्थित घर से कोमल शर्मा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के समय घर के अन्य सदस्य सो रहे थे। कोमल शर्मा के पति सोनू शर्मा ने बताया कि वे उस समय सुबह की सैर पर गए हुए थे। पुलिस टीम में वर्दीधारी और सिविल कपड़ों में मौजूद कर्मी शामिल थे, जिन्होंने बिना पूर्व सूचना के उन्हें अपने साथ ले गया। गौरतलब है कि कोमल शर्मा पंजाब वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड में कार्यरत रह चुकी हैं।

उनकी गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जेपी मल्होत्रा सहित सैकड़ों भाजपा नेता मनीमाजरा थाने पहुंचे और गिरफ्तारी को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भाजपा नेताओं ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

अपराधियों पर दिल्ली पुलिस की नकेल, एक साल में 1044 गिरफ्तार; ड्रग्स और हथियारों की बड़ी बरामदगी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चलाया, जिसमें अलग-अलग अपराधों में शामिल कुल 1044 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 258 अपराधी जघन्य अपराधों में शामिल थे। डीसीपी डी शरद भास्कर के अनुसार, पुलिस के इस एक्टिव रवैये के कारण 2024 की तुलना में 2025 में जिले में जघन्य अपराधों के 64 मामलों में कमी आई। यह नतीजा पुलिस की प्रभावी पेट्रोलिंग और रणनीतियों के कारण हासिल हुआ। चोरी और झपटमारी की घटनाओं में भी कमी आई है। जहां 2024 में जघन्य अपराधों के 322 मामले सामने आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 258 हो गई। झपटमारी की घटनाओं में 171 मामलों की कमी दर्ज की गई, जबकि वाहन चोरी के मामलों में 606 और घरों और दुकानों में चोरी के मामलों में 309 की कमी आई।

वायु प्रदूषण पर कांग्रेस का हमला, जयराम रमेश बोले- एनसीएपी कागजी बनकर रह गया

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने वायु प्रदूषण के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) अब 'नोशनल' क्लीन एयर प्रोग्राम यानी कागजी बनकर रह गया है। जयराम रमेश ने रविवार को एक बयान में कहा, सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के एक नए विश्लेषण ने उस सच्चाई की पुष्टि की है, जो लंबे समय से भारत का सबसे खुला रहस्य है कि वायु गुणवत्ता पूरे देश में एक संरचनात्मक संकट है और इस पर सरकार की प्रतिक्रिया बेहद अप्रभावी और अपर्याप्त है।

सैटेलाइट डेटा के आधार पर किए गए इस अध्ययन में सामने आया है कि भारत के लगभग 44 प्रतिशत शहर (आकलन किए गए 4,041 नगरों में से 1,787 शहर) लगातार वायु प्रदूषण

की गंभीर चपेट में हैं। इन शहरों में पांच सालों के दौरान हवा में वार्षिक पीएम 2.5 का स्तर लगातार राष्ट्रीय मानकों से ऊपर बना रहा है। उन्होंने कहा कि जिस एनसीएपी को नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, वह वास्तव में एक अलग ही किस्म का एनसीएपी (नोशनल क्लीन एयर प्रोग्राम) बन गया है। अब इसकी गहन समीक्षा, व्यापक सुधार और पुनर्गठन की सख्त जरूरत है।

जयराम रमेश ने कहा, पहला कदम यह स्वीकार करना होना चाहिए कि भारत के बड़े हिस्सों में वायु प्रदूषण से जुड़ा एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट मौजूद है। इसी संकट को ध्यान में रखते हुए अब एयर पॉल्यूशन (कंट्रोल एंड प्रिवेंशन) एक्ट, 1981 और नवंबर 2009 में लागू किए गए नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (एनएएक्यूएस) की पूरी तरह से पुनर्समीक्षा और व्यापक सुधार किया जाना जरूरी है। कांग्रेस सांसद ने अपने बयान में कहा कि सरकार को एनसीएपी के तहत उपलब्ध कराए जाने वाले फंड में बड़े पैमाने पर वृद्धि करनी होगी।

उन्होंने कहा, एनसीएपी को 25 हजार करोड़ रुपए का कार्यक्रम बनाया जाना चाहिए और इसे देश के सबसे अधिक प्रदूषित 1,000 शहरों और कस्बों तक विस्तारित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एनसीएपी को अपने प्रदर्शन का पैमाना पीएम 2.5 के स्तर को बनाना चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि एनसीएपी को कानूनी आधार देने के साथ-साथ इसे अपने ध्यान को प्रमुख प्रदूषण स्रोतों पर केंद्रित करना चाहिए।

जयराम रमेश ने मांग उठाई कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के लिए तय वायु प्रदूषण मानकों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। सभी बिजली संयंत्रों में वर्ष 2026 के अंत तक फ्लू गैस डी-सलफराइजर (एफजीडी) अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाने चाहिए। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की स्वतंत्रता को बहाल किया जाना चाहिए और पिछले 10 सालों में किए गए जन-विरोधी पर्यावरण कानूनों के संशोधनों को वापस लिया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट की नौकरी का झांसा देकर चार लाख की ठगी, क्राइम ब्रांच जम्मू ने दर्ज की एफआईआर

जम्मू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नौकरी दिलाने का झांसा देकर दो लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में क्राइम ब्रांच जम्मू की स्पेशल क्राइम विंग ने आरोपी एफआईआर दर्ज की है। आरोपी की पहचान मोहम्मद ताहिर निवासी वार्ड नंबर सात, बनोला, जिला पुंछ के रूप में हुई है। उस पर चार लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है। स्पेशल क्राइम विंग के एसएसपी संजय परिहार ने बताया कि यह मामला दो अलग-अलग लिखित शिकायतों के आधार पर दर्ज किया गया है। पहली शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता की आरोपी से जम्मू से रुड़की की ट्रेन यात्रा के दौरान पहचान हुई थी। जान-पहचान बढ़ने के बाद आरोपी ने उसे जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट में सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इस बहाने 2 लाख रुपये हासिल किए। आरोपी ने हाईकोर्ट के नाम से एक नियुक्ति आदेश सौंपा, जो जांच में फर्जी और जाली पाया गया। दूसरी शिकायत में बताया गया कि आरोपी शिकायतकर्ता को पहले से जानता था। उसने पत्नी के इलाज के नाम पर दो लाख रुपये लिए।

नितेश राणे पर अबू आजमी के बिगड़े बोल

कहा-मुझे ताकत मिले तो इसकी जुबान काट दूं

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी स्टेट प्रेसीडेंट अबू आसिम अज़मी की एक कार्यक्रम में जुबान ऐसी फिसली की उन्होंने बीजेपी नेता नितेश राणे को बौना मंत्री बना दिया। नितेश राणे के हिंदुत्व के बयान पर अबू आसिम आज़मी ने कहा कि एक मंत्री नितेश राने बोलता है कि कुरान पढ़ना है तो पाकिस्तान जाओ। तीखे तेवर अपनाते हुए अबू आजमी ने कहा कि मुझे ताकत मिले तो ऐसे मंत्री की जुबान को नहीं काट दिया तो अपने बाप की औलाद नहीं।

आसिम आज़मी ने कहा एक दम बौना सा मंत्री है नेपाली दिखता है। बोलता है मस्जिद में घुसकर मुसलमानों को मारूंगा, क्या हम हिंजड़े है हमें मारेगा तू? इतनी ताकत है तो पुलिस को हटा दे और मस्जिद में घुसकर दिखा देख तेरी क्या हालत होती है। आज तक अपने किसी मुसलमान को मंदिर के बाहर खड़े होकर नारे लगाने को बोला? हम राम नवमी में पानी लेकर खड़े रहते हैं और ये कहते हैं देश में रहना है तो वंदे मातरम कहना पड़ेगा। हिंदुत्व और राष्ट्रवाद और रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठ पर हाल ही में बीजेपी नेता नितेश राणे का बयान सामने आया था। उन्होंने कहा कि मैं हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के लिए काम करता हूं, ध्रुवीकरण के लिए नहीं। धार्मिक जुलूसों के दौरान चुनिंदा गड़बड़ियों पर सवाल उठाते हुए, उन्होंने कहा कि ईद या मुहर्रम के दौरान कोई पत्थरबाजी नहीं होती, कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन रामनवमी या हनुमान जयंती पर पत्थरबाजी क्यों होती है? अगर ईद शांतिपूर्ण रह सकती है, तो रामनवमी को डिस्टर्ब करने की कोशिश क्यों की जाती है। उन्होंने साफ किया कि उनका विरोध किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं है। नितेश राणे ने कहा कि मैं देशभक्त मुसलमानों के खिलाफ नहीं हूं। जो लोग जिहाद करना चाहते हैं, उन्हें स्वाभाविक रूप से आपत्ति होगी।

राणे ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। खासकर वंदे मातरम कहने से इनकार करने को नितेश राणे ने लव जिहाद कहा। उन्होंने कहा कि अगर कोई भारत में रहता है और कहता है कि वे वंदे मातरम नहीं कहेंगे, तो उन्हें पाकिस्तान या कराची नहीं तो और कहां भेजा जाना चाहिए?

द्वारकापुरी में युवक ने फांसी लगाईः नाबालिग बेटे ने पिता को फंदे पर लटका देखा, मर्ग दर्ज

इंदौर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार तड़के सबसे पहले उसके नाबालिग बेटे ने पिता को फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद उसने मां और परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया। परिजन तत्काल युवक लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दीपक (28) पुत्र परसराम जाधव, निवासी द्वारकापुरी के रूप में हुई है। घटना के समय दीपक की पत्नी और उनका दूसरा बेटा भी उसी कमरे में सो रहे थे। बेटे को रात में पानी पीने के लिए नींद खुली थी, तभी उसने पिता को फांसी पर लटका देखा। परिजनों ने बताया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मृतक के मोबाइल फोन की जांच में भी फिलहाल कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है।

फिरोजपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पाकिस्तान से आई 5.5 किलो हेरोइन बरामद अंधेरे का फायदा उठाकर भागे तस्कर

फिरोजपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने पाक समगलरों की तरफ से ड्रोन के जरिए भारत में भेजी गई हेरोईन की बड़ी खेप बरामद करने में सफलता हासिल की है। जबकि इस कार्रवाई के दौरान हेरोईन की डिलीवरी लेने के लिए आए तस्कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पहले हेरोईन की डिलीवरी देने के लिए उड़ रहे ड्रोन का पीछा किया और फिर बीएसएफ की मदद से उक्त क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाकर खेतों में से 10 पैकेट बरामद कर उसमें से हेरोईन बरामद की है। इस संबंधी जानकारी देते हुए सीआईए स्टाफ इंस्पेक्टर मोहित धवन ने बताया कि उन्हें चेकिंग के दौरान गांव पल्ला मेघा से गांव भंबा वाला मौड़ पर अचानक से ड्रोन की आवाज सुनाई दी तो वह ड्रोन की आवाज का पीछा करते हुए गांव भंबा सिंह वाला से ढाणीयों को जाती लिंक रोड पर पहुंचे। वहां उन्हें एक गेहूं के खेत में एक मोटर पर कुछ दूरी से 2 व्यक्ति जिन्होंने मोबाईल फोन जगाए हुए थे दिखाई दिए, तो मोहित धवन ने पुलिस पार्टी के साथ उनका पीछा किया, लेकिन उक्त अज्ञात व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाते हुए वहां से फरार हो गए।

धवन व टीम ने साथी कर्मचारियों और बीएसएफ जवानों की सहायता से उक्त क्षेत्र में सर्च आप्रेशन चलाकर पीले रंग की टेप से लिपटे हुए 10 पैकेट बरामद कर उनमें से 5 किलो 562 ग्राम हेरोईन बरामद की है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उक्त मामलें में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है और पुलिस जांच कर रही है कि उक्त हेरोईन किसकी तरफ से भेजी गई है और उसकी डिलीवरी लेने के लिए कौन आया था। जिसका खुलासा आने वाले समय में किया जायेगा।

मिशन 2027! चुनावी मोड में यूपी कांग्रेस

प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर होंगे कई कार्यक्रम

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कमर कस ली है। संगठन को मजबूत बनाने के लिए कांग्रेस ने आगामी 100 दिनों की कार्ययोजना तैयार की है। वहीं प्रियंका गांधी के जन्मदिन (12 जनवरी) पर यूपी में कांग्रेस अपनी कार्ययोजना को लेकर सभी मंडलों में प्रेस वार्ता करेगी। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों में प्रियंका गांधी का जन्मदिन भी मनाया जाएगा। इस कार्ययोजना के तहत कांग्रेस 30 रैलियों के आयोजन समेत पार्टी चौपालों पर विभिन्न मुद्दों को लेकर नागरिकों को एकजुट करेगी। इस सिलसिले में मनरेगा और एसआईआर के मुद्दे को लेकर पार्टी जनता में पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

समन्वय समिति की बैठक

बता दें कि शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में राज्य प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों, मनरेगा और एसआइआर समन्वय समिति की बैठक में तैयार की गई कार्ययोजना पर चर्चा की गई। प्रदेश प्रभारी ने बताया कि 12 जनवरी को प्रियंका गांधी वाड्रा के जन्मदिन पर सभी 18 मंडलों में प्रेस कान्फ्रेंस के जरिए कार्ययोजना की जानकारी दी जाएगी।

सभी मंडलों में मनोगा प्रियंका गांधी का जन्मदिन

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द ही पंचायत चुनाव, एमएलसी चुनाव और उसके बाद विधानसभा चुनाव होने है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि संविधान संवाद रैलियों के जरिए जनता की समस्याओं को मजबूती के साथ उठाया जाएगा। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि प्रेस कान्फ्रेंस के बाद सभी मंडलों में प्रियंका गांधी का जन्मदिन भी मनाया जाएगा।

बीजेपी के मनोनीत पार्षद को 24 घंटे में ही देना पड़ा इस्तीफा, यौन उत्पीड़न से जुड़ा है मामला

ठाणे, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की कुलगाम-बदलापुर नगर परिषद में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'मनोनीत पार्षद' नियुक्त किए जाने के 24 घंटे के भीतर ही बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के सह-आरोपी तुषार आप्टे ने इस्तीफा दे दिया है। सत्ताधारी दल को इस नियुक्ति को लेकर चौतरफा आलोचना भी झेलनी पड़ रही थी। वहीं कथित यौन उत्पीड़न की घटना के समय आप्टे स्कूल के सचिव थे। आप्टे पर आरोप है कि उन्होंने इस अपराध की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। बच्चियों के यौन शोषण के मामले में शिकायत दर्ज न करने पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 21(2) के तहत उन पर मामला दर्ज किया गया था। वहीं घटना के 44 दिन बाद आप्टे को गिरफ्तार किया गया और 48 घंटे में ही उन्हें जमानत भी मिल गई। जिसके बाद मामला अभी अदालत में विचाराधीन है।

'उनके दिमाग में ट्यूबलाइट', असम सीएम की हिंदू पीएम वाली टिप्पणी से भड़के ओवैसी ने कसा तंज

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव प्रचार में व्यस्त ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का हिजाब पहने बेटी का एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनने वाले बयान पर सियासत शुरू हो चुकी है।

ओवैसी ने अब रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। ओवैसी का यह बयान असम सीएम की टिप्पण के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र होने के नाते एक हिंदू व्यक्ति को ही देश का प्रधानमंत्री बनते हुए देखेगा। रविवार को नागपुर में ओवैसी ने असम सीएम पर करारा तंज कसते हुए कहा कि उनके दिमाग में 'ट्यूबलाइट' है। उन्होंने संविधान की कसम खाई है। संविधान में यह कहां लिखा है? पाकिस्तान के संविधान में लिखा है कि सिर्फ एक समुदाय का व्यक्ति ही उस देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बन सकता है। हमारे देश में बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान दिया है। वे हिमंत बिस्वा सरमा से अधिक बुद्धिमान और पढ़े-लिखे थे। दुर्भाग्य से जो लोग संविधान और उसकी भावना को नहीं समझते कि यह देश सिर्फ एक समुदाय का नहीं है। उनकी (असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की) सोच छोटी है, इसलिए वे ऐसी छोटी-छोटी बातें करते हैं।

असम सीएम का पूरा बयान जानिए

दरअसल, शनिवार को गुवाहाटी में ओवैसी के बयान पर असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि संवैधानिक रूप से कोई रोक नहीं है। कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है। लेकिन भारत एक हिंदू राष्ट्र है, हिंदू सभ्यता है, और हम हमेशा यह मानेंगे और हमें पूरा भरोसा है कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू व्यक्ति ही होगा।

क्या था ओवैसी का वो बयान, जिससे शुरू हुई बयानबाजी

ओवैसी ने एक दिन पहले शनिवार, 10 जनवरी को महाराष्ट्र के सोलापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी। अपने बयान में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि पाकिस्तान का संविधान साफ तौर पर कहता है कि सिर्फ एक धर्म का व्यक्ति ही देश का प्रधानमंत्री बन सकता है।

लेकिन बाबा साहेब का संविधान कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मेयर बन सकता है। मेरा सपना है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी हुई बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: बड़ा बनो, पर उसके सामने नहीं, जिसने तुम्हे बड़ा किया है!

एसएलबीसी सुरंग कार्य फिर शुरू करने की तैयारी : उत्तम

मंत्री का निर्देश, कार्य दोनों सिरों से एक साथ किया जाए

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजना को पुनर्जीवित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए, सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के कार्यों को फिर से शुरू करने की घोषणा की। रविवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि 22 फरवरी 2025 को सुरंग की छत गिरने के बाद परियोजना का कार्य रुक गया था, जिसे अब उन्नत सुरंग निर्माण पद्धतियों के साथ फिर से शुरू किया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि 1983 में शुरू की गई अलीमिनेती माधव रेड्डी परियोजना (एएमआरपी) का प्रमुख घटक एसएलबीसी सुरंग सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लगभग 44 किलोमीटर लंबी यह सुरंग केवल दो सिरों श्रीशैलम इनलेट और देवकोंडा आउटलेट से ही बनाई जा रही है और पूरी होने पर यह बिना मध्यवर्ती शाफ्ट के निर्मित होने वाली दुनिया की सबसे लंबी सुरंग होगी। यह सुरंग श्रीशैलम जलाशय के बाएं तट से निकलती है और इसका उद्देश्य तेलंगाना के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में 3 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करना तथा फ्लोराइड प्रभावित गांवों को पेयजल उपलब्ध कराना है। अब तक इनलेट साइड से 13.94 किमी और आउटलेट साइड से 20.4 किमी खुदाई पूरी हो चुकी है। लगभग 9.8 किमी कार्य अभी शेष है। उन्होंने बताया कि टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का मलबा हटा दिया गया है और स्थल को पूरी तरह साफ कर पुनः कार्य शुरू करने के लिए तैयार कर लिया गया है। भूवैज्ञानिक चुनौतियों को देखते हुए टीबीएम को छोड़कर उन्नत सुरंग निर्माण तकनीकों को अपनाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए हेलीकॉप्टर आधारित वीटीईएम प्लस मैग्नेटिक भू-भौतिकीय सर्वेक्षण के बाद लिया गया। मंत्री ने कहा कि इस हवाई सर्वेक्षण से चट्टानों की स्थिति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिससे कमजोर चट्टान क्षेत्रों के लिए अग्रिम चेतावनी प्रणाली स्थापित की जा सकेगी। इसके अलावा 3डी मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने की योजना है ताकि भूवैज्ञानिक पूर्वानुमानों के आधार पर सुरंग के सहायक ढांचे तैयार किए जा सकें। ठेकेदार के रूप में जेपी इंफ्रा कार्य जारी रखेगा। परियोजना निधियों की सुरक्षा के लिए एक एस्क्रो खाता स्थापित किया गया है, जिसके लिए बैंक और कानूनी अनुमोदन प्राप्त हो चुके हैं। इससे परियोजना-विशेष धनराशि सुरक्षित रहेगी और कार्य बिना बाधा आगे बढ़ सकेगा। मंत्री ने प्रधान सचिव राहुल बोज्जा और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित भुगतानों का शीघ्र निपटान किया जाए ताकि कार्य में देरी न हो। उन्होंने कहा कि आवश्यक होने पर अन्य परियोजनाओं से उपकरण और श्रमिकों को स्थानांतरित किया जाए। काम चौबीसों घंटे तीन शिफ्टों में चलेगा ताकि प्रगति तेज हो सके। संबंधित अधिकारियों को स्थल पर ही मौजूद रहकर डिजाइन, सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर त्वरित निर्णय लेने चाहिए।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर 404 गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार रात शहर में सप्ताहांत के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ अभियान चलाते हुए 404 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में 349 दोपहिया वाहन चालक, 25 तिपहिया वाहन चालक और 31 चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) जोएल डेविस की देखरेख में विभिन्न स्थानों पर वाहन जांच की गई। पुलिस ने बताया कि 12 लोगों के खून में अल्कोहल की मात्रा 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से अधिक पाई गई। सभी मामलों में कार्रवाई की जा रही है और पकड़े गए सभी लोगों को अदालत में पेश किया जाएगा।

निजामाबाद शहर की तस्वीर को पूरी तरह से बदलने का प्रयास : गौड़

60 करोड़ की लागत से सब-स्टेशन कार्यों का शिलान्यास

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार ने निजामाबाद शहर के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

निजामाबाद नगर निगम क्षेत्र के 60 डिवीजनों के समग्र विकास के उद्देश्य से 60 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 33/11 केवी विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ तथा सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया। इस अवसर पर महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य प्रत्येक डिवीजन के लिए 1 करोड़ रुपये की राशि आवंटित कर निजामाबाद शहर की तस्वीर और तकदीर को पूरी तरह बदलना है। उन्होंने कहा कि शहर में बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देते हुए बिजली, सड़क और ड्रेनेज जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 33/11 केवी सब-स्टेशन की स्थापना से निजामाबाद शहर में लो-वोल्टेज की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी और नागरिकों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे वाणिज्यिक और औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद निजामाबाद शहर को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है और विकास कार्यों में तेजी लाई गई है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सरकार कोई समझौता नहीं करेगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कांग्रेस पार्टी के नेता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीएचएमसी विभाजन को लेकर दासोजू का सरकार पर हमला

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी डॉ. श्रीवाण दासोजू ने कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि जीएचएमसी वार्ड परिसीमन और बाहरी नगरपालिकाओं के विलय के माध्यम से सरकार संविधान और तेलंगाना की आत्मा पर सीधे हमला कर रही है। रविवार को जारी 45-स्लाइड की विस्तृत प्रस्तुति में एमएलसी ने सरकार की कार्रवाई को "तानाशाही" और "गुप्त" बताते हुए इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वार्ड परिसीमन केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसमें लोकतांत्रिक बहस, विरोध की आवाज़ और जनता की सहमति शामिल होनी चाहिए। दासोजू ने रेवंत रेड्डी प्रशासन पर 74वें संविधान संशोधन का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य चुनाव आयोग को दरकिनार करके इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को निजी संस्थाओं जैसे एएससीआई और सीजीजी को सौंपना संवैधानिक अधिकारों का हनन है। एमएलसी ने सुप्रीम कोर्ट के मेघराज कोठारी बनाम डेलिमिटेशन कमीशन मामले का हवाला देते हुए कहा कि परिसीमन एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और इसे केवल नौकरशाही कार्य मानकर नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी बताया कि पारंपरिक समुदायों को विभाजित कर विरोधी ठिकानों को कमजोर करने के लिए सीमाओं को फिर से खींचा जा रहा है, जिससे शहर की सदियों पुरानी गंगा-जमुना तहज़ीब खतरे में है। डॉ. दासोजू ने कहा कि जीएचएमसी का विस्तार 650 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर 2053 वर्ग किलोमीटर करना बहु-अरब डॉलर की रियल एस्टेट धोखाधड़ी है। उन्होंने फ्यूचर सिटी परियोजना को शहरी अव्यवस्था का सूत्र बताते हुए कहा कि इसका लाभ केवल रियल एस्टेट माफिया को होगा, जबकि मुख्य शहर की आधारभूत संरचना लगातार जर्जर होती जा रही है। उन्होंने सभी परिसीमन मानचित्र और डेटा सार्वजनिक रूप से जारी करने, हर वार्ड में खुली जनता की बैठक आयोजित करने और राज्य चुनाव आयोग को संवैधानिक अधिकार वापस देने की मांग की। एमएलसी ने सभी नागरिकों और धरोहर संरक्षकों से अपील की कि वे इन तानाशाही कदमों के खिलाफ खड़े हों और ट्विन सिटी की पहचान बचाएं।

हरिश राव ने फिल्म टिकट मूल्य वृद्धि पर निशाना साधा

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हरिश राव ने रेवंत रेड्डी सरकार की फिल्म उद्योग नीति की आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार फिल्म उद्योग को उद्योग के रूप में देख रही है या इसे राजनीतिक प्रतिशोध का माध्यम बना रही है? उन्होंने कहा कि एक फिल्म को मध्यरात्रि तक चलाने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि दूसरी फिल्म को उसी अनुमति का लाभ दो दिन पहले ही मिल गया। हरिश राव ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में की जा रही है। उन्होंने कहा कि सीएम किनके प्रति पक्षपाती हैं और कौन सी "अदृश्य शक्ति" हालिया चुनाव में हारने के बाद अब फिल्म टिकटों की कीमत तय कर रही है। बीआरएस नेता ने राज्य गवर्नर से इस कथित कमीशन घोटाले की जांच कराने की मांग की और कहा कि पार्टी इस मामले की पूरी जानकारी जनता के सामने लाएगी।

प्रतिबंधित नायलॉन कोटेड चीनी मांझा एक आरोपी गिरफ्तार

6.90 लाख मूल्य के 345 चीनी मांझा बॉबिन बरामद

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट ज़ोन की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नायलॉन कोटेड चीनी मांझा की अवैध खरीद एवं बिक्री में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कालापाथर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत डेक्कन बेकरी, साधु काइट शॉप, कालापत्थर, हैदराबाद से पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद शज़ैब (42 वर्ष), पिता मोहम्मद अनीस, पेशा पतंग व्यवसाय, निवासी गुंटल शाह बाबा की दरगाह, वटापल्ली, हैदराबाद के रूप में हुई है। आरोपी के पास से प्रतिबंधित सामग्री, मोनोफिल गोल्ड- सिंथेटिक नायलॉन कोटेड चीनी मांझा 345 बॉबिन बरामद हुआ है। बरामद सामाग्री का मूल्य 6 लाख 90 हजार बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी कालापत्थर क्षेत्र में पतंग व्यवसाय करता है। शीघ्र धन कमाने के उद्देश्य से उसने अवैध रूप से प्रतिबंधित चीनी मांझा की खरीद की। जांच में सामने आया कि आरोपी ने यह प्रतिबंधित मांझा अपने सहयोगी विक्रम मेहता, निवासी करनाल (हरियाणा) से प्राप्त किया, जिसने हरियाणा से चीनी मांझा मंगवाकर हैदराबाद पहुंचाया। आरोपी इसे 2,000 प्रति बॉबिन की दर से बेच रहा था। गौरतलब है कि तेलंगाना राज्य सरकार ने पक्षियों और मानव जीवन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जनवरी 2016 में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत चीनी मांझा (नायलॉन धागा) की खरीद, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर 5 वर्ष तक की कैद या 1 लाख तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड का प्रावधान है। गिरफ्तार आरोपी को जब्त सामग्री सहित आगे की जांच एवं कानूनी कार्रवाई के लिए कालापाथर थाना प्रभारी (एसएचओ) को सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई वेस्ट ज़ोन टास्क फोर्स के इंस्पेक्टर च. यदेंदर, एसआईपी जी. संदीप रेड्डी तथा उनकी टीम के पर्यवेक्षण में की गई।

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से 'अराइव अलाइव' अभियान : डीजीपी

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आज कार्यक्रम में होंगे शामिल

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों को उल्लेखनीय रूप से कम करने के संकल्प के साथ पुलिस विभाग द्वारा शुरू किए गए 'अराइव अलाइव' रोड सेफ्टी जनजागरूकता अभियान में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी 12 जनवरी को यूसुफगुड़ा स्थित इंडोर स्टेडियम में भाग लेंगे। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

डीजीपी ने बताया कि यह राज्यव्यापी अभियान 13 जनवरी से 24 जनवरी तक, त्योहारों की छुट्टियों को छोड़कर, कुल दस दिनों तक चलाया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता की भागीदारी से सड़क दुर्घटनाओं और प्राणहानि को प्रभावी रूप से कम करना है।

उन्होंने कहा कि 'अराइव अलाइव' का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़क सुरक्षा का महत्व हर तेलंगाना नागरिक के मन में गहराई से स्थापित हो। इस अभियान को सफल बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर अंतिम स्तर के पुलिस कर्मियों तक सभी को पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीजीपी ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से लोगों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाकर दुर्घटनाओं को कम करना, डिफेंसिव ड्राइविंग की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा गांव से लेकर जिला स्तर तक सड़क सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना लक्ष्य है। छात्रों, युवाओं, सेलिब्रिटीज़, स्वयंसेवी संस्थाओं, कॉर्पोरेट जगत, मीडिया, जनप्रतिनिधियों, सभी सरकारी विभागों और न्यायिक संस्थाओं की भागीदारी से तेलंगाना को देश का आदर्श सड़क सुरक्षा राज्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हेलमेट न पहनना (विशेषकर पिलियन राइडर्स द्वारा), सीट बेल्ट का उपयोग न करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल, शराब पीकर ड्राइविंग, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, सिग्नल जंपिंग, स्टॉप लाइन का उल्लंघन, हाईवे पर ऑटो ओवरलोडिंग, मीटर व यूनिफॉर्म नियमों का उल्लंघन, हाई बीम लाइट्स का प्रयोग तथा बाईं ओर से ओवरटेकिंग जैसी खतरनाक आदतों पर इस अभियान में विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डीजीपी ने बताया कि जिला स्तर पर पुलिस कमिश्नर अथवा जिला एसपी के नेतृत्व में, विभिन्न विभागों के सहयोग से अभियान चलाया जाएगा। डिवीजन स्तर पर एसडीपीओ, मंडल स्तर पर सीआई व एसआई तथा ग्राम स्तर पर सरपंच की अध्यक्षता में ग्राम ट्रैफिक सेफ्टी कमेटियों के माध्यम से जनजागरूकता फैलाई जाएगी। इसमें शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, युवा, एनसीसी प्रतिनिधि, ऑटो चालक, ट्रैक्टर मालिक आदि को भी शामिल किया जाएगा।

इन दस दिनों में डिफेंसिव ड्राइविंग, छात्र-युवा जागरूकता, ग्रामीण सड़क सुरक्षा, महिला व पारिवारिक सुरक्षा, शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, सेलिब्रिटी-मीडिया सहभागिता, कॉर्पोरेट व परिवहन क्षेत्र तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ग्राम सभाओं, शैक्षणिक संस्थानों, ऑटो, आरटीसी बसों, निजी ट्रैवल्स, कैब सेवाओं, काइट फेस्टिवल्स, रंगोली प्रतियोगिताओं, रोड कैंपेन, ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष उपायों, मॉल्स, बाजारों, रैतू बाजारों, सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, कंपनियों, कारखानों, धार्मिक संस्थाओं, एसईआरपी और एमईपीएमए समूहों के माध्यम से व्यापक प्रचार किया जाएगा।

डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने बताया कि इस 'अराइव अलाइव' अभियान को पूरे राज्य में एकरूपता और पूरी गंभीरता के साथ लागू करने के निर्देश सभी पुलिस कमिश्नरों और जिला एसपी को दिए गए हैं। उन्होंने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाकर तेलंगाना को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में देश के लिए आदर्श राज्य बनाया जाएगा।

तेलंगाना सीईओ तीन दिवसीय चुनाव प्रबंधन यात्रा पर बेल्जियम रवाना

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी रविवार को बेल्जियम के लिए तीन दिवसीय औपचारिक यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन में सहयोग मजबूत करना और भारत निर्वाचन आयोग (सीईओ) एवं बेल्जियम के फेडरल पब्लिक सर्विस- इंटीरियर के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना है। बेल्जियम सरकार द्वारा दिए गए औपचारिक निमंत्रण के तहत यह यात्रा आयोजित की जा रही है और इसका मुख्य ध्यान चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ाने पर है। सुदर्शन रेड्डी की अगुवाई में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में अनदीप दुरीशेट्टी, जिला निर्वाचन अधिकारी और खम्मम कलेक्टर, बोयपाटी चेनैया, राज्य प्रशिक्षण नोडल अधिकारी और विशेष ग्रेड उप-कलेक्टर, कंकनाला अनंता रेड्डी, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, 48-इब्राहिमपट्नम विधानसभा क्षेत्र वेमुला ध्रुवा कुमार रेड्डी, बूथ स्तर अधिकारी, मतदान केंद्र संख्या 97, 63-नम्पल्ली विधानसभा क्षेत्र शामिल है। इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल बेल्जियम के फेडरल पब्लिक सर्विस- इंटीरियर और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेगा, केयू ल्यूवेन विश्वविद्यालय के अकादमिक विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श करेगा और ब्रुसेल्स स्थित भारतीय दूतावास में अधिकारियों एवं सेवा मतदाताओं से बातचीत करेगा। यह कार्यक्रम इंडिया इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट के अंतरराष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा है, जो चुनाव प्रशासन में पेशेवर क्षमता बढ़ाने, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण करने और लोकतांत्रिक शासन में भारत की नेतृत्व भूमिका को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।

नुमाइश में शहर की पहली ऑटोमेटिक मल्टी-लेवल पार्किंग

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नुमाइश के 86वें संस्करण के दौरान दर्शक अब नामपल्ली में नई बहुस्तरीय कार पार्किंग (एमएलपी) परिसर का उपयोग कर सकते हैं, हालांकि इसका औपचारिक उद्घाटन अभी बाकी है। हालांकि अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (एआईआईई) ने भीमराव बाड़ा, गगन विहार, हाउसिंग बोर्ड, गांधी भवन और चंद्र विहार में मुफ्त पार्किंग जोन बनाए हैं, एमएलपी में आगंतुक शहर की पहली पूरी तरह से स्वचालित पार्किंग प्रणाली का अनुभव ले रहे हैं। इसके लिए प्रति घंटे 30 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है।

एआईआईई के सचिव बीएन राजेश्वर ने स्पष्ट किया कि पार्किंग सुविधा सोसाइटी की नहीं है और इसे बनाने वाली एजेंसी द्वारा भुगतान के आधार पर ही उपयोग की अनुमति दी जा रही है। एमएलपी 102 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है और इसमें जर्मन पेलिस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। परियोजना को भारी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड ने पीपीपी मॉडल पर विकसित किया है। एचएमआरएल ने बताया कि औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की व्यस्त अनुसूची के कारण अभी तक नहीं हो पाया है।

पार्किंग परिसर की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

15 मंजिल और 10 पार्किंग लेवल

250 कारें और 200 दोपहिया वाहन एक साथ खड़े किए जा सकते हैं

पूरी प्रणाली सेंसर द्वारा संचालित, मानवीय हस्तक्षेप नहीं आवश्यक

1,44,400 वर्ग फुट क्षेत्र का 68 प्रतिशत हिस्सा पार्किंग के लिए उपयोग

स्मार्ट कार्ड और आरएफआईडी कार्ड के माध्यम से संचालन

वाहन पार्क करने में 1 मिनट और निकालने में 2 मिनट का समय

फरवरी में शुरू होगा हैदराबाद बर्ड एटलस का तीसरा चरण

स्वयंसेवकों से भागीदारी की अपील

संगारेड्डी, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद बर्ड एटलस (एचबीए) का तीसरा चरण इस वर्ष फरवरी महीने में शुरू होगा। यह दो सप्ताह का पक्षी सर्वेक्षण 7 फरवरी से 22 फरवरी तक चलेगा। आयोजकों ने शहर के सभी पक्षी प्रेमियों और प्रकृति से जुड़ाव रखने वाले लोगों से इस स्वैच्छिक सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील की है।

हैदराबाद बर्ड एटलस का मुख्य उद्देश्य बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) की सीमा के भीतर हैदराबाद शहर में पाए जाने वाले पक्षियों का विस्तृत नक्शा तैयार करना है। इस सर्वे के दौरान अलग-अलग इलाकों में मौजूद पक्षी प्रजातियों, उनकी संख्या और प्रजनन की स्थिति का रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके साथ ही सर्दी और गर्मी के मौसम में पक्षियों के आने-जाने के पैटर्न का भी अध्ययन किया जाएगा।

यह परियोजना वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया), हैदराबाद बर्डिंग पाल्स और डेक्कन बर्डर्स के सहयोग से चलाई जा रही है। पहले चरण का आयोजन फरवरी 2025 में हुआ था, जिसमें 209 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और 195 पक्षी प्रजातियों को दर्ज किया गया। दूसरे चरण में 166 प्रजातियां दर्ज की गईं। परियोजना से जुड़े श्रीराम रेड्डी ने बताया कि इस बार अधिक स्वयंसेवकों के जुड़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पहले से पंजीकृत स्वयंसेवकों को दोबारा पंजीकरण करने की जरूरत नहीं है और वे अपने दोस्तों को भी इस अभियान से जोड़ सकते हैं।

नालगोंडा में 4.5 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स ने शनिवार को नालगोंडा जिले में ग्राहकों को गांजा बेचने के आरोप में हैदराबाद के सैयद माजिद हुसैन (25) और सोहेल अली (26) को गिरफ्तार किया। कार्रवाई सूचना मिलने के बाद की गई। ईगल फोर्स के निदेशक संदीप शांडिल्य के अनुसार, हुसैन मल्लेपल्ली का निवासी है और कुछ साल पहले नशे का आदी हो गया था। अपनी लत को पूरा करने के लिए उसने ग्राहकों को गांजा बेचना शुरू किया। चार महीने पहले उसने इंस्टाग्राम के माध्यम से ओडिशा के एक ड्रग पेडलर से संपर्क किया।

7 जनवरी को दोनों को तीन पैकेटों में लगभग 4.5 किलोग्राम गांजा सौंपा गया, जिसे उन्होंने नालगोंडा टाउन और मल्लेपल्ली इलाके में 500 रुपये प्रति पैकेट की दर से बेचा। सूचना मिलने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

50 हजार रुपये रिश्वत लेते दरोगा रंगे हाथ गिरफ्तार

महराजगंज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) की एक टीम ने एक पुलिस उप निरीक्षक (दरोगा) को कथित तौर पर 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीओ के अनुसार, शिकायतकर्ता सैदुल्लाह ने पुलिस को बताया कि उसके परिवार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कोतवाली पुलिस थाना के उप निरीक्षक अशरफ खान ने उसे गिरफ्तारी से बचाने और मामले को सुलझाने के बदले में 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। सैदुल्लाह ने आरोप लगाया कि खान ने यह धमकी भी दी थी कि अगर रकम नहीं दी गई तो परिवार के सभी सदस्यों को जेल भेज दिया जाएगा। एसीओ टीम गोरखपुर के प्रभारी निरीक्षक शिव मोहन यादव ने बताया कि शिकायत के आधार पर खान के खिलाफ फरेंदा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच के बाद, टीम ने शिकायतकर्ता को पैसे देकर भेजा और दरोगा को रंगे हाथों पकड़ लिया।

'ईडी और सीबीआई क्यों खामोश'

कोडीन कफ सिरप मामले में पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने फिर उठाए सवाल

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य में कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। लखनऊ में उन्होंने सवाल किया कि इस रैकेट में शामिल लोगों की जांच किसी केंद्रीय एजेंसी से क्यों नहीं कराई जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि कोडीन युक्त कफ सिरप रैकेट में शामिल लोगों ने करीब 800 करोड़ रुपये की संपत्ति जमा कर ली है, इसके बावजूद ईडी या सीबीआई जैसी एजेंसियां उनकी जांच नहीं कर रहीं। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि ईडी सिर्फ उन्हीं राज्यों में क्यों सक्रिय हो जाती है, जहां चुनाव हो रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर एजेंसियां निष्पक्ष हैं, तो फिर इस बड़े कफ सिरप मामले की जांच क्यों नहीं हो रही।

भाजपा और सपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज

कोडीन कफ सिरप के अवैध कारोबार को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी के बीच लंबे समय से आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। हाल ही में विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी यह मुद्दा जोर-शोर से उठा था। सपा के विधायकों ने सदन के अंदर और बाहर इस मामले को लेकर प्रदर्शन और हंगामा किया था।

योगी सरकार का जवाब और जांच का दावा

विधानसभा सत्र के पहले दिन 19 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि इस मामले की जांच के लिए एक राज्य स्तरीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) काम कर रही है। इस एसआईटी में उत्तर प्रदेश पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) से जुड़े अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि अवैध कारोबार का पैसा किन-किन लोगों तक पहुंचा है, यह सब जांच में सामने आएगा।

अखिलेश के आरोपों पर योगी का तंज

अखिलेश यादव के बयानों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था, "उनके बारे में बस यही कहूंगा, यही कसूर मैं बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।" उन्होंने यह भी कहा था कि माफियाओं के साथ अखिलेश यादव की तस्वीरें मौजूद हैं और जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जाएगा।

सरकारी आंकड़े भी रखे गए सामने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में कार्रवाई का विवरण देते हुए बताया था कि सरकार ने इस मामले में 79 केस दर्ज किए हैं, 225 लोगों को नामजद किया गया है और 78 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा था कि 134 कंपनियों पर छापे मारे गए हैं और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े लेन-देन की जांच एसटीएफ कर रही है। मुख्यमंत्री का दावा था कि गहराई से जांच करने पर समाजवादी पार्टी के नेताओं या पदाधिकारियों से इसके संबंध सामने आते हैं।

माघ मेले में किन्नर संतों का होगा पट्टाभिषेक

किन्नर अखाड़े में होगा आयोजन, आचार्य महामंडलेश्वर डॉ लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी भी पहुंचेंगी

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ के बाद अब माघ मेले में किन्नर अखाड़े का शिविर स्थापित हो चुका है। किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी भी इस अपने इस शिविर में 15 जनवरी को पहुंच रही हैं। मेले में संगम लोवर, ओल्ड जीटी रोड चौराहे पर लगे शिविर में देश के अलग - अलग प्रदेश से दर्जनभर किन्नर संतों को महंत, श्रीमहंत, मंडलेश्वर और महामंडलेश्वर के पदों पर पट्टाभिषेक 16 जनवरी को होने जा रहा है। यह किन्नर संत, महात्मा दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु सहित अन्य प्रदेशों के रहने वाले हैं जो कई वर्षों से सनातन धर्म की सेवा कर रहे है। यहां ममता कुलकर्णी भी आने वाली हैं।

आचार्य महामंडलेश्वर खुद उनका पट्टाभिषेक करेंगी। आचार्य महामंडलेश्वर डॉ त्रिपाठी ने कहा कि संस्कारों वाला सनातन धर्म है जो मोक्ष का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म आदि, अनादि काल से साश्वत है जो निरंतर चल रहा है। यह धर्म भारत ही नहीं बल्कि विश्व में भी अपनी जड़े जमाए हुए है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बहुत से विदेशी आक्रांताओं ने सनातन धर्म को कई बार क्षति पहुंचाने की कोशिश किया लेकिन सनातन धर्म साश्वत चलता रहा। उन्होंने देश और विदेश से तीर्थ राज प्रयागराज आये हुए संत, महात्मा और कल्पवासियों के मंगल, उन्नति की भगवान वेणी माधव और तीर्थराज प्रयागराज से कामना की है। उधर, किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां), नासिक से महामंडलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि सहित पांच दर्जनों शिष्य माघ मेला में लगे शिविर में कल्पवास करते हुए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दें रही हैं।

वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के फ्लैट में लगी भीषण आग

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)। वृंदावन के छटीकरा मार्ग स्थित श्रीकृष्ण शरणम सोसाइटी में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संत प्रेमानंद जी महाराज के फ्लैट संख्या 212 में भीषण आग लग गई। आग लगने का प्राथमिक कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, घटना के दौरान महाराज के सेवादारों द्वारा स्थानीय लोगों, पुलिसकर्मियों और पत्रकारों के साथ की गई अभद्रता ने मामले को और गरमा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, फ्लैट में अचानक धुआं और आग की लपटें उठते देख आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। गनीमत यह रही कि प्रेमानंद महाराज पिछले एक महीने से श्री राधाहित कैलिकुंज में निवास कर रहे हैं, जिसके कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर जल्द काबू पा लिया। मौके पर उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब महाराज के सेवादारों ने कवरेज कर रहे पत्रकारों और वीडियो बना रहे स्थानीय लोगों को जबरन रोकना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सेवादारों ने कई लोगों के मोबाइल फोन छीन लिए और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ भी बदतमीजी की। संत के सेवादारों के इस उग्र और मर्यादित व्यवहार से स्थानीय ब्रजवासियों में गहरा रोष है।

लोगों का कहना है कि एक ओर जहां संकट के समय लोग मदद के लिए पहुंचे थे, वहीं सेवादारों ने सेवा भाव के बजाय अभद्रता का परिचय दिया। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से सेवादारों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। सेवादारों के व्यवहार ने वृंदावन के धार्मिक और सामाजिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

'अयोध्या में मुसलमानों की एंट्री हो बैन', राम मंदिर में नमाज मामले पर बोले महंत राजू दास

हनुमानगढ़ी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के एग्जिट गेट पर नमाज पढ़े जाने के कथित मामले को लेकर विवाद तेज हो गया है। इस घटना पर हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कड़ा बयान दिया है। उन्होंने इस घटना को दुखद और निंदनीय बताते हुए प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। महंत राजू दास का कहना है कि राम जन्मभूमि परिसर में कुछ मुसलमानों द्वारा नमाज पढ़े जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने इसे आस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं माहौल को बिगाड़ने वाली हैं और इन पर तत्काल कार्रवाई जरूरी है। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा, आज राम जन्मभूमि में 3-4 मुसलमानों द्वारा नमाज पढ़े जाने की घटना संज्ञान में आई है। यह दुखद और अति निंदनीय है।

'सपा का जनाधार खत्म हो चुका है'

एसआईआर पर बयानबाजी के बीच आरपी सिंह ने अखिलेश यादव को घेरा

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में जारी एसआईआर प्रक्रिया पर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। प्रेस वार्ता के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया पर कई सवाल खड़े किए हैं। जिसके बाद बीजेपी नेता आरपी सिंह ने उस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। आरपी सिंह ने अखिलेश यादव के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए चुनावी समर्थन खत्म होने का संकेत करार दिया।

समाजवादी पार्टी का जनाधार खत्म हो चुका है- आरपी सिंह

बीजेपी नेता आरपी सिंह ने कहा कि जब अखिलेश यादव एसआईआर को लेकर सवाल उठा रहे हैं, तो दरअसल वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी पार्टी का जनाधार खत्म हो चुका है। एएनआई को दिए आरपी सिंह के बयान के मुताबिक, अगर समाजवादी पार्टी को अब भी जनता का समर्थन हासिल है, तो उनके विधायक उन मतदाताओं के लिए फॉर्म 6 और 7 भरें, जिनके नाम मतदाता सूची से कटे बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर संबंधित मतदाता जीवित हैं या कहीं और स्थानांतरित हो चुके हैं, तो विधायकों को यह मुद्दा उठाना चाहिए, न कि निराधार आरोप लगाने चाहिए।

ईसीआई की विश्वसनीयता पर सवाल को बताया राजनीति से प्रेरित

गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने यह सवाल उठाया था कि बीजेपी नेताओं को पहले से यह कैसे पता है कि कितने मतदाताओं के नाम हटाए जाने वाले हैं। उन्होंने इसे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता से जोड़ते हुए गंभीर सवाल खड़े किए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आरपी सिंह ने कहा कि इस तरह के बयान पूरी तरह आधारहीन हैं और केवल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए दिए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि चुनावी प्रक्रिया संवैधानिक दायरे में होती है और उस पर सवाल उठाना अनुचित है।

एक कंटेनर में टकराईं तीन गाड़ियां, दो की मौके पर ही मौत

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में कड़ाके की ठंड और रसुबह में घना कुहासा के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है तो कई बड़ी घटनाएं भी हो रही है। ऐसा ही कुहासे का कहर राजधानी पटना में देखने को मिला है। जहां पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में एक बड़ा दर्दनाक सड़क हादसे की घटना सामने आया है। बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना अंतर्गत बख्तियारपुर मोकामा फोरलेन स्थित फुलेलपुर गांव के पास कोहरे के कारण दो कार कंटेनर से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई।

जबकि, चार लोग बुरी तरह घायल हैं। दुर्घटना में दोनों कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव व घायलों को कार से निकाला। घायलों को इलाज के लिए बख्तियारपुर के एक निजी अस्पताल में भेजा गया है। एक मृतक का सिर धड़ से अलग हो गया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की कार गाय से टकराई , बाल-बाल बचे

बरेली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उस समय बाल-बाल बच गए जब रात उनकी कार एक गाय से टकरा गई। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन में हड़कम्प मच गया। हालांकि डिप्टी सीएम आय किसी अन्य को कोई चोट नहीं आई, लेकिन इस घटना ने नगर निगम और जिला प्रशासन की आवारा पशुओं पर रोकथाम की पोल जरुर खोल दी है। फिलहाल मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बरेली में पीलीभीत बाईपास रोड पर बजरंग ढाबे के पास उनकी कार अचानक सामने आई गाय से टकरा गई, जिससे वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि मौर्य को कोई चोट नहीं आई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद मौर्य को तत्काल दूसरी गाड़ी में बैठाकर सुरक्षित रूप से हवाई अड्डे ले जाया गया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बीजेपी के दिवंगत विधायक डॉ श्याम बिहारी के परिजनों को सांत्वना देने गए थे। उसके बाद उन्होंने बरेली में विभिन्न कार्यक्रमों में भी शिरकत की। शाम को जब उनका काफिला एअरपोर्ट की तरफ जा रहा था तो अचानक उनकी गाड़ी के आगे गाय टकरा गयी। इस हादसे के कारण कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मोजूद अधिकारियों ने तुरतं उन्हें दूसरे वाहन से रवाना किया।

घरवालों को नींद की दवा देकर प्रेमी से मिलती बेटी

गोरखपुर में सोने का नाटक कर मां-बाप ने रंगेहाथ पकड़ा, 8वीं की छात्रा है

गोरखपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में 8वीं की छात्रा अपने मां-पिता और दादी के खाने में नींद की दवा मिलाकर सुला देती थी। इसके बाद पड़ोस में रहने वाली 22 साल के प्रेमी से मिलने जाती थी। प्रेमी ने ऐसा माइंड वॉश किया कि वह उसकी हर बात मानने लगी थी। शक होने पर मां-बाप ने एक दिन सोने का नाटक किया और 15 साल की बेटी को प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया।

पंचायत हुई, इसके बाद भी नाबालिग लड़की और युवक का मिलना जुलना जारी रहा। पिता ने पड़ोस में रहने वाले युवक के खिलाफ गुलरिहा थाने में एप्लिकेशन दी। इसके आधार पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश में दबिश दी, लेकिन आरोपी फरार हो गया। पुलिस अब उसकी तलाश कर रही है।

नेपाल सीमा पर चौकसी के बावजूद तस्करों का नेटवर्क पड़ रहा भारी, सुरक्षा एजेंसियां चिंतित

गोरखपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों की चौकसी के बावजूद मादक पदार्थ तस्करों का जाल लगातार मजबूत होता जा रहा है। हर साल बड़ी मात्रा में गांजा, चरस, हेरोइन और स्मैक की बरामदगी के बावजूद तस्करी करने वाले नेटवर्क को पूरी तरह तोड़ने में एजेंसियां अब तक सफल नहीं हो सकी हैं। सीमा से सटे जिलों में दर्ज मामलों के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि कार्रवाई के बाद भी तस्करों के रास्ते और तरीके लगातार बदल रहे हैं। सीमा से सटे महराजगंज जिले में वर्ष 2025 में 30 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें 40 आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं।इसी तरह सिद्धार्थनगर जिले में वर्ष 2025 में 30 एनडीपीएस मामले दर्ज हुए, जिनमें 38 तस्कर पकड़े गए। बहराइच जिले में 48 मामलों में 53 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि भले ही केस दर्ज हो रहे हैं, लेकिन तस्करी का नेटवर्क लगातार सक्रिय बना हुआ है।सुरक्षा एजेंसियों की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि मादक पदार्थ तस्करी करने वाले गिरोह मुख्य सड़कों और चेक पोस्ट से बचकर कच्चे रास्तों और पगडंडियों का इस्तेमाल करते हैं।

नए कप्तान बने पूरन कुमार झा, नाम से ही कंप जाते हैं अपराधी, कड़े फैसले लेने में आता है नाम

सीवान, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सीवान जिला एक बार फिर पुलिस नेतृत्व में बदलाव देखने जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा हाल में जारी अधिसूचना के बाद 2018 बैच के युवा आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार झा को जिले का 41वां पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। माना जा रहा है कि वह सोमवार तक औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लेंगे। जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और लगातार चुनौतीपूर्ण कानून-व्यवस्था की स्थिति के बीच यह पदस्थापना काफी अहम मानी जा रही है। पूरन कुमार झा का कार्यकाल कई जिलों और विभिन्न जिम्मेदारियों के कारण पहले से ही चर्चा में रहा है। सीवान आने से पहले वे समादेष्टा, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-13, दरभंगा में तैनात थे। इससे पहले वे सहायक समादेष्टा बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-15, भीमनगर, सुपौल, भागलपुर में एएसपी, पटना में एसपी यातायात तथा नवगछिया में एसपी के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

मुजफ्फरपुर रेड लाइट एरिया केस में कार्रवाई, कमरे सील

नाबालिग लड़कियों का मेडिकल और कोर्ट में बयान दर्ज; आरोपी मां-बेटी को भेजा जेल

मुजफ्फरपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के नगर थाना क्षेत्र के रेड लाइट एरिया से 6 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू हुआ है। जबरन देह व्यापार कराए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद देर रात पुलिस ने इलाके में दोबारा रेड की और जिस कमरे से नाबालिग लड़कियां बरामद की गई थी, उसे सील कर दिया है। लड़कियों को बिहार, पश्चिम बंगाल-ओडिशा से खरीद कर लाया गया था और कथित रिश्तेदार के घर पर रखा गया था। सभी पीड़ित नाबालिग लड़कियों का मेडिकल कराया गया। 164 के तहत कोर्ट में बयान दर्ज कराए गए हैं। पुलिस का कहना है कि बयान के आधार पर अब इस पूरे रैकेट से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

नगर थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार, यह कार्रवाई राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), नई दिल्ली से मिली सूचना के बाद की गई। सूचना में कहा गया था कि शुक्ला रोड इलाके में नाबालिग लड़कियों से जबरन अनैतिक देह व्यापार और शारीरिक शोषण कराया जा रहा है। रेस्क्यू फाउंडेशन, नई दिल्ली के जांच अधिकारी संजय प्रसाद गुप्ता के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया है।

आगरा से 38 बांग्लादेशियों को भेजा वापस आखिर क्यों हुई थी इन्हें 3 साल की सजा?

आगरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी नागरिकों को शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उनके देश बांग्लादेश के लिए रवाना कर दिया गया. ये सभी फरवरी 2023 में पुलिस की बड़ी कार्रवाई में गिरफ्तार हुए थे और विदेशी अधिनियम के तहत तीन वर्ष की सजा काट चुके हैं. सजा पूरी होने के बाद अब इन्हें सीमा पार कर उनके देश भेजा जा रहा है. डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि फरवरी 2023 में सिकंदरा थाना क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी सेक्टर-13 में एक झुग्गी-झोपड़ी बस्ती का भंडाफोड़ हुआ था. यहां छिपकर रह रहे 27 बांग्लादेशी (15 पुरुष, 12 महिलाएं) पकड़े गए थे. इनके साथ 6 लड़की और 5 बच्चे भी थे. जांच में ये सभी अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए पाए गए और कबाड़ का काम करके गुजारा कर रहे थे.

कोर्ट ने सुनाई थी तीन साल की सजा

डीसीपी ने बताया कि कुल 38 बांग्लादेशी अवैध रूप से आगरा में रह रहे थे. कोर्ट ने सभी वयस्कों को विदेशी अधिनियम के तहत तीन साल की सजा सुनाई थी. सजा पूरी होने के बाद जिला जेल से रिहा किए गए इन लोगों को शनिवार को विशेष बसों में बैठाकर पश्चिम बंगाल के लिए रवाना किया गया. वहां उन्हें बीएसएफ और आईबी के सुपुर्द किया जाएगा. 13 जनवरी 2026 को सभी को औपचारिक रूप से इंडो-बांग्लादेश सीमा पार कर बांग्लादेश भेज दिया जाएगा.

पहले भी हो चुकी है इस तरह की कार्रवाई

यह कार्रवाई भारत सरकार की अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त नीति का हिस्सा है. उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की कई कार्रवाई हो चुकी है. जिनमें सैकड़ों अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर सजा दी गई और सजा पूरी होने पर उन्हें उनके देश को प्रत्यर्पित किया गया. पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया कानूनी मानकों और दोनों देशों के बीच तय प्रोटोकॉल के तहत पूरी की जा रही है. बीएसएफ ने पहले ही बांग्लादेश की सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दे दी है. यह घटना एक बार फिर सीमा सुरक्षा और अवैध प्रवासन रोकने की चुनौती को रेखांकित करती है.

दिल्ली-मुंबई से आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट रद

दरभंगा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दरभंगा एयरपोर्ट से रविवार को शेड्यूल में 16 विमानों का आवागमन प्रस्तावित था, लेकिन सुबह 10 बजे स्पाइसजेट ने दिल्ली से चलकर 2:10 बजे में दरभंगा पहुंचने वाली एसजी 495 और मुंबई से 12 बजे आने वाली एसजी 334 को रद करने की घोषणा की है। अब एयरपोर्ट के शेड्यूल में 12 विमानों का आवागमन रह गया है। दिल्ली के लिए इंडिगो एवं अकासा की एक-एक जोड़ी, मुंबई के लिए इंडिगो एवं अकासा की एक-एक जोड़ी, हैदराबाद और कोलकाता के लिए इंडिगो की एक-एक जोड़ी फ्लाइट शेड्यूल में है।

मौसम प्रतिकूल होने की वजह से दिल्ली से 10:50 में दरभंगा लैंड करने वाली अकासा की फ्लाइट के तीन घंटे विलंब से चलने की जानकारी दी गई है। एयरलाइंस कंपनियों के लिए यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी कर मौसम साफ होने की प्रतीक्षा करने को कहा गया है। आसमान में घना कोहरा छाया हुआ है। तापमान अभी 11 डिग्री सेल्सियस है। वैसे प्रतिकूल मौसम को देखते हुए उड़ान शेड्यूल को लेकर संशय हो गया है।

सरबजीत कौर केस : दो हफ्ते में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

अमृतसर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब (लाहौर) हाईकोर्ट ने सरबजीत कौर उर्फ नूर फातिमा मामले में कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की कैबिनेट, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, एवं अन्य अधिकारियों को दो हफ्ते के अंदर विस्तृत रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

रिपोर्ट में यह बताया जाए कि सरबजीत सिख जत्थे से कैसे अलग हुईं, उनका डिपोर्टेशन किस स्थिति में है, उन्हें कानूनी तौर पर किसके हवाले किया गया और जिन पुलिस अधिकारियों की लापरवाही हुई, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। साथ ही, यात्रा वीजा के दुरुपयोग से सिख समुदाय को हुए नुकसान का भी विवरण मांगा गया है। सरबजीत कौर, जिन्होंने लाहौर के नासिर हुसैन से शादी कर इस्लाम कबूल किया और नूर फातिमा नाम रखा, फिलहाल लाहौर के दारुल अमान में रखी गई हैं।

बीएमसी चुनाव के लिए महायुति का घोषणापत्र जारी

बीईएसटी में महिलाओं को 50% छूट का वादा

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महानगरपालिका यानी बीएमसी (बीएमसी) के लिए होने वाले चुनाव के लिए महायुति ने आखिरकार आज रविवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। ये घोषणापत्र मतदान के ठीक 4 दिन पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और भारतीय रिपब्लिकन पार्टी (आठवले) प्रमुख रामदास आठवले की मौजूदगी में घोषित किया गया।। महायुति द्वारा जारी किए गए घोषणापत्र में शहर के बुनियादी ढांचे, पर्यावरण, परिवहन, रोजगार और मराठी संस्कृति से जुड़े कई बड़े ऐलान किए गए हैं। यह घोषणापत्र मुंबई को 2034 तक एक विकसित महानगर बनाने के लक्ष्य के साथ पेश किया गया, जिसमें पानी, बीईएसटी, मार्केट, इंडस्ट्री, टूरिज्म और सांस्कृतिक विकास पर खास फोकस रखा गया है।

पानी की समस्याओं पर होगा फोकस

महायुति के घोषणापत्र में मुंबई की पानी की समस्या को दूर करने के लिए अगले पांच सालों में गरगई, पिंजल और दमनगंगा प्रोजेक्ट पूरे करने का वादा किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष योजनाओं के तहत 17 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की गई है।

बीएमसी मार्केट में मछली बेचने वालों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाए जाएंगे और सभी सब्जी मार्केट का रेनोवेशन और रीडेवलपमेंट किया जाएगा। इसके साथ ही मछली इंपोर्ट और एक्सपोर्ट सेंटर स्थापित करने का भी ऐलान किया गया है, जिससे मछुआरों और व्यापारियों को सीधा फायदा मिलने की बात कही गई है।

बीईएसटी में महिलाओं को 50% छूट

शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2029 तक बीईएसटी को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बस सेवा में बदलने का लक्ष्य रखा गया है। बीईएसटी बसों की संख्या 5 हजार से बढ़ाकर 10 हजार करने और महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत किराया छूट देने का वादा किया गया है। रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए स्मॉल स्केल इंडस्ट्री पॉलिसी लागू करने, स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर खोलने और प्यारी बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पांच लाख रुपये तक का बिना ब्याज वाला लोन देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा रीडेवलपमेंट प्रक्रिया में तेजी, पगड़ी मुक्त मुंबई और फनल जोन से जुड़े घोषित प्लान को जल्द लागू करने पर भी जोर दिया गया है।

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों से मुक्त होगी मुंबई!

मैनिफेस्टो में मुंबई को रोहिंग्या और बांग्लादेशियों से मुक्त करने का संकल्प दोहराया गया है। मराठी भाषा को मजबूत करने के लिए नगर पालिका में अलग मराठी डिपार्टमेंट, मराठी आर्ट सेंटर और अभ्यासिका बनाने की घोषणा की गई है। बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर मराठी युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम और आर्थिक प्रावधान किए जाएंगे।

टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बनाया जाएगा अलग डिपार्टमेंट

टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अलग टूरिज्म डिपार्टमेंट, हुतात्मा स्मारक चौक पर वर्ल्ड क्लास म्यूजियम, रवींद्र नाट्य मंदिर की तर्ज पर अन्य थिएटरों का रीडेवलपमेंट और जरूरत पड़ने पर तीन नए थिएटर बनाने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 2034 के लिए एक डेवलप मुंबई का मास्टर प्लान तैयार करने की घोषणा भी की गई है।

पुलिस हिरासत में कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटथिल यौन उत्पीड़न मामले में कार्रवाई

तिरुवनंतपुरम, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तीन यौन उत्पीड़न के मामलों का सामना कर रहे कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटथिल को शनिवार देर रात पुलिस ने हिरासत में लिया है। राहुल ममकूटथिल केरल के पलक्कड़ से विधायक हैं। हाल ही में पिछले साल 4 दिसंबर को केरल कांग्रेस ने बड़ा फैसला लेते हुए राहुल ममकूटथिल को पार्टी से निकाल दिया था। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि राहुल ममकूटथिल को शनिवार आधी रात पलक्कड़ से एक यौन उत्पीड़न मामले में हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक उन्हें पुलिस कैंप में ले जाया गया है। पुलिस के अनुसार पथानामथिट्टा जिले के एक निवासी की शिकायत के बाद पलक्कड़ विधायक के खिलाफ हाल ही में तीसरा यौन उत्पीड़न मामला दर्ज किया गया था।

सूत्रों ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी), जो उनके खिलाफ इसी तरह के दो अन्य मामलों की जांच कर रही है, उसे नवीनतम मामले की जांच भी सौंपी गई है। बता दें कि ममकूटथिल पलक्कड़ में एक होटल में ठहरे हुए थे, उनको आधी रात को हिरासत में लेकर पथानामथिट्टा लाया गया। पुलिस ने बताया कि उनकी औपचारिक गिरफ्तारी बाद में दर्ज की जाएगी। गौतरलब है कि केरल हाई कोर्ट ने पहले मामले में ममकूटथिल को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी थी, जो दुष्कर्म और एक महिला को गर्भपात कराने के लिए मजबूर करने के आरोपों से संबंधित है। दूसरे मामले में तिरुवनंतपुरम की एक सत्र अदालत ने उन्हें अग्रिम जमानत दी। इन्हीं आरोपों के बाद केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने ममकूटथिल को पार्टी से निकाल दिया था।

चेन्नई में भारी बारिश का येलो अलर्ट मछुआरों को सावधानी बरतने की सलाह

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना मौसम सिस्टम उत्तरी तटीय तमिलनाडु में मौसम को प्रभावित कर रहा है, जिसके चलते रविवार को चेन्नई और आसपास के जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव शनिवार सुबह कमजोर होकर दबाव में बदल गया और शाम तक मुल्लैतिवु के पास उत्तर-पूर्वी श्रीलंका तट को पार कर गया। इसके कारण शनिवार को चेन्नई में बादल छाए रहे और शहर के कई हिस्सों में रुक-रुक कर हल्की बारिश हुई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, लैंडफॉल से पहले के छह घंटों में यह सिस्टम लगभग 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा था। और चेन्नई से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। अगले 12 घंटों में यह सिस्टम लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने और और कमजोर होकर एक अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है। इसके प्रभाव से रविवार को चेन्नई और चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिलों के कुछ हिस्सों के साथ-साथ पुडुचेरी में भी कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तेज बारिश से निचले इलाकों में कुछ समय के लिए पानी भर सकता है। सोमवार के लिए, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है।

एक या दो जगहों पर बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है। हालांकि, सिस्टम धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में सतह पर हवा की गति 35 से 45 किमी प्रति घंटे रहने की उम्मीद है। समुद्र की खराब स्थिति को देखते हुए, मछुआरों को इन तटों के पास समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और निवासियों को सलाह दी है कि वे आने वाले दिनों में आधिकारिक मौसम बुलेटिन से अपडेट रहें और सुरक्षा सलाह का पालन करें।

घर के निर्माण के दौरान मिला पुराना खजाना, मौके पर जुटी भारी भीड़

गदक, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के गदग जिले में एक घर के निर्माण के दौरान पुराना खजाना मिला है। इस खबर के सामने आते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई है। अब खजाने को लेकर लोगों के बीच तमाम तरह की चर्चा है क्योंकि ये खजाना काफी पुराना लग रहा है। एक चौंकाने वाली घटना में, गदग में एक नया घर बनाने के लिए नींव खोदते समय मजदूरों को एक छिपा हुआ खजाना मिला। यह खोज कर्नाटक के गदग जिले के लककुण्डी गांव में हुई, जब निर्माण मजदूरों ने एक रिहायशी इमारत के लिए खुदाई शुरू की। खुदाई के दौरान, उन्हें एक बर्तन मिला जिसमें पुराने सिक्के और गहने थे, जिनके बारे में माना जाता है कि वे ऐतिहासिक महत्व के हैं। इस अप्रत्याशित खोज ने तुरंत स्थानीय लोगों का ध्यान खींचा, जो इस दुर्लभ घटना को देखने के लिए मौके पर जमा हो गए। अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी खजाने को सुरक्षित करने के लिए मौके पर पहुंचे।

अंकिता भंडारी केस: सीबीआई जांच के बीच बुलाया गया उत्तराखंड बंद बेअसर, जनजीवन रहा सामान्य

देहरादून, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच को लेकर कुछ संगठनों और विपक्षी दलों द्वारा आहूत उत्तराखंड बंद का प्रदेशभर में कोई खास असर देखने को नहीं मिला। सुबह से ही अधिकांश इलाकों में जनजीवन सामान्य रहा। बाजार खुले रहे और कामकाज सुचारू रूप से चलता रहा। राजधानी देहरादून सहित हरिद्वार, ऋषिकेश, हल्द्वानी, रुड़की और कुमाऊं के कई जिलों में वाहनों की आवाजाही सामान्य रही। कहीं-कहीं कुछ देर के लिए प्रतीकात्मक विरोध जरूर देखने को मिला, लेकिन आम जनता ने बंद से दूरी बनाए रखी।

सरकार पहले ही अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की संस्तुति कर चुकी है। इसके बावजूद कुछ संगठनों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच की मांग को लेकर बंद का आह्वान किया गया था, लेकिन जनता का अपेक्षित समर्थन नहीं मिल सका। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बंद का कोई प्रभाव नहीं पड़ा और रोजमर्रा का कारोबार सामान्य रूप से चलता रहा। परिवहन सेवाएं भी लगभग पूरी तरह चालू रहीं, जिससे आम लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा, हालांकि कहीं से भी कानून व्यवस्था बिगड़ने की कोई सूचना नहीं मिली।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि लगातार हो रहे आंदोलनों से आम जनता अब प्रभावित नहीं हो रही है। सरकार द्वारा पहले ही सीबीआई जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाए जाने के कारण बंद को लेकर लोगों में खास उत्साह नहीं दिखा। कुल मिलाकर, अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर बुलाया गया उत्तराखंड बंद पूरी तरह विफल साबित हुआ और प्रदेश में जनजीवन सामान्य बना रहा।

मंत्री नितेश राणे के बंगले के बाहर संदिग्ध बैग मिलने से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीजेपी नेता और मंत्री नितेश राणे के सरकारी सुवर्णगड बंगले के बाहर एक संदिग्ध बैग मिलने से हड़कंप मच गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति संदिग्ध बैग रखकर चला गया था। सूचना मिलते ही जांच एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं और संबंधित व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी गई है। फिलहाल न तो युवक के बारे में कोई जानकारी मिल पाई है और न ही बैग रखने की वजह का पता चल पाया है। मंत्री नितेश राणे के घर के बाहर जो बैग मिला है,

उसमें वास्तव में क्या है, इसकी भी अभी जांच की जा रही है। बीते कुछ दिनों से नितेश राणे के हिंदुत्ववादी

प्रचार पैटर्न के चलते उन्हें धमकियां मिलने की घटनाएं सामने आई थीं। इसी बीच कई जगहों पर दिए गए बयानों के कारण भी वे चर्चा में बने हुए हैं। नितेश राणे के घर के बाहर बैग मिलने के बाद पुलिस प्रशासन भी हरकत में आ गया है। यही वजह है कि तुरंत इलाके में सिक्योरिटी बढ़ा दी है। फिलहाल बैग के बारे में अब तक पुलिस की तरफ से कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है कि आखिर बैग में था क्या? सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों को ढूंढने की कोशिश की जा रही है। एक फुटेज में एक युवक बैग लिए हुए नजर आ रहा है, जो कुछ समय बाद ही नितेश राणे के घर के बाहर मिला था। युवक ने पीले रंग की टीशर्ट और जैकिट पहनी हुई थी।

नितेश राणे ने हाल ही में बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को मुंबई छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि 16 जनवरी के बाद एक भी बांग्लादेशी या रोहिंग्या मुंबई में रहने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि मुंबई हमारा है, और हम किसी भी बांग्लादेशी या रोहिंग्या को यहां नहीं रहने देंगे। उनके इस बयान के बाद घर के बाहर बैग मिलने से हड़कंप मच गया है।

चोटी और धोती-कुर्ते वाला हसबैंड नहीं चाहिए

जिस पति ने पढ़ाया, सब इंस्पेक्टर बनते ही पत्नी ने मांग लिया तलाक

भोपाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी से रिश्तों के बदलते स्वरूप की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जो न केवल हैरान करती है बल्कि सोचने पर मजबूर कर देती है। यहां एक पत्नी, जो पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर (एसआई) है, अब अपने उसी पति से तलाक मांग रही है। जिसने अपनी मेहनत की कमाई से उसे इस मुकाम तक पहुंचाया। तलाक की वजह कोई बड़ा झगड़ा नहीं, बल्कि पति का 'पहनावा' और उसकी 'पुरोहिताई' है। भोपाल के कुटुंब न्यायालय में चल रहे इस मामले में पत्नी (सोनम – परिवर्तित नाम) ने काउंसलिंग के दौरान स्पष्ट कहा कि उसे अपने पति के साथ कहीं भी जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है।

उसका पति (रोहित – परिवर्तित नाम) पेशे से पुजारी है, जो धोती-कुर्ता पहनता है और सिर पर शिखा (चोटी) रखता है। सब इंस्पेक्टर पत्नी का मानना है कि पति का यह पारंपरिक रूप उसकी वर्तमान प्रोफाइल और रुतबे के साथ मेल नहीं खाता। काउंसलिंग के दौरान उसने कड़वे शब्दों में यहां तक कह दिय- तुम्हारी हैसियत नहीं है कि तुम मुझे अपने साथ रख सको।

पुरोहिताई से सींचा करियर का सपना

दूसरी ओर, पति रोहित की कहानी बेहद भावुक है। उसने बताया कि 6 साल पहले जब उनकी शादी हुई थी, तब पत्नी के पास कोई नौकरी नहीं थी। रोहित ने पुरोहिताई से होने वाली कमाई से पाई-पाई जोड़ी ताकि वह पत्नी का सपना पूरा कर सके। उसने न केवल उसे स्नातक करवाया, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग और किताबों का खर्च भी उठाया। पति का कहना है कि उसकी मेहनत रंग लाई और पत्नी 'सब इंस्पेक्टर' बन गई, लेकिन उसे यह अंदाजा नहीं था कि वर्दी मिलते ही उसकी पत्नी की नजरों में उसका सम्मान खत्म हो जाएगा। रोहित ने काउंसलिंग में अपना दुख जाहिर करते हुए कहा कि उसे इस बात का सबसे ज्यादा मर्म है कि जिसे उसने पैरों पर खड़ा किया, आज वही उसके 'अस्तित्व' और 'सादगी' पर सवाल उठा रही है।

हालांकि, वह अब भी इस 6 साल पुराने रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पत्नी के व्यवहार और उसकी 'स्टेटस' वाली सोच ने उसे गहरे सदमे में डाल दिया है। न्यायालय के विशेषज्ञों का कहना है कि पद और प्रतिष्ठा मिलने के बाद जीवनसाथी के प्रति दृष्टिकोण बदलना एक गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्या बनती जा रही है। फिलहाल मामले की काउंसलिंग चल रही है और सुलह कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सब इंस्पेक्टर पत्नी अपनी तलाक की मांग पर अड़ी हुई है।

अमेरिका के कब्जे में मैरिनेरा तेल टैंकर पर हिमाचल का युवक भी फंसा

पालमपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी कोस्ट गार्ड की ओर से कब्जे में लिए गए मैरिनेरा तेल टैंकर में सवार तीन भारतीयों में हिमाचल के पालमपुर का रिक्षित भी शामिल है। अमेरिका ने एक दिन पहले रूस के दो नागरिकों को रिहा कर दिया है, जबकि अन्य अभी अमेरिका के कब्जे में हैं। अमेरिका ने सात जनवरी को उत्तरी अटलांटिक महासागर में जब्त किए रूसी आयल टैंकर मैरिनेरा समेत उसके 28 सदस्यों को अपने कब्जे में ले रखा है। रिक्षित चौहान पुत्र रणजीत सिंह निवासी नगर निगम पालमपुर वार्ड सात सिद्धपुर के रहने वाले हैं। चार दिन से बेटे की कोई सूचना न आने से स्वजन की चिंता बढ़ गई है। पहली अगस्त, 2025 को मर्चेंट नेवी में बतौर कैडेट मैरिनेरा आयल टैंकर में शामिल हुए रिक्षित चौहान ने 15 फरवरी तक घर आने की सूचना स्वजन को दी थी। उनके बड़े भाई की शादी 17 फरवरी को है।

दाऊद के रिश्तेदारों को टिकट दे देते

संजय राउत ने बीजेपी पर बोला हमला कहा- ये लोग गुंडों को दे रहे संरक्षण

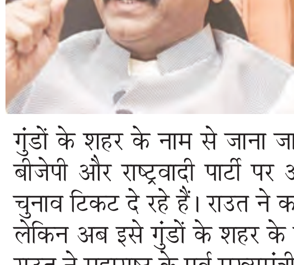

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीएमसी चुनावों की वोटिंग से पहले सियासी पारा हाई है। हर रोज तमाम नेताओं की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। इस बीच तमाम राजनीतिक दलों का नया अखाड़ा पुणे बना हुआ है। बीते दिन शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने बीजेपी-अजित पवार और एकनाथ शिंदे पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पुणे कभी बहुत खूबसूरत शहर था, लेकिन आज उसे गुंडों के शहर के नाम से जाना जाता है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी और राष्ट्रवादी पार्टी पर आरोप लगाया है कि वे गुंडों और अपराधियों को चुनाव टिकट दे रहे हैं। राउत ने कहा कि पुणे कभी शिक्षा और संस्कृति का शहर था, लेकिन अब इसे गुंडों के शहर के रूप में जाना जाता है।

राउत ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी आरोप लगाया है कि वे गुंडों को संरक्षण दे रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, पुणे कभी बहुत खूबसूरत शहर था, लेकिन आज इसे गुंडों के शहर के नाम से जाना जाता है। चाहे बीजेपी हो या अजित पवार की पार्टी, शायद ही कोई ऐसा गैंग होगा, जिसके रिश्तेदारों को इन पार्टियों ने चुनाव टिकट न दिया हो। उन्होंने आगे कहा कि मैंने एक बार कहा था कि अगर ये लोग दाऊद से मिले होते, तो वे उसके भाई या रिश्तेदारों को भी टिकट दे देते। यहां तक कि छोटा शकील और छोटा राजन को भी ये लोग गुंडागर्दी के बिना चुनाव नहीं जीत सकते। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी नगर पालिकाओं, ग्राम पंचायतों में सारी पावर चाहती है। वे सभी भ्रष्ट लोगों को अपने साथ लेकर उन्हें पावर में बिठाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार, जिन्हें पावर में बिठाया गया, इसका जीता जागता उदाहरण हैं।

दिल्ली में 14 करोड़ की साइबर ठगी, बुजुर्ग दंपति को 2 हफ्ते से ज्यादा समय तक रखा डिजिटल अरेस्ट

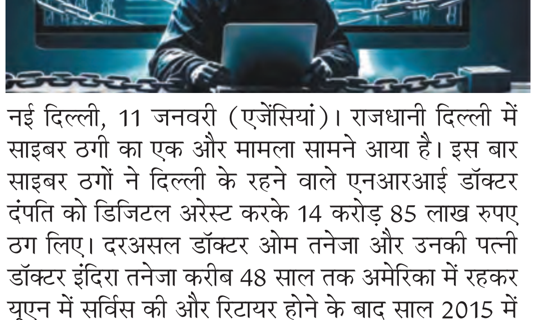

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। इस बार साइबर ठगों ने दिल्ली के रहने वाले एनआरआई डॉक्टर दंपति को डिजिटल अरेस्ट करके 14 करोड़ 85 लाख रुपए ठग लिए। दरअसल डॉक्टर ओम तनेजा और उनकी पत्नी डॉक्टर इंदिरा तनेजा करीब 48 साल तक अमेरिका में रहकर यूएन में सर्विस की और रिटायर होने के बाद साल 2015 में वापस हिंदुस्तान आ गए। 2015 से डॉक्टर दंपति चैरिटेबल सर्विस से जुड़ गए। दरअसल, 24 दिसंबर को डॉक्टर दंपति के पास साइबर ठगों का फोन आया।

साइबर ठगों ने डॉक्टर दंपति को फर्जी मुकदमों और अरेस्ट वारंट का डर दिखाया। इससे डॉक्टर दंपति डर गए। साइबर ठगों ने 24 दिसंबर से 10 जनवरी तक डॉक्टर ओम तनेजा और उनकी पत्नी डॉक्टर इंदिरा तनेजा को वीडियो कॉल के जरिए डिजिटल अरेस्ट करके रखा। इस दौरान उन्होंने आठ अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए।

डॉक्टर इंदिरा तनेजा ने बताया कि साइबर ठगों ने उन्हें अरेस्ट वारंट और फर्जी मुकदमों के नाम पर डराया। इतना ही नहीं साइबर ठगों ने उन्हें पीएमएलए और मनी लॉन्ड्रिंग कानून का भी हवाला देकर डराया। साथ ही उन्हें नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर भी डिजिटल अरेस्ट करके रखा। डॉक्टर इंदिरा तनेजा के मुताबिक डिजिटल अरेस्ट रहने के दौरान जब भी उन्हें कहीं बाहर जाना होता था या फिर किसी को फोन करना होता था तो साइबर ठग उनके पति डॉक्टर ओम तनेजा के फोन पर वीडियो कॉल करके सब सुनते और देखते थे ताकि उन्हें यह पता चल सके की इस साइबर ठगी के बारे में वह किसी को बता तो नहीं रही है। डॉक्टर इंदिरा तनेजा जब पहली बार पैसा ट्रांसफर करने के लिए अपने बैंक गईं तो बैंक के मैनेजर ने भी उनसे पूछा कि इतनी बड़ी रकम वह क्यों ट्रांसफर कर रही हैं?

तो उन्होंने बैंक मैनेजर को वही बताया जो साइबर ठगों ने उन्हें समझा कर भेजा था। मामले का खुलासा तब हुआ जब 10 जनवरी की सुबह साइबर ठगों ने यह कहा कि आप अपने लोकल पुलिस स्टेशन चले जाएंगे क्योंकि अब यह सारा पैसा आपको आरबीआई के द्वारा रिफंड किया जाएगा और लोकल पुलिस को इसकी जानकारी होगी। जब डॉक्टर इंदिरा तनेजा पुलिस स्टेशन पहुंचीं तब भी साइबर ठग उनके साथ वीडियो कॉल पर थे। वहां उन्होंने थाने के एसएचओ से भी ठगों की बात कराई। इंदिरा तनुजा के मुताबिक साइबर ठगों ने थाने के पुलिसकर्मियों से बड़ी बदतमीजी से बात की। थाने पहुंचकर डॉक्टर इंदिरा तनेजा को पता चला कि उनके साथ 14 करोड़ 85 लख रुपए की ठगी हुई है।

कुमारघाट में भड़की हिंसा, दो गुटों में झड़प और आगजनी, 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद

त्रिपुरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के कुमारघाट इलाके में एकमेले के लिए चंदा इकट्ठा करने को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प की घटना घटी है। इस झड़प में कम से कम पांच से छह लोग घायल हो गए और कई घर जलकर खाक हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि झगड़े ने सांप्रदायिक रंग ले लिया, जिसके बाद इलाके के कुछ हिस्सों में हिंसा हुई। आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिसमें कई संपत्ति को नुकसान पहुंचा। झड़पों के दौरान कुछ घरों में आग भी लगा दी गई। हिंसा के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है और एहतियात के तौर पर कुमारघाट सब-डिवीजन में 48 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सर्विस रोक दी गई। पुलिस के मुताबिक, हिंसा शनिवार को फातिक्रॉय पुलिस स्टेशन के तहत सैदरपार गांव में शुरू हुई। कुछ लोगों ने लकड़ी से लदी एक गाड़ी को रोका और एक मेले के लिए चंदा मांगा। इससे लेकर उनके बीच बहस शुरू हो गई और जल्द ही यह झड़प में बदल गई। शिमुलतला इलाके में एक समुदाय के एक परिवार के कथित तौर पर चंदा देने से मना करने के बाद टेंशन और बढ़ गया। पुलिस ने कहा कि फिर दूसरे समुदाय के लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई और उसने एक लकड़ी की दुकान समेत प्रॉपर्टी में आग लगा दी और एक पूजा की जगह में तोड़फोड़ की। इसके तुरंत बाद जवाबी कार्रवाई हुई।

सुरक्षा उपाय और इंटरनेट बैन हालात को देखते हुए, त्रिपुरा सरकार ने रोक लगा दी और इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए। एहतियात के तौर पर कुमारघाट सब-डिवीजन में 48 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सर्विस रोक दी गई। हिंसा के सिलसिले में कम से कम आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है। सेंट्रल फोर्स ने लोगों में भरोसा वापस लाने के लिए फ्लैग मार्च किया। पुलिस ने कहा कि हालात अभी कंट्रोल में हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए, कुमारघाट के सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएश), 2023 की धारा 163 लगा दी है।

शांति के लिए खतरा बना मत्स्य न्याय

इष्ट देव सांकृत्यायन

बात बेहद कड़वी है, लेकिन वस्तुस्थिति को सरल शब्दों में समझाने का इससे बेहतर तरीका नहीं है। भगवान न करें, लेकिन मान लीजिए कि आपके पास बहुत उपजाऊ खेत हों और उस पर किसी माफिया की नजर हो। वह माफिया कल अपना गिरोह लेकर आए और आपका अपहरण कर ले जाए। साथ नाचने के लिए सौ-दो सौ भाड़े के नचनिए लेकर आए और आपके अपहरण के बाद उन्हें आपके दरवाजे पर नचाने लगे, या आपके ही परिवार के किसी बिगड़े हुए गजेड़ी बच्चे को सुलफा सुंघाकर नचाने लग जाए, तो क्या इससे ये सिद्ध हो जाता है कि आपके अपहरण और आपके खेतों पर उस माफिया के कब्जे से आपके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है? बिलकुल यही वेनेजुएला के साथ हो रहा है। दुर्भाग्य यह कि नरेंद्र मोदी के नाम पर दशकों से भारत के अहित की कामना में लगे हुए चुटकी भर निर्लज्ज लालची तत्त्व इन भाड़े के नचनियों को उदाहरण बना रहे हैं जबकि सच यह है कि ट्रंप जैसे बड़बोले तानाशाह के नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका न केवल पूरे उत्तर एवं दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप बल्कि विश्वशांति के लिए खतरा बन चुका है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्य यह है कि पूरा यूरोपीय यूनियन लंबे समय से अमेरिका का पिछलग्गू बना हुआ है। खुद अमेरिका में जिस बात का विरोध है, यूरोप के कई राजनेता उसका समर्थन कर रहे हैं। शब्दों के हेरफेर की बात छोड़ दें यूरोप के लगभग सभी राष्ट्र प्रमुखों की बात एक ही जैसी है। अगर एक बार मान भी लें कि निकोलस मादुरो तनाशाह हैं और उनका शासन लोकतांत्रिक नहीं था, तो क्या इससे ट्रंप को वेनेजुएला की संप्रभुता के सत्यानाश का लाइसेंस मिल जाता है? वेनेजुएला से कई हजार गुना ज्यादा तानाशाही चीन, उत्तर कोरिया, कतर और सऊदी अरब में है। उस ओर कभी ट्रंप ने रुख क्यों नहीं किया? अभी बहुत दिन नहीं गुजरे जब पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में फिफ्टी फिफ्टी वन (50501) यानी 'पचास राज्य एक आंदोलन' हुआ था। यह आंदोलन न केवल डोनाल्ड ट्रंप की तानाशाही बल्कि उनकी अयोग्यता एवं अक्षमता के भी खिलाफ था और यह कहीं से भी प्रायोजित नहीं था। अप्रैल में हुए इस आंदोलन के बाद अक्टूबर में एक और आंदोलन 'नो किंग्स' भी हुआ। इसके स्वर भी वही थे और यह भी एक स्वतःस्फूर्त एवं सजीव जनांदोलन था। अमेरिका के सभी प्रमुख शहरों में आज ही बड़े विरोध प्रदर्शन हुए हैं, वेनेजुएला पर की गई ट्रंप की इस तानाशाही के खिलाफ। केवल एक साल के भीतर ट्रंप के खिलाफ तीन बहुत बड़े प्रदर्शन हो चुके। ये तीनों प्रदर्शन स्वतःस्फूर्त और सजीव हैं। इस आधार पर अगर ट्रंप में जरा सी भी नैतिकता है तो उन्हें अपने पद से त्यागपत्र देकर राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। क्या वे ऐसा करेंगे? या फिर लोकतंत्र का पाखंड ही करते रहेंगे? दूसरा आरोप ट्रंप ने यह लगाया कि वेनेजुएला में नशीले द्रव्यों का बड़ा कारोबार है। क्या यह केवल वेनेजुएला में है? ट्रंप की नाक के नीचे शिकागो से बड़ा कोई अड्डा है क्या नशे के कारोबार का? द अर्गनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स के अनुसार 2013 में 34 बिलियन डॉलर का केवल कोकेन बेचा गया था अमेरिका में। उनकी ऑफिस ऑफ द नेशनल ड्रग कंट्रोल पॉलिसी की रिपोर्ट के अनुसार कुल मिलाकर 100 बिलियन डॉलर के अवैध ड्रग उस साल पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में बेचे गए थे। यह आँकड़ा अब कई गुना हो चुका है। 2023 में इल्लीगल ड्रग ट्रैफिकिंग से जुड़े कुल 18939 बड़े केस दर्ज किए गए थे। ये नशीले द्रव्य बेचने के धंधे में ट्रंप के देश में आठ लाख से ज्यादा अवयस्क शामिल पाए गए।

तो क्या इसके बाद भी ट्रंप के पद पर बने रहने का कोई आधार बचता है? क्या इस आधार पर दूसरे किसी ताकतवर को देश को चाहिए कि वह डोनाल्ड और मेलानिया ट्रंप को उठा ले जाए? अगर नहीं तो वेनेजुएला पर की गई इस बर्बर कार्रवाई के लिए यह तर्क सही कैसे हो सकता है? इन कुतर्कों के साथ किसी देश की संप्रभुता का सत्यानाश करना, उसके राष्ट्रपति एवं उनकी पत्नी को बंधक बनाना और महिला उपराष्ट्रपति को धमकी देने जैसे कुकृत्य किसी माफिया डॉन के तो हो सकते हैं, राजनेता के नहीं। ये कुकृत्य बताते हैं कि ट्रंप का विश्वास मत्स्य न्याय में है। चूँकि ट्रंप के पास लाठी है, इसलिए दुनिया की हर भैंस ट्रंप की है। सच पूछिए तो ट्रंप का सिद्धांत विश्वशांति के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है। अब अगर दुनिया विश्वयुद्ध की ओर बढ़ती है तो उसके लिए जिम्मेदार डोनाल्ड ट्रंप होंगे। लंबे समय तक खुफिया एजेंसियों से जुड़े रह चुके मेरे एक अग्रज मित्र कहते हैं कि इस तरह के हमले संकेत देते हैं कि संबंधित राजनेता का विश्वास राजनयिक चैनल से खत्म हो चुका है।

ट्रंप ने कोई पहली बार ऐसा नहीं किया है। अपनी ताकत की धौंस वे पहले भी कई बार दिखा चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने उत्तर कोरिया के साथ ऐसा ही कुछ किया था। हाल में रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से मुलाकात में भी उन्होंने अपनी ताकत के धृष्ट प्रदर्शन की कोशिश की थी। यद्यपि रूस की ओर से तुरंत इसका अनुकूल उत्तर पाकर वे थम गए थे। यही बात वे चीन या इजरायल के साथ नहीं कर सकते। एक ऐसी ही साजिश चीन में मोदी के साथ भी हो चुकी है। चूँकि ट्रंप को उनकी साजिश का जवाब उन्हीं की तरह मिल गया तो आगे उन्हें भारत के साथ ऐसा कुछ करने की हिम्मत नहीं होगी। लेकिन भारत प्राकृतिक संसाधनों से एक अत्यंत संपन्न देश है। दुर्भाग्य से इसके पास नेताओं और बुद्धिजीवियों के रूप में ट्रंप की ही तरह कई अयोग्य, अक्षम, अशिष्ट और अति महत्त्वाकांक्षी लोग हैं। इसलिए भारत के सिर से यह खतरा कभी टल नहीं सकता।

अंतरराष्ट्रीय नीतियों को भी ताक पर रखकर वेनेजुएला पर किया गया हमला और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया अदेला फ्लूरो को बंधक बनाने के कृत्य उन कारणों से बिलकुल भी नहीं किए गए जो दुनिया भर को बताए जा रहे हैं। ये कोई कारण नहीं, पाखंड हैं। बिलकुल वैसे ही जैसे दूसरे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र में अमेरिका का विश्वास।

वेनेजुएला पर हमले का असल कारण वह भी नहीं है जो कहा जा रहा है, यानी तेल। तेल एक ह्रासोन्मुख खनिज संपदा है। बतौर ईंधन अब यह गए जमाने का घोषित हो चुका है। ट्रंप की कुदृष्टि वस्तुतः उन दुर्लभ खनिजों पर है जो वेनेजुएला, पेरू और इंडीज के पास हैं, लेकिन जिनकी प्रॉसेसिंग पर कब्जा अधिकांशतः चीन का है। वह रेयर अर्थ मेटल, जिसके नाते चीन दुनिया भर में बिजली वाहनों का बेताज बादशाह बना हुआ है, वेनेजुएला के पास है।ऐसे कई खनिजों का एक बड़ा भंडार पेरू के पास है। पेरू के पास भी इनकी प्रॉसेसिंग का अपना कोई उद्यम नहीं है। वहाँ चीन अपने तरीके से काम कर रहा है और अमेरिका उससे सीधे भिड़ने की हिम्मत नहीं कर सकता। वेनेजुएला और पेरू के बीच एक और गरीब देश कोलंबिया है। अमेरिका सबसे पहले पेरू तक चीन की पहुँच का रास्ता काटना चाहता है। यह पूरा इलाका यानी वेनेजुएला, कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू, बोलिविया, पैरागुए, अर्जेंटीना और चिली; और इनके साथ साथ इंडीज भी दुर्लभ खनिजों के सुषुप्त बड़े भंडार के रूप में जाना जाता है।

तेहरान बनाम वॉशिंगटन

ईरान इस समय दो मोर्चों से जूझ रहा है। स्थानीय जनता महंगाई के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रही है तो उसका गुस्सा अमेरिका के हस्तक्षेप को लेकर भी बढ़ता जा रहा है। इससे अब वहां का विरोध तेहरान बनाम वॉशिंगटन का रूप लेने लगा है। पश्चिमी प्रतिबंधों और सरकारी नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था रसातल में डूबने के कगार पर है, जिससे आम जनता त्रस्त है। हालिया विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 217 लोगों की मौत हुई है। हालात बिगड़ते देख ईरान में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। बहरहाल, इस्लामिक देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का संबोधन डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी कड़ी चेतावनी है, जो जरूरत पड़ने पर ईरान में दखल देने की बात आए दिन करते रहते हैं। अमेरिकी दखल से ईरान की समस्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है। 1979 की क्रांति में जहां शाह का पतन हुआ तो वहीं इस्लामिक गणराज्य की स्थापना भी हुई। इसके साथ ही ईरान को पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय भी परमाणु हथियारों के कार्यक्रम पर रोक नहीं लगाने के आरोप में अमेरिका और यूरोप ने ईरान पर कई तरह के कड़े प्रतिबंध लाद रखे हैं। इन पाबंदियों और कुछ सरकारी नीतियों की वजह से ईरान की आर्थिक स्थिति आज डूबने के कगार पर पहुंच चुकी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ईरान में महंगाई दर 42% तक बढ़ चुकी गई है। खाने-पीने के दाम बेतहाशा बढ़े हैं। इसके अलावा रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम में भी 110% तक की बढ़ोत्तरी हुई है। ईरान के पास दुनिया के कुल तेल भंडार का 9-10% है, लेकिन अमेरिका ने उस पर यह कहते हुए कड़े प्रतिबंध लाद रखे हैं कि इन पैसों का इस्तेमाल परमाणु हथियार विकसित करने में होता है। दशकों की चली आ रही इन पाबंदियों की वजह से ईरान की अर्थ व्यवस्था ऐसी लडखडाई कि फिर कभी संभलने का मौका नहीं मिला। देखा जाए तो पश्चिम की दुश्मनी केवल खामेनेई से है, लेकिन उसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। ऊपर से कट्टरता, शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं, मानवाधिकार का उल्लंघन जैसे अनेक आरोप भी हैं। इसके विरोध में ही आए दिन ईरानी लोग सड़कों पर उतरे नजर आते हैं। साल 2022 में भी ऐसे ही उग्र प्रदर्शन हुए थे, जब हिजाब न पहनने के आरोप में एक युवती को हिरासत में लिया गया था और उसकी मौत हो गई थी। ताजा हिंसक विरोध-प्रदर्शन देश के अधिकतर हिस्सों तक फैल चुका है। खबरों के मुताबिक, 217 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इंटरनेट बंद है और आम ईरानियों की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया चिंता में है। इसके बाद भी संप्रभु देश के मामलों में अमेरिका को कूदने का अधिकार नहीं है। पिछले साल जून में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एयर स्ट्राइक की थी, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं निकला। इससे पहले भी कई उदाहरण हैं, जहां अमेरिकी हस्तक्षेप से हालात और बिगड़े। ईरान का फैसला वहां की जनता ही लोकतांत्रिक तरीके से ही बेहतर होगा।

विश्वविद्यालय में सत्ता और साहित्य की अपमानित गरिमा

डॉ. प्रियंका सौरभ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान हिन्दी के वरिष्ठ कथाकार मनोज रूपड़ा के साथ हुआ सार्वजनिक दुर्व्यवहार केवल एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समय के अकादमिक और सांस्कृतिक जीवन में गहराते संकट का स्पष्ट संकेत है। किसी आमंत्रित लेखक को मंच पर अपमानित करना और कार्यक्रम से बाहर जाने के लिए कहना उस परंपरा के सर्वथा विपरीत है, जिसमें विश्वविद्यालयों को विचारों के मुक्त आदान–प्रदान, असहमति के सम्मान और रचनात्मक संवाद के केंद्र के रूप में देखा जाता रहा है। यह घटना व्यक्ति-विशेष तक सीमित नहीं है; यह साहित्य, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बौद्धिक गरिमा पर सीधा आघात है।

विश्वविद्यालयों की ऐतिहासिक भूमिका सत्ता के अनुचर बनने की नहीं रही है। नालंदा और तक्षशिला जैसी प्राचीन ज्ञान-परंपराओं से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक, इन संस्थानों ने सदैव प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्थापित धारणाओं को चुनौती देने की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाली मशीनें नहीं होते, बल्कि वे समाज की चेतना को दिशा देने वाले केंद्र होते हैं। यहां विचारों की विविधता, मतभेद और बहस को कमजोरी नहीं, बल्कि बौद्धिक शक्ति माना जाता है। ऐसे में जब किसी विश्वविद्यालय के भीतर सत्ता-प्रदर्शन, अहंकार और असहिष्णुता का दृश्य सामने आता है, तो यह केवल एक कार्यक्रम की विफलता नहीं, बल्कि संस्थागत मूल्यों के क्षरण का प्रमाण बन जाता है।

मनोज रूपड़ा समकालीन हिन्दी कथा साहित्य का एक सशक्त और प्रतिष्ठित नाम हैं। उनकी कहानियाँ और उपन्यास सत्ता, समाज और व्यक्ति के जटिल संबंधों को बेबाकी से उजागर करते हैं। वे उन लेखकों में शामिल हैं जिन्होंने साहित्य को केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक हस्तक्षेप का माध्यम माना है। ऐसे लेखक को आमंत्रित करना स्वयं विश्वविद्यालय की बौद्धिक प्रतिबद्धता और खुलेपन का प्रतीक होना चाहिए था। किंतु उनके साथ हुआ व्यवहार यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं आलोचनात्मक दृष्टि और स्वतंत्र विचार से असहजता ने विवेक पर विजय पा ली। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या विश्वविद्यालय अब केवल औपचारिक आयोजनों, प्रशस्ति-पाठों और सत्ता-अनुकूल वक्तव्यों तक सीमित रह जाएंगे?

कुलपति जैसे पद से केवल प्रशासनिक दक्षता की नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व और अकादमिक संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है। यह पद संयम, संवाद और समावेशन का प्रतीक होना चाहिए। विश्वविद्यालय का मुखिया यदि आलोचना या असहमति को व्यक्तिगत चुनौती मानने लगे, तो उसका प्रभाव केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहता। भय का वातावरण धीरे-धीरे पूरे परिसर में फैलने लगता है। शिक्षक खुलकर बोलने से कतराने लगते हैं, विद्यार्थी प्रश्न पूछने से डरने लगते हैं और रचनात्मकता आत्म-सेंसरशिप की भेंट चढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय अपने मूल उद्देश्य से भटक जाता है और ज्ञान का केंद्र होने के बजाय अनुशासन और नियंत्रण का उपकरण बन जाता है।

इस घटना का एक और चिंताजनक पक्ष यह है कि संस्थागत स्तर पर आमंत्रित साहित्यकार के सम्मान की रक्षा के लिए अपेक्षित संवेदनशीलता और दृढ़ता दिखाई नहीं दी। साहित्यिक आयोजनों की सफलता केवल मंच-सज्जा, पोस्टरों और औपचारिक भाषणों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि वहां संवाद कितना खुला, सम्मानजनक और अर्थपूर्ण रहा। जब किसी लेखक का अपमान होता है और संस्था मौन साध लेती है, तो वह मौन भी एक प्रकार की स्वीकृति बन जाता है। यह चुप्पी भविष्य में और अधिक दमनकारी व्यवहारों को प्रोत्साहित करती है और संस्थान की नैतिक विश्वसनीयता को कमजोर करती है। यह याद दिलाना आवश्यक है कि विश्वविद्यालय किसी व्यक्ति या पदाधिकारी की निजी जागीर नहीं होते। वे सार्वजनिक संसाधनों, करदाताओं के धन और समाज के विश्वास से संचालित होते हैं। यहां लिए गए निर्णय और प्रदर्शित व्यवहार समाज के लिए संदेश का काम करते हैं। यदि विश्वविद्यालयों में सत्ता का मद, व्यक्तिगत अहंकार और असहिष्णुता हावी हो जाए, तो समाज में संवाद की जगह टकराव और भय की संस्कृति पनपने लगती है। यह प्रवृत्ति न केवल साहित्य और शिक्षा के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी घातक है, क्योंकि लोकतंत्र का आधार ही विचारों की बहुलता और असहमति का सम्मान है।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा में साहित्य और बौद्धिक विमर्श की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज़ादी की लड़ाई से लेकर सामाजिक सुधार आंदोलनों तक, लेखकों और विचारकों ने सत्ता से सवाल पूछे हैं और समाज को आत्मावलोकन के लिए प्रेरित किया है। यदि आज विश्वविद्यालयों में ही लेखकों और विचारकों को अपमानित किया जाएगा, तो यह उस परंपरा का घोर अपमान होगा जिसने हमें एक जीवंत लोकतांत्रिक समाज बनाया है। यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों से वैचारिक नेतृत्व की अपेक्षा की जाती है, वही यदि असहिष्णुता का उदाहरण प्रस्तुत करने लगें, तो समाज किस दिशा में जाएगा?

इस पूरे घटनाक्रम में यह अवश्य उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के कुछ अध्यापकों ने स्थिति को संभालने और सम्मानजनक समाधान खोजने का प्रयास किया। यह दर्शाता है कि संस्थान के भीतर अभी भी विवेक और संवेदनशीलता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। किंतु यह भी सत्य है कि जब सत्ता का मद विवेक पर हावी हो जाता है, तब व्यक्तिगत प्रयास अक्सर निष्प्रभावी सिद्ध होते हैं। संस्थागत संस्कृति तभी बदलती है, जब नेतृत्व स्वयं संवाद और आत्मालोचना के लिए तैयार हो।

यह घटना हमें साहित्यकारों और बौद्धिक वर्ग की भूमिका पर भी पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करती है। जब किसी लेखक के साथ अन्याय होता है और पूरा साहित्यिक समुदाय मौन साध लेता है, तो यह मौन स्वयं में एक राजनीतिक और नैतिक वक्तव्य बन जाता है। इतिहास साक्षी है कि चुप्पी ने हमेशा सत्ता को मजबूत किया है और प्रतिरोध को कमजोर। यदि आज इस घटना पर स्पष्ट और सामूहिक प्रतिक्रिया नहीं होगी, तो कल किसी और लेखक, किसी और विचार और किसी और मंच पर यही दुहराया जाएगा। साहित्य का मूल स्वभाव प्रश्नाकुलता और प्रतिरोध का है।

सड़कें अब बुद्धिमान: भारत की स्मार्ट सुरक्षा का नया युग

आरके जैन

भारत की सड़कें आज भी जीवन और सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण साबित हो रही हैं। हर साल लाखों लोग दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और अनगिनत परिवार टूट जाते हैं। वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 1.77 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। इसका अर्थ है कि हर दिन औसतन 485 से अधिक लोग अपने घरों से कभी लौटकर नहीं आते। तेज गति, लापरवाही, हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों की अवहेलना प्रमुख कारण हैं। युवा वर्ग (18-34 वर्ष) सबसे अधिक प्रभावित है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक शक्ति का अहम हिस्सा है। इन भयावह आंकड़ों ने सरकार को मजबूर कर दिया कि वह सड़क सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 2026 तक पूरे देश में व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) संचार तकनीक लागू करने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह तकनीक वाहनों को सीधे संवाद करने में सक्षम बनाएगी, बिना किसी मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट के। वी2वी तकनीक के माध्यम से वाहन आपस में गति, स्थिति, दिशा, ब्रेकिंग और त्वरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। यदि कोई वाहन अचानक रुकता है, ब्लाइंड स्पॉट में प्रवेश करता है या किसी खतरे का सामना करता है, तो आसपास के सभी वाहन तुरंत चेतावनी पाएंगे। इस प्रकार, दुर्घटनाओं को पहले ही रोका जा सकेगा और लाखों जीवन सुरक्षित रहेंगे।

वी2वी संचार प्रणाली पूर्णतः अत्याधुनिक वायरलेस तकनीक पर आधारित है। प्रत्येक वाहन में एक ऑन-बोर्ड यूनिट (ओबीयू) स्थापित की जाएगी, जो 5.875 से 5.905 गीगाहट्र्ज़ बैंड में उपलब्ध 30 मेगाहट्र्ज़ स्पेक्ट्रम का उपयोग करेगी। यह विशिष्ट स्पेक्ट्रम दूरसंचार विभाग द्वारा निःशुल्क आवंटित किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से वाहन रीयल-टाइम में एक-दूसरे के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे प्रतिक्रिया समय अत्यंत कम हो जाएगा। कई परिस्थितियों में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच का निर्णायक अंतर साबित होते हैं। विशेषज्ञों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह तकनीक दुर्घटनाओं की संभावना को लगभग 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है, विशेष रूप से कोहरे, अत्यधिक यातायात और रियर-एंड टक्कर जैसी जोखिमपूर्ण स्थितियों में।

सरकार ने इसे 2026 तक राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है। पहले चरण में यह केवल नए वाहनों में अनिवार्य होगा। उसके बाद मौजूदा वाहनों में रेट्रोफिटिंग की जाएगी। अनुमानित परियोजना लागत लगभग 5,000 करोड़ रुपये है। प्रति वाहन उपकरण की लागत 5,000-7,000 रुपये के आसपास होने का अनुमान है। राज्य परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक में इस योजना पर व्यापक चर्चा हुई। दूरसंचार विभाग के साथ संयुक्त कार्यबल गठित किया गया है। वी2वी प्रणाली एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के साथ पूरी तरह एकीकृत होगी। प्रीमियम वाहनों में पहले से मौजूद सेंसर-आधारित फीचर्स को भी नए मानकों से जोड़ा जाएगा। दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना (1.5 लाख रुपये तक, 7 दिनों के लिए) को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा।

वी2वी तकनीक के लाभ अत्यधिक व्यापक और दूरगामी हैं। कोहरे में बहु-वाहन टक्कर, रियर-एंड कोलिजन और स्थिर वाहनों से टकराव अब बड़ी संख्या में रोके जा सकेंगे। यातायात का प्रवाह सुचारू होगा, ईंधन की बचत होगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भारत जैसे विविध भूगोल वाले देश में- जहां पहाड़ी रास्ते, घुमावदार सड़कें, घना ट्रैफिक और मौसमी चुनौतियां आम हैं-यह प्रणाली विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। ड्राइवरों को अतिरिक्त प्रतिक्रिया समय मिलने से दुर्घटनाओं की गंभीरता कम होगी और जीवन रक्षा संभव होगी। कुल मिलाकर, यह तकनीक सुरक्षित, स्मार्ट और कुशल परिवहन प्रणाली की नींव रखेगी और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन में चुनौतियां भी हैं। प्रारंभिक लागत, पुराने वाहनों में उपकरण इंस्टॉलेशन, डेटा गोपनीयता की चिंता, साइबर खतरों का जोखिम और सभी वाहनों में समान मानकीकरण प्रमुख बाधाएं हैं। सरकार ऑटोमोबाइल उद्योग, विशेषज्ञों और तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर इन समस्याओं का समाधान कर रही है। सफल परीक्षण और समयबद्ध क्रियान्वयन से इन चुनौतियों को प्रभावी ढंग से पार किया जा सकता है। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षित ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम और सख्त नियमावली लागू करना आवश्यक होगा, ताकि रोलआउट सुचारू और सुरक्षित रूप से संभव हो सके।

इस तकनीक से न केवल दुर्घटनाओं की संख्या घटेगी, बल्कि अनगिनत परिवारों को दुख, पीड़ा और तबाही से भी बचाया जाएगा। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी और सामाजिक सुरक्षा के ढांचे को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी करेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शिता और सरकार की सक्रियता अत्यंत सराहनीय है। अब समय आ गया है कि हम सभी इस तकनीक को अपनाएं और सुरक्षित यात्रा को अपनी आदत में बदलें।

विवेकानंद के विचार और भारत की युवा ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

वर्तमान परिवेश में समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है, वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। ऐसे में युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है, जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है।

हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे। स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरू इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं की जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरूषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके, इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक, दार्शनिक, समाज सुधारक, युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे। स्वामी विवेकानंद के वक्तव्यों का आम जनमानस और खासकर युवाओं के मनोमस्तिष्क पर कितना प्रभाव पड़ता था, इसका उनके शिकागो भाषण से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। 11 सितम्बर 1893 को जब शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्त्वि के धनी थे, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में स्वामी जी अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

नैतिकता की तेरहवीं

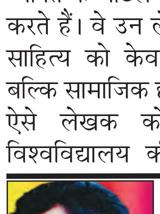

डॉ. सुरेश कुमार

गाँव के पुराने बरगद के नीचे कभी नैतिकता अपनी जड़ें जमाए बैठी थी, पर आज वहाँ कंक्रीट का वह 'विकास' खड़ा है जिसने संवेदनाओं की हरियाली को निगल लिया है। लाला घासीराम की मृत्यु कोई साधारण घटना नहीं थी, वह तो पतन की तमाम प्रजातियों के लिए 'कंटेंट' का एक महाकुंभ बन गया। जैसे ही लाला की सांसें थमीं, उनके सुपुत्र गजानन ने एम्बुलेंस बुलाने के बजाय 'लाइट्स, कैमरा, एक्शन' मोड में आकर अपना आईफोन निकाला और पिता की ठंडी पड़ती देह के साथ एक सेल्फी ली, जिसका कैप्शन था— 'एंड ऑफ एन एरा'। गाँव में यह कहावत मशहूर थी कि 'बाप मरे अंधेरे में, बेटा खाए सवेरे में', पर यहाँ तो बेटा बाप की अर्थी को ही अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल की सीढ़ी बना रहा था। गजानन की आँखों में आँसू नहीं थे, बल्कि वह मन ही मन गणित लगा रहा था कि अंतिम संस्कार में कौन-कौन से वीआईपी आएंगे और उन सबके साथ 'चेक-इन' करने से उसकी साख कितनी बढ़ेगी। नैतिकता यहाँ उस टूटी हुई खाट की तरह कोने में पड़ी सिसक रही थी, जिस पर लाला ने अपनी आखिरी रात काटी थी। पतन का यह पहला बिंब था, जहाँ लहू के रिश्तों पर डिजिटल लाइक्स की परत चढ़ चुकी थी और 'शोक' अब केवल एक 'स्टेटस अपडेट' बनकर रह गया था।

तभी वहाँ 'रसीद-कट्टा' समाजसेवकों की एक पूरी जमात उतरी, जो लाला के घर को किसी बाज़ार की तरह तौलने लगी। इनमें प्रमुख थे 'परोपकार-भक्षी' दीनदयाल जी, जिन्होंने आते ही लाला की लाश के सिरहाने एक बड़ा सा बैनर टाँग दिया— 'स्वर्गीय लाला जी की स्मृति में निःशुल्क शीतल जल सेवा'। बैनर इतना बड़ा था कि बेचारे लाला की देह उसके नीचे दब गई। दीनदयाल जी ने अपनी जेब से दो केले निकाले और एक फटेहाल भिखारी को कैमरे की तरफ मुँह करवाकर थमा दिए। फोटोग्राफर को बार-बार हिदायत दी गई कि 'दाता' का चेहरा बड़ा और 'याचक' की लाचारी गहरी दिखनी चाहिए। यहाँ 'नेकी कर दरिया में डाल' की लोकोक्ति दम तोड़ चुकी थी और 'नेकी कर फेसबुक पर डाल' का नया सरोकार जन्म ले चुका था। यह रुला देने वाला दृश्य था कि एक तरफ अर्थी सज रही थी और दूसरी तरफ लोग 'पुण्य के सेल्समैन' बनकर अपनी ब्रांडिंग कर रहे थे। दीनदयाल जैसों के लिए लाला का मरना केवल एक ऐसा अवसर था, जहाँ वे अपनी दानवीरता का विज्ञापन मुफ्त में चला सकते थे। नैतिकता यहाँ उस नंगे भिखारी की तरह काँप रही थी, जिसे रोटी तो नहीं मिली पर उसके आत्मसम्मान की सरेआम नीलामी जरूर हो गई।

श्मशान की ओर बढ़ते हुए मजमा और भी रंगीन हो गया। रास्ते में ट्रैफिक जाम था क्योंकि एक 'ईगो-सवारी' वाले रईस साहब ने अपनी महँगी एसयूवी बीच सड़क पर खड़ी कर दी थी। अर्थी रुकी रही, पर साहब का 'जानते हो मेरा बाप कौन है' वाला अस्त्र सायरन से भी तेज गूँज रहा था। पीछे से आती एम्बुलेंस की चीखें किसी को सुनाई नहीं दे रही थीं, क्योंकि सबका ध्यान इस बात पर था कि कौन सी गाड़ी सबसे आगे रहेगी। श्मशान पहुँचते ही 'श्रद्धांजलि शिकारियों' का असली चेहरा सामने आया। वे लोग जो लाला के जीते जी उनके घर का रास्ता भूल गए थे, आज चिता के पास खड़े होकर ऐसे 'पोज़' दे रहे थे जैसे लाला के सबसे बड़े हमदर्द वही हों। एक 'रील-मेकर' तो चिता की उठती लपटों के साथ 'दुख भरा' बैकग्राउंड म्यूजिक लगाकर अपनी वीडियो एडिट करने में व्यस्त था। 'आँख के अंधे नाम नयनसुख' वाली बात यहाँ चरितार्थ हो रही थी; सब संवेदनशील होने का ढोंग कर रहे थे, पर भीतर सब संवेदनाओं से रिक्त थे। चिता की आग से ज्यादा गर्मी उन लोगों के मोबाइल फोन में थी, जो पल-पल की 'अपडेट' अपनी गैलरी में कैद कर रहे थे। जैसे ही चिता शांत हुई, लाला के दोनों बेटों ने वहीं श्मशान की राख पर बैठकर वसीयत के कागजात निकाल लिए।

किस राशि के व्यक्ति को कौन से ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने चाहिए ?

सनातन धर्म में बारह ज्योतिर्लिंग हैं, जोकि अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, जिस जगह जहां स्वयं शिव प्रकट हुए या फिर निवास किया है वह ज्योतिर्लिंग कहलाते हैं। भारत में कुल 12 ज्योतिर्लिंग हैं, जिन्हें शिव की असीम शक्ति, करुणा और सृष्टि के संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिर्लिंग केवल पत्थर के लिंग नहीं हैं। वे शिव के प्रकाशमान, निराकार और शाश्वत स्वरूप के प्रतीक हैं। ऐसा माना जाता है कि इन तीर्थ स्थलों की पूजा, अभिषेक और दर्शन करने से भक्तों के पाप धुल जाते हैं और उन्हें मन की शांति प्राप्त होती है।

शिव पुराण में कहा गया है कि इन बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने वालों को मोक्ष प्राप्त होता है। शिव पुराण की कोटिरुद्र संहिता में शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों का वर्णन है। ये सभी ज्योतिर्लिंग प्राचीन हैं। ऐसा माना जाता है कि शिव स्वयं इन सभी ज्योतिर्लिंगों में निवास करते हैं। अनेक भक्त मानते हैं कि ज्योतिर्लिंगों की दर्शन से स्वास्थ्य, धन और मोक्ष का मार्ग खुलता है। विशेष रूप से महाशिवरात्रि, श्रावण माह और सोमवार को ज्योतिर्लिंगों की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि राशि के अनुसार इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने से विशेष लाभ प्राप्त होते हैं। तो आइए जानते हैं कि किस राशि के व्यक्ति को किस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने चाहिए?

मेष राशि: इस राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। इस राशि के जातकों को रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए। यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु के रामेश्वरम में स्थित है।

वृषभ राशि: इस राशि का स्वामी शुक्र ग्रह है। इस राशि में जन्मे लोगों को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग जरूर जाना चाहिए। यह गुजरात में स्थित है।

मिथुन राशि: इस राशि का स्वामी बुध ग्रह है। इस राशि के जातकों को नागेश्वर ज्योतिर्लिंग जरूर दर्शन करने चाहिए। यह गुजरात में ही स्थित है।

कर्क राशि: इस राशि का स्वामी चंद्रमा है। इस राशि के जातकों को मध्य प्रदेश में स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन जरूर करने चाहिए।

सिंह राशि: इस राशि का स्वामी सूर्य है। इस राशि के जातकों को झारखंड में स्थित बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग जरूर दर्शन करने चाहिए।

कन्या राशि: इस राशि का स्वामी बुध ग्रह है। इस राशि के जातकों को श्रीशैलम मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जरूर दर्शन करने चाहिए। यह आंध्र प्रदेश में स्थित है।

तुला राशि: इस राशि का स्वामी शुक्र ग्रह है। इस राशि के जातकों को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए। यह मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित है।

वृश्चिक राशि: इस राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। इस राशि के जातकों को महाराष्ट्र में स्थित घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए।

धनु राशि: इस राशि का स्वामी बृहस्पति ग्रह है और इस राशि के जातकों को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए।

मकर राशि: इस राशि का स्वामी शनि ग्रह है। इस राशि के जातकों को भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए। यह महाराष्ट्र में स्थित है।

कुंभ राशि: इस राशि का स्वामी शनि ग्रह है। इस राशि के जातकों को उत्तराखंड में स्थित केदारनाथ ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए।

मीन राशि: इस राशि का स्वामी बृहस्पति ग्रह है, और इस राशि के जातकों को महाराष्ट्र में स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग अवश्य दर्शन करने चाहिए।

23 साल बाद मकर संक्रांति पर बनेगा महाशुभ संयोग

इन राशियों के बैंक बैलेंस में होगा जबरदस्त इजाफा

साल 2026 की मकर संक्रांति इस बार बेहद खास मानी जा रही है। 14 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के दिन ऐसा दुर्लभ और अत्यंत शुभ संयोग बनने जा रहा है, जो पूरे 23 साल बाद दोबारा दिखाई देगा। खास बात यह है कि इस दिन षटतिला एकादशी, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का अद्भुत मेल होगा। इससे पहले ऐसा संयोग वर्ष 2003 में बना था।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस शुभ अवसर से तीन राशियों के जीवन में बड़ा आर्थिक बदलाव देखने को मिलेगा। इन राशियों के जातकों को धन लाभ, करियर में उन्नति और हर क्षेत्र में सफलता के प्रबल योग बन रहे हैं।

मकर संक्रांति 2026 पर क्यों है खास संयोग?

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, मकर संक्रांति 2026 पर बनने वाले योग इस प्रकार हैं:

14 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति

इसी दिन षटतिला एकादशी का व्रत

सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का निर्माण

एक दिन पहले शुक्र ग्रह का मकर राशि में गोचर

इन सभी ग्रह और तिथि योगों का संयुक्त प्रभाव कुछ राशियों के लिए अत्यंत फलदायी माना जा रहा है, विशेषकर आर्थिक दृष्टि से।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए मकर संक्रांति 2026 का यह शुभ संयोग बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। लंबे समय से चली आ रही आर्थिक परेशानियों से राहत मिलने के योग हैं। संभावित लाभः

आर्थिक स्थिति में स्पष्ट सुधार

अटके हुए काम पूरे होंगे

अचानक धन लाभ के योग

पुरानी संपत्ति या निवेश से मुनाफा

कार्यस्थल पर प्रशंसा और मान-सम्मान

धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ में रुचि बढ़ेगी

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए मकर संक्रांति 2026 से एक गोल्डन पीरियड की शुरुआत मानी जा रही है। करियर और धन दोनों क्षेत्रों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। संभावित लाभः

आय के नए स्रोत खुलेंगे

नौकरी और बिजनेस में बड़ी सफलता

प्रमोशन या पदोन्नति के प्रबल योग

यात्रा से आर्थिक लाभ

पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा

कई माध्यमों से धन प्राप्ति के संकेत

कुंभ राशि –

कुंभ राशि वालों को इस महाशुभ संयोग का विशेष लाभ मिलने वाला है। खासतौर पर करियर, निवेश और विदेश से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। संभावित लाभः

आय में उल्लेखनीय वृद्धि

लंबे समय से रुके कार्य पूरे होंगे

बिजनेस में बड़ा मुनाफा

नई नौकरी या बड़ा अवसर मिल सकता है

पार्टनरशिप में लाभ

विदेश यात्रा या अंतरराष्ट्रीय डील फाइनल होने के योग

भविष्य के लिए लाभकारी निवेश संभव

मकर संक्रांति 2026 का ज्योतिषीय महत्व

मकर संक्रांति को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पर्व माना जाता है। यह समय सकारात्मक ऊर्जा, नए आरंभ और शुभ फल देने वाला होता है। जब इस दिन ग्रहों और तिथियों के ऐसे दुर्लभ योग बनते हैं, तो उनका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

मूड का गुलाम या संस्कारों का राजा ? चुनिए आप कौन सा जीवन जीना चाहते हैं

एक साधु अपने शिष्य के साथ नदी में स्नान करने गए थे। तभी अचानक एक बिच्छू जल की धारा में बहता हुआ उनके पास चला आया और साधु ने उसे पानी से निकालने के लिए अपने हाथ पर लेने की कोशिश की। बिच्छू ने साधु के हाथ पर तेज डंक का प्रहार किया और हाथ छुड़वाकर कहीं दूर जा गिरा।

यह क्रम कई बार चला और अंततः साधु ने बिच्छू को किनारे पर पहुंचा दिया। बिच्छू को बचाने की कोशिश में साधु के हाथ में कई डंक लग चुके थे। उनका शिष्य जो साथ में स्नान करने आया था वह सारी घटना देख रहा था। वह बोला, ''गुरु जी, जब यह बिच्छू बार-बार आपको डंक मार रहा था तो फिर आपने उसे इतने डंक खाकर क्यों पानी से बाहर निकाला?''

साधु ने कहा, ''यह तो उस बिच्छू का स्वभाव है, वह डंक ही मारेगा और स्वभाव को छोड़ना उसके लिए संभव नहीं।''

शिष्य बोला तो फिर आप तो उसको बचाना छोड़ सकते थे। साधु मुस्कुराए और बोले, ''जब बिच्छू जैसे प्राणी ने अपना स्वभाव नहीं छोड़ा तो फिर मैं क्यों साधु होकर अपना स्वभाव व संस्कार त्याग देता और बिच्छू को न बचाता।'' यह सुनकर शिष्य संतुष्ट हो गया।

उज्जैन में 14 से 18 जनवरी तक सजेगा भव्य महाकाल महोत्सव

भगवान महाकाल की पावन नगरी उज्जैन एक बार फिर आध्यात्म, संगीत और लोकसंस्कृति के उत्सव का साक्षी बनने जा रही है। 14 से 18 जनवरी तक आयोजित होने वाले महाकाल महोत्सव में श्रद्धालुओं और कला प्रेमियों को भक्ति और सांस्कृतिक रंगों से भरे कार्यक्रम देखने को मिलेंगे। प्रतिदिन शाम 7 बजे से शुरू होने वाले इन आयोजनों में लोकनृत्य, शास्त्रीय प्रस्तुतियां और प्रसिद्ध कलाकारों के संगीत कार्यक्रम शामिल रहेंगे। इस अवसर पर शंकर–एहसान–लॉय और लोकप्रिय गायिका सोना महापात्रा जैसी जानी-मानी हस्तियां भी मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

14 जनवरी से होगी महोत्सव की शुरुआत

महोत्सव का शुभारंभ 14 जनवरी को जनजातीय लोकनृत्यों और कला यात्राओं के साथ किया जाएगा। गोंड समाज का सैला नृत्य, बैगा जनजाति का परधौनी नृत्य और भील समाज का पारंपरिक भगोरिया नृत्य जैसे रंगारंग कार्यक्रम दर्शकों को लोकसंस्कृति से रूबरू कराएंगे। दिन में शहर की सड़कों पर निकलने वाली कला यात्राएं भी उत्सव का विशेष आकर्षण होंगी।

16 जनवरी को सोना महापात्रा की प्रस्तुति

महोत्सव के दूसरे चरण में 16 जनवरी को सोना महापात्रा शिव भक्ति और सूफी संगीत की प्रस्तुति देंगी। उनकी आवाज में प्रस्तुत भजन और गीत श्रोताओं को भक्तिभाव से भर देंगे। इसी दिन कोरक, भील और बैगा जनजातियों के कलाकार भी अपने पारंपरिक नृत्यों का प्रदर्शन करेंगे।

17 जनवरी को संगीतमय संध्या

17 जनवरी को विशेष संगीत संध्या आयोजित की जाएगी, जिसमें शास्त्रीय और समकालीन गायन प्रस्तुत किया जाएगा। कलाकार शिव आराधना और आध्यात्मिक रचनाओं के माध्यम से वातावरण को भक्तिरस से सराबोर करेंगे।

18 जनवरी को भव्य समापन

महोत्सव का समापन 18 जनवरी को शिव केंद्रित डांस-ड्रामा के साथ होगा। कथकली और अन्य शास्त्रीय नृत्य शैलियों के माध्यम से भगवान शिव के विविध रूपों को मंच पर जीवंत किया जाएगा।

प्रशासन की तैयारियां

महोत्सव को लेकर महाकालेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और आरती की व्यवस्था की जा रही है। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस और सुरक्षा बल पूरे समय तैनात रहेंगे।

श्रद्धालुओं से अपील

प्रशासन ने आगंतुकों से समय पालन, शांति और अनुशासन बनाए रखने का अनुरोध किया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दीपदान, प्रसाद वितरण और अन्य धार्मिक आयोजनों की भी विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि सभी भक्त सुरक्षित और सहज रूप से महाकाल महोत्सव का आनंद ले सकें।

अगर सताता है आलस और आती है झपकी तो अपनाएं ये अचूक तरीके : प्रेमानंद जी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम सब अपने लक्ष्यों को पाना चाहते हैं, लेकिन अक्सर हमारे और हमारी सफलता के बीच एक सबसे बड़ी दीवार खड़ी हो जाती है- वह है आलस। सुबह अलार्म बजने पर उसे स्नूज़ करना हो या भक्ति के समय आने वाली नींद, यह सुस्ती हमारे संकल्प को धीरे-धीरे खत्म कर देती है।

वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद जी महाराज, जो अपने बेबाक और सत्य वचनों के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने आलस को मात देने का एक ऐसा कड़ा लेकिन सटीक रास्ता बताया है जो आपकी दिनचर्या बदल सकता है। उनका कहना है कि यदि आप अपने मन के लाड़-प्यार में फंसे रहे, तो कभी उन्नति नहीं कर पाएंगे। महाराज जी के अनुसार, जब सुबह मन रजाई में दुबकने को कहे या साधना के समय झपकी आने लगे, तो उस वक्त केवल एक ही मंत्र काम आता है- अपने ऊपर कठोर शासन। तो आइए जानते हैं, प्रेमानंद महाराज के वे क्रांतिकारी विचार जिन्होंने हज़ारों युवाओं को बिस्तर छोड़कर कर्म पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

रजाई फेंको और खड़े हो जाओ

महाराज जी कहते हैं कि जब मन कहे कि थोड़ा और सो लेते हैं, या शरीर रजाई की गर्माहट छोड़ने को तैयार न हो, तो उसी क्षण रजाई को झटक कर फेंक दें। मन के साथ लाड़-प्यार करना बंद करें। आलस को हराने का एकमात्र तरीका है- त्वरित निर्णय। जैसे ही बिस्तर छोड़ने का विचार आए, बिना एक सेकंड गंवाए खड़े हो जाएं।

भक्ति में झपकी आए तो क्या करें ?

यदि बैठकर भजन करते समय झपकी आ रही है, तो तुरंत खड़े हो जाएं और टहलते हुए भगवान का नाम लें। आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारें।

यह शरीर को सचेत करने का सबसे आसान तरीका है। महाराज जी मजाकिया लेकिन गंभीर लहजे में कहते हैं कि कल्पना करो अगर अभी यमराज सामने खड़े हों, तो क्या नींद आएगी? मृत्यु का स्मरण आलस को जड़ से खत्म कर देता है।

घर का फर्नीचर बदल सकता है आपकी किस्मत, रंगों का वास्तु राज

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा सूर्य की दिशा है और इसे विकास व सामाजिक संबंधों का कारक माना जाता है। यहां रखे फर्नीचर के लिए हल्का भूरा या हरा रंग सबसे उत्तम है। इससे परिवार के सदस्यों का मान-सम्मान बढ़ता है और सामाजिक रिश्ते मजबूत होते हैं।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा कुबेर देव की मानी जाती है, जो धन और करियर के अवसरों को नियंत्रित करती है। इस दिशा में नीला या सफेद रंग का फर्नीचर रखना चाहिए। यह करियर में नए अवसर लाता है और आर्थिक तंगी को दूर करता है।

दक्षिण और पश्चिम दिशा

ये दिशाएं भारीपन और स्थिरता की प्रतीक हैं। यहां गहरा भूरा या लाल रंग के फर्नीचर का चुनाव करें। इससे घर में स्थिरता आती है और मुखिया का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

कमरे के अनुसार चुनें फर्नीचर का रंग

लिविंग रूम

लिविंग रूम वह स्थान है जहां मेहमान आते हैं और परिवार के लोग समय बिताते हैं। यहां ऊर्जा का संतुलन बहुत जरूरी है। यहां क्रीम, बेज या हल्के रंग का सोफा और फर्नीचर रखें। गहरे काले या बहुत डार्क रंगों से बचें, क्योंकि ये उदासी और तनाव पैदा कर सकते हैं।

बेडरूम

बेडरूम शांति और विश्राम का स्थान है। यहां फर्नीचर के रंग मन को सुकून देने वाले होने चाहिए। लकड़ी का प्राकृतिक रंग या हल्का गुलाबी, हल्का हरा रंग श्रेष्ठ है। बेडरूम में कभी भी चमकदार या लाल रंग का फर्नीचर न रखें, इससे नींद में खलल पड़ता है और वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है।

तारा सुतारिया को चाहिए कैसा दूल्हा? वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की चर्चा के बीच शादी को लेकर पुराना बयान वायरल

ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं। क्या इनकी खूबियों में वीर पहाड़िया फिट बैठते हैं?

कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए।'

पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी?

तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है।'

तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

क्या हिंदी में काम करेंगी कल्याणी प्रियदर्शन?

बॉलीवुड में डेब्यू की अफवाहों के बीच अभिनेत्री ने कही बडी बात

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी और 'लोका चैप्टर 1' के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के बारे में अफवाह है कि वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस चर्चा के बीच, उन्होंने उन बॉलीवुड ऑफर्स के बारे में भी बात की जो उन्हें मिल रहे हैं।

किस तरह की स्क्रिप्ट की तलाश में रहती हैं कल्याणी?

कल्याणी प्रियदर्शन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन अच्छी कहानियां हमेशा मुझे मिल ही जाती हैं, चाहे भाषा कोई भी हो। मैंने हमेशा कहा है कि जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची एक्ट्रेस हूं। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट है, चाहे वह किसी भी भाषा में हो, चाहे वह मराठी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मलयालम हो, मुझे वह चाहिए।'

हिंदी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं

कल्याणी ने हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनने की इ च्छा जताई, और इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए हमेशा स्क्रिप्ट और अच्छी कहानियां ही सबसे जरूरी हैं। जब कल्याणी से पूछा गया कि 'लोका चैप्टर 2' की सफलता के बाद हिंदी फिल्मों के ऑफर बढ़े हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा 'यह नहीं कह सकती कि ऑफर बढ़े हैं या कम हुए हैं, लेकिन मौके हमेशा से रहे हैं।' उन्होंने बताया कि वह ऐसी इंसान हैं जो किसी भी फिल्म को अपना समय पूरी लगन से देना पसंद करती हैं।

कब रिलीज हुई 'लोका चैप्टर 1'?

'लोका चैप्टर 1' एक मलयालम भाषा की सुपरहीरो फिल्म है, जो 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के निर्देशक डोमिनिक अरुण हैं। इसके निर्माता दुलकर सलमान हैं। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजय राघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा के साथ नसलेन और सैंडी ने अभिनय किया है।

ज्यादा समझदार हैं आज के दर्शक : 'वामिका गब्बी'

टैक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।

हिन्दी के साथ पंजाबी, मलयालम, तमिल तथा तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी वामिका गब्बी का करियर ग्राफ और उसकी फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ रही है ।

चाहे फिल्में हों या वैब सीरीज उसने हर जगह अपनी अभिनय प्रतिभा को साबित किया है । अपनी हर फिल्म में अपने शानदार अभिनय के लिए वामिका को फैन्स से बहुत प्यार मिला है।

वामिका ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2013 में पंजाबी फिल्म 'तू मेरा 22 मैं तेरा 22' से की थी। वह 'मौसम2', 'बिट्टू बॉस', '83', 'खुफिया' से लेकर' बेबी जॉन' और 'भूल-चूक माफ' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी है।

वामिका को फिल्मों के साथ ही ओ.टी. टी. पर भी काफी सफलता मिली है। वैब सीरीज' जुबली' में नीलोफर कुरैशी के किरदार के लिए उसे काफी सराहा गया।'जुबली' को कई अवॉर्ड और नॉमिनेशन मिले तो वहीं 'ग्रहण', 'मॉडर्न लव चेन्नई', 'मॉडर्न लव मुम्बई', 'माई : एक मदर्स 'रेज', 'चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलांग वैली' में भी उसके अभिनय की जम कर तारीफ हुई है ।

वामिका का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उसने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं । वामिका बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उसने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, "अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता ।

वामिका का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है । वह मानती है कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं । सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है।

उसने आगे कहा, "टैक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है । आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।' वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है।

करियर की शुरूआत

वामिका ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म 'जब वी मेट' में छोटे रोल से की थी। साल 2007 में आई इस फिल्म में वामिका ने गीत और रूप की कजिन का रोल अदा किया था । इसके बाद हर कुछ महीनों बाद उसकी कोई न कोई फिल्म आती रही, लेकिन बीते कुछ सालों में उसे अचानक वह फेम और पहचान मिली है जिसका वामिका को लंबे वक्त से इंतजार था ।

उसने पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को वहां भी लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया । इतना ही नहीं, वामिका देश भर की फिल्म इंडस्ट्रीज तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी है।

स्कूल में 'कौवा' कहकर चिढ़ाते थे बच्चे कम ही लोग जानते हैं कि वामिका का नाम आज जो पुकारा जाता है, शुरू से वैसा नहीं था । उसके पिता ने उसका जो नाम रखा था, उसकी वजह से उसे परेशानी होने लगी थी, जिसके चलते उसने बाद में अपना नाम बदला ।

वामिका गब्बी ने यह किस्सा सुनाया कि कैसे जब उसे अपने नाम की वजह से स्कूल में मुश्किल होने लगी तो उसने खुद अपना नाम बदलवाया।

वामिका ने बताया, "पापा ने उस वक्त पर ' बच्चों के अरबी नाम', ऐसी एक किताब खरीदी थी। इस किताब से उन्होंने एक नाम चुना और उसका आखिरी अक्षर बदलकर उन्होंने K की जगह Q कर दिया था। तो इस तरह पहले मेरा नाम WAMIQUA होता था। क्योंकि Q के साथ हमेशा U आता है, यह एक नियम है। तो पहले कुछ साल हर कोई मुझे 'वामिक्वा' बोला करता था। तो मैंने अपने पापा से पूछा कि पापा यह क्या है ? मुझे सब 'कौवा कौवा' कहने लग गए थे, मेरे स्कूल में।

वामिका ने इसके बाद वापस अपने नाम से QU हटाकर सिर्फ Q रखने का फैसला किया।

पांच फिल्मों में आएगी नजर

वामिका इस समय दर्शकों के साथ ही फिल्मकारों की पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी है, तभी तो उसकी झोली फिल्मों से लबालब भरी है। उसकी अगली 5 बड़ी फिल्में हैं :

'पति पत्नी और वो दो' : कार्तिक आर्यन की फिल्म 'पति पत्नी और वो' का सीक्वेल बन रहा है । इस फिल्म में वामिका लीड रोल में दिखाई देगी।

'भूत बंगला' : इस में अक्षय कुमार के साथ वामिका भी अहम रोल में दिखाई देगी। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी।

'टिकीटका' : इस मलयालम फिल्म में वामिका फीमेल लीड होगी। हालांकि, इस फिल्म की रिलीज डेट का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

'दिल के दरवाजे खोल न डार्लिंग' : इसमें वामिका किस रोल में दिखाई देगी इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है लेकिन इस फिल्म के लिए उसने हामी भर दी है।

'किकली' : हिंदी और साऊथ की फिल्मों व्यस्तता के बावजूद वामिका ने अभी तक पंजाबी फिल्मों से किनारा नहीं किया है । वह जल्द ही फिल्म 'किकली' में दिखाई देगी।

6 मिनट का डांस 6 करोड़ फीस !

अपनी डांस फैन्स का दिल जीत लेने वाली ' आईटम सॉन्ग क्वीन' तमन्ना भाटिया को लेकर खबरों का बाजार गर्म है कि न्यू ईयर के जश्न पर तमन्ना ने 6 मिनट की डांस परफॉर्मेंस के लिए इतनी मोटी रकम वसूल की है, जितना एक कलाकार पूरी फिल्म के लिए भी वसूल नहीं करता ।

4 'कवाला' ', 'आज की रात', 'गफूर ' जैसे गीतों पर धूम मचा चुकी तमन्ना ने हाल ही में गोवा में न्यू ईयर की पार्टी में पंजाबी स्टार सोनम बाजवा के साथ स्टेज शेयर किया था । अब तमन्ना को लेकर चर्चा है कि स्टेज पर 'आज की रात' गाने पर थिरकने वाली इस सुंदरी ने 6 मिनट की परफॉर्मेंस के लिए 6 करोड़ रुपए चार्ज किए हैं यानी एक मिनट के एक करोड़ रुपए ।

तमन्ना को लेकर चर्चा है कि स्टेज पर 'आज की रात' गाने पर थिरकने वाली इस सुंदरी ने 6 मिनट की परफॉर्मेंस के लिए 6 करोड़ रुपए चार्ज किए हैं यानी एक मिनट के एक करोड़ रुपए । खैर, अब इस खबर में कितनी सच्चाई है, यह तो तमन्ना जाने या फिर यह चर्चा फैलाने वाले, जिन्होंने इस खबर से फिल्मी गलियारे को गुलजार बना रखा है। हालांकि, इसे लेकर न तो तमन्ना और न ही उसकी टीम ने कोई बात कही है लेकिन इन आंकड़ों ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

खैर, इस खबर में कितनी सच्चाई है, यह तो तमन्ना जाने या फिर यह चर्चा फैलाने वाले, जिन्होंने इस खबर से फिल्मी गलियारे को गुलजार बना रखा है। हालांकि, इसे लेकर न तो तमन्ना और न ही उसकी टीम ने कोई बात कही है लेकिन इन आंकड़ों ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

तमन्ना की अगली फिल्में

तमन्ना पिछले कुछ समय के दौरान अजय देवगन की फिल्म'रेड2', श्रद्धा कपूर व राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री 2' और साऊथ सिनेमा के स्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' में अपने आईटम सॉन्ग्स से सुर्खियां बटोरने में कामयाब हुई है। फैन्स ने उसे इन गानों में काफी पसंद किया परंतु इनके साथ-साथ उसकी एक्टिंग को मिस किया है लेकिन जल्द ही वह यह कमी भी पूरी कर देगी क्योंकि साल 2026 में वह कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा है। तमन्ना की फिल्म 'ओ रोमियो' वैलेंटाइन वीक में 13 फरवरी को रिलीज होगी। इसमें उसके साथ तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर हैं । इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म का डायरैक्शन विशाल भारद्वाज ने किया है। 15 मई को तमन्ना की फिल्म 'विवान' रिलीज होगी। इसमें तमन्ना के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में है । यह एक थ्रिलर फिल्म है।

साल 2026 के आखिरी में तमन्ना की फिल्म 'रेंजर' आएगी । यह फिल्म 4 दिसम्बर को रिलीज की जाएगी । इस एक्शन एडवेंचर फिल्म में तमन्ना के साथ दो बड़े सुपरस्टार संजय दत्त और अजय देवगन नजर आने वाले हैं।

2026 में तमन्ना की एक और फिल्म आएगी, जिसका नाम है 'वी. शांताराम'। इसकी रिलीज डेट फाइनल नहीं हुई है। इस बायोपिक में तमन्ना फिल्ममेकर वी. शांताराम की दूसरी पत्नी और मशहूर एक्ट्रैस जयश्री का किरदार निभा रही है ।

'हक' देखने के बाद आलिया बनीं यामी गौतम की फैन लिखा- 'आप सोने के समान चमक रही है'

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म 'हक' देखी। आलिया को 'हक' बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं।

आलिया का पोस्ट

नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने 'हक' को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, 'अभी नेटफ्लिक्स पर 'हक' देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी।' आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है।

आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'क्वीन यामी गौतम, 'हक' में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म 'हक' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

2026 में किस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट?

आलिया भट्ट निर्देशक शिव रावेल की फिल्म 'अल्फा' में शरवरी और बॉबी देओल के साथ नजर आएंगी। इसकी रिलीज डेट अब 17 अप्रैल 2026 कर दी गई है। साथ ही वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी, जो 2026 में रिलीज हो सकती है।

राज करने आई हूं मैं: आयशा खान

आदित्य धर निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' को बॉक्स ऑफिस पर मिली जबरदस्त सफलता के बाद से फिल्म से जुड़े सभी कलाकार खुशी के मारे सातवें आसमान पर हैं। फिल्म का आईटम सांग 'शरारत' भी खूब लोकप्रिय हुआ है।

आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा पर फिल्माए गए इस गाने ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए यू-ट्यूब पर 100 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है । इस मौके पर आयशा ने एक वीडियो शेयर करके इमोशनल कैप्शन भी लिखी । उसने लिखा, * 100 मिलियन व्यूज ! ! ! दर्शकों से खचाखच भरे थिएटर में खुद को बड़े पर्दे पर देखना वाकई एक शानदार एक्सपीरियंस था। शरारत के लिए मुझे जो प्यार मिला है, वह बहुत ज्यादा खुश करने वाला है । मुझे 'शरारत' देने के लिए कास्टिंग डायरैक्टर छाबड़ा का बहुत-बहुत थैंक्यू ! लोगों की जिंदगी बदलते रहिए! आप भगवान के भेजे हुए हैं! और मुझ पर भरोसा करने के लिए आदित्य धर का भी थैंक्यू ! आप वाकई विजनरी मैन हैं।

आयशा ने अपने नोट में आगे लिखा, "मैं अपने दर्शकों से वादा करती हूं कि मैं राज करने आई हूं, और मुझे कोई नहीं रोक सकता । यह घमंड से नहीं, बल्कि उन चीजों में की गई मेरी कड़ी मेहनत से जाहिर होता है जिनसे मुझे है। मुझे अपने काम और सर्वशक्तिमान पर इतना भरोसा है कि मुझे पता है कि एक दिन मुझे वह सब कुछ मिलेगा जिसके लिए मैंने प्रार्थना की है ।

खुशकिस्मत हूं कि मेरे पास ऐसा परिवार है जो हर हाल में मेरा साथ देता है! मेरी रीढ़। मेरी ताकत । सर्वेश शशि को हर सुख-दुख में साथ देने के लिए स्पैशल थैंक्यू, शाहबाज खान आपका शुक्रिया । आपके बिना मैं कुछ भी नहीं हूं, शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं ।

अपने नोट के अंत में उसने लिखा, उम्मीद है 2026 हमारी लाइफ में कई अच्छी चीजें और कई सबक लेकर आएगा क्योंकि आयशा खान बिना थोड़े से ड्रामे के क्या है ?

बता दें कि फिल्म 'धुरंधर' में एक शादी समारोह में गीत 'शरारत' की कहानी बुनियाद बदलती है, जहां आयशा और क्रिस्टल कराची में आयोजित एक हाई- प्रोफाइल सैलिब्रेशन में डांसर की भूमिका निभा हैं । इस गाने का म्यूजिक शशवत सचदेव ने तैयार किया है, इसे मधुवंती बागची और जैस्मीन सैंडलस ने गाया है और विजय गांगुली ने नृत्य निर्देशन किया है।

'नई दुल्हन' के लिए जरूरी सीख

जब कोई लड़की युवावस्था में कदम रखती है, तो अपने आसपास बसे बसाए दांपत्य जीवन को देखकर उसके मन में भी विवाह को लेकर तरह-तरह की कल्पनाएं जन्म लेने लगती हैं। जैसे-जैसे शादी की उम्र नजदीक आती है, उसका दिल अनगिनत सपनों से भर जाता है - जीवनसाथी को लेकर, उसके परिवार को लेकर और आने वाले नए जीवन को लेकर । लेकिन विवाह के बाद जब वह नए घर की दहलीज पर कदम रखती है, तो सपनों के साथ-साथ मन में हल्की-सी आशंका भी होती है। उसे यह चिंता सताने लगती है कि वह इस नए माहौल में खुद को कैसे ढाल पाएगी।

जरूरी है कि वह हर कदम सोच-समझकर उठाए, परिस्थितियों को समझे और धैर्य के साथ रिश्तों को संभाले, ताकि परिवार के साथ सहज तालमेल बना सके ।

वित्तीय स्थिति के बारे में जानें : पति यदि बिजनैसमैन और बिजनैस अकेला देखता है तो उसकी आय के बारे में जानें ताकि आप मानसिक रूप से तैयार रहें कि आपको उसके हिसाब से ही खर्च करना है और भविष्य के लिए भी कुछ बचा कर रखना है ।

यदि आप और पति दोनों कामकाजी हैं, तब भी अपनी आय उन्हें बताएं और उनकी आय जानें क्योंकि आप दोनों को गृहस्थी चलानी है और भविष्य की योजनाएं बनानी हैं । यदि बिजनैस परिवार के साथ सांझा है, तो किस आधार पर कमाई का बंटवारा होता है, यह जानने का पूरा हक है। पति-पत्नी में अधिकतर झगड़े कुछ समय बाद रुपए-पैसों को लेकर ही होते हैं।

काम में सहयोग लें: आप भी कामकाजी हैं तो दोनों मोर्चे बिना मदद के संभालना कठिन है। ऐसे में आप जल्दी टूट जाएंगी। टूटने का अर्थ है परिवार में तनाव । संयुक्त परिवार में शादी करके जा रही हैं और नौकरी भी करती हैं तो शादी के शुरू में ही परिवार में उतनी मदद करें जितनी आप से आसानी से हो सके, नहीं तो पार्ट टाइम या फुल टाइम सर्वेन्ट रख कर परिवार में शांति बना कर रखें।

विवाह के बाद आपको पति के साथ कहीं दूसरे शहर में रहना है तो काम का बंटवारा कैसे करें, यह भावी पति से डिस्कस कर सकती हैं या विवाह के प्रारंभ में भी इस बारे में बात कर सकती हैं ताकि बाद में बेवजह झगड़ा न हो ।

तुलना से बचें : कभी भी दो परिवारों में तुलना न करें। इस बात का ध्यान रखें कि दोनों परिवारों की परिस्थितियां, रहन- सहन के तरीके, आय के साधन, परिवार में सदस्यों की संख्या अलग-अलग होने के कारण समानता होना कठिन होता है। यदि आपके मायने में किसी चीज पर दिल खोल कर खर्च होता हो और ससुराल में न होता हो तो इस बात का रौब न मारें । स्वयं को उस वातावरण में ढालने का प्रयास करें । मायका आपका अतीत था, यह वर्तमान है, इस बात को दिमाग में रखें।

गुस्सा काम सुधारता नहीं खराब करता है: परिवार में कुछ छोटी-मोटी बात हो जाती है और आपको वह बुरी लगती है और आप गुस्से में आकर कुछ भी निर्णय ले लें, तो यह गलत दिल है । गुस्से में लिया निर्णय प्रायः गलत होता है और बात को बिगाड़ देता है । फिर जीवन भर अफसोस करने से बेहतर है कि संभल कर निर्णय लें। बात की गहराई तक जाएं, मन शांत होने पर उस बात पर पुनर्विचार करें।

तैयार रहें : नए परिवार में यदि आपको शादी के बाद साथ रहना है या अलग, इस बात के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें। कई बार लड़कियां अकेले दूसरे शहर में जाते हुए घबराती हैं। अपने मन को तैयार रखें ताकि बाद में परेशानी न हो।

दोस्तों के बारे में बात करें : शादी के बाद आपके दोस्त घर आएं तो क्या ससुराल वालों को या आपके पति को यह पसंद है कि नहीं। यदि लव मैरिज हो तो अपने भावी पति से बात कर लें और यह भी पूछ लें कि उसके परिवार वाले आपत्ति 'तो नहीं करेंगे। अरेंज मैरिज में एक दो महीनों के अंदर पति से 'बात कर लें। दोस्ती अपनी जगह है और रिश्ते अपनी जगह । 'दोस्ती निभाने के लिए रिश्तों की कुर्बानी न में भलाई है।

जब दोनों अलग धर्म के हों : अलग धर्म के लोग जब 'शादी करने का फैसला ले लेते हैं तो इस बात को स्पष्ट कर लें 'कि ससुराल वालों को शादी के बाद आपको अपने धर्मस्थल पर जाने देने में कोई आपत्ति तो नहीं। थोड़े-बहुत आपके धर्म 'के त्यौहार वे मनाएंगे या नहीं, आपके धर्म को भी इज्जत की निगाह से देखेंगे या नहीं । बच्चा होने पर बच्चा कौन - सा धर्म अपनाए। ये बातें स्पष्ट कर लें ताकि शादीशुदा जीवन में जहर न घुले। पहले किसी भी परिवार के सदस्य के बारे में कोई पूर्व धारणा न बनाएं। उन्हें समझ कर फैसला लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, सालगिरह की तारीख याद रखें। छोटे-छोटे उपहार भी दें ताकि परिवार में अपनापन महसूस 'हो सके। संयुक्त परिवार में हैं और दोनों कामकाजी हैं, किसी कारणवश घर देर से आना हो तो सूचना परिवार में जरूर दें।

सास-ससुर को सम्मान दें, छोटे देवर या ननद हों तो उन्हें भरपूर प्यार दें। कभी-कभी उनके साथ पिकनिक या सिनेमा 'जाएं। सास-ससुर बीमार हों तो छुट्टी लेकर उनका ध्यान रखें। यदि आप नए घर में बेटी बनकर फर्ज निभाएंगी तो वे भी बेटी 'की तरह भरपूर प्यार देंगे।

मकर संक्रांत-लोहड़ी पर पहनें कुछ खास

लोहड़ी सिर्फ एक त्यौहार नहीं, बल्कि सर्दियों की गर्माहट, खुशियों और परंपराओं का जश्न है। अगर आप इस लोहड़ी पर डिजाइनर और स्टाइलिश आऊटफिट पहनने का प्लान बना रही हैं, तो हम आपके लिए कुछ आइडियाज लेकर आए हैं। लोहड़ी आऊटफिट्स में वैलवेट सूट, फुलकारी दुपट्टा, लहंगा और अनारकली सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। सही फैब्रिक, रंग और एक्सैसरीज के साथ आप इस लोहड़ी पर न सिर्फ ठंड से बचेंगी, बल्कि हर किसी का ध्यान भी खींच लेंगी।

वेलवेट डिजाइनर सूट - रॉयल और वार्म

सर्दियों के त्यौहार के लिए वैलवेट सबसे बैस्ट फैब्रिक माना जाता है। गहरे रंग जैसे मरून, वाइन, बॉटल ग्रीन, रॉयल ब्लू कैरी करें। फुल स्लीव कुर्ते के साथ हैवी दुपट्टा शानदार लगता है। यह आऊटफिट लोहड़ी की रात में आपको एलिगेंट और कम्फर्टेबल दोनों रखेगा।

फुलकारी दुपट्टे के साथ एथनिक सूट

लोहड़ी और फुलकारी का कॉम्बिनेशन कभी आऊट ऑफ फैशन नहीं होता। सिंपल कुर्ता-सलवार के साथ हैवी फुलकारी दुपट्टा कैरी करें। ब्राइट पंजाबी रंग जैसे पीला, गुलाबी, नारंगी लड़कियों को ज्यादा पसंद आता है। इसमें कॉटन सिल्क या ऊनी फैब्रिक चूज कर सकती हैं। ट्रैडिशनल पंजाबी टच के लिए ये बैस्ट चॉइस है।

वेलवेट या ऊनी लहंगा चोली

कुछ अलग और ग्रैंड पहनना चाहती हैं, तो वैलवेट लहंगा, फुल स्लीव चोली, शॉल स्टाइल दुपट्टा भी ट्राई कर सकती हैं। अलाव के पास फोटोशूट के लिए यह लुक बेहद खूबसूरत लगता है।

अनारकली सूट फैस्टिव ग्रेस -

डिजाइनर अनारकली सूट लोहड़ी पर खास पहचान दिलाते हैं। हैवीबॉर्डर और एम्ब्रॉयडरी वाला फुल फ्लेयर अनारकली सूट काफी शानदार लगता है। इसमें सिल्क या वैलवेट फैब्रिक भी चुन सकती हैं। यह लुक डांस और पूजा दोनों के लिए परफैक्ट है।

शरारा या गरारा सैट

अगर आप ट्रैंड के साथ चलना चाहती हैं तो शॉर्ट कुर्ता + शरारा/ गरारा पहन सकती हैं। इसमें वैलवेट या ब्रोकेड फैब्रिक चूज कर सकती हैं। इसमें कंट्रास्ट दुपट्टा ऐड कर सकती हैं। यह आऊटफिट यंग और फैस्टिव दोनों वाइब देता है।

डिजाइनर साड़ी (वैलवेट या सिल्क)

साड़ी पसंद करने वाली महिलाएं वैलवेट या बनारसी सिल्क साड़ी कैरी कर सकती हैं। इसे फुल स्लीव ब्लाऊज, शॉल या जैकेट के साथ लेयरिंग कर सकती हैं। साड़ी में भी गर्माहट और ग्लैमर दोनों मिलते हैं। एक्सैसरीज से पूरा करें लोहड़ी लुक झुमके या चांदबाली, रंगीन कंगन, बिंदी और सटल मेकअप, पंजाबी जूती या मोजड़ी ठंड के लिए स्टाइलिश शॉल कैरी करें। ध्यान रखें लोहड़ी पर वही पहनें जो आपको गर्म रखे और ट्रैडिशन की खूबसूरती दिखाए।

ओवरथिंकिंग से बढ़ता मानसिक तनाव, सही समय पर संयम और संतुलन बनाए रखना है जरूरी

अगर आपका ध्यान बार-बार भटक रहा है, दिमाग सुस्त लग रहा है और काम पर फोकस नहीं बन पा रहा, तो यह बिल्कुल सामान्य है। स्वाभाविक है कि इन्सानी दिमाग अनावश्यक विचारों में उलझ जाता है और आज की तकनीक इस समस्या को और बढ़ा देती है। जबकि सबसे अच्छा काम तभी होता है, जब हम किसी एक काम या विचार पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

तनाव की स्थिति में दिमाग डर से जुड़ी प्रतिक्रियाओं में फंस जाता है, जिससे सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है और हम भावनाओं में आकर फैसले लेने लगते हैं। इसलिए ध्यान और संतुलन बनाए रखने के लिए बाहरी और आंतरिक शोर को कम करना बहुत जरूरी है।

प्राथमिकता निर्धारित करें

केवल उच्च-प्रभाव वाले कार्यों पर ध्यान दें और गैर-जरूरी मांगों को न कहना सीखें। 25 मिनट तक पूरी तरह से काम करें और उसके बाद पांच मिनट का ब्रेक लें। लगातार काम को छोटे-छोटे चरणों में करने के बाद, जब ऐसे चार चरण पूरे हो जाएं, तो एक लंबा आराम लेना चाहिए। साथ ही छोटे-छोटे सूक्ष्म-रीसेट, जैसे धीमी सांस लेना या शरीर की हल्की मुद्रा बदलना अपनाएं, जिससे ध्यान और मानसिक संतुलन मजबूत होता है।

वातावरण में बदलाव

एक ऐसा समर्पित कार्यक्षेत्र बनाएं, जहां ध्यान भटकाने वाली चीजें कम हों और बाहरी शोर को यथासंभव नियंत्रित किया जा सके। आवश्यकता पड़ने पर शोर कम करने वाले हेडफोन का उपयोग करें और शोरगुल वाले स्थानों से दूरी बनाए रखें। साथ ही डिजिटल डिटॉक्स अपनाएं। फोन और कंप्यूटर पर गैर-जरूरी नोटिफिकेशन बंद करें और ईमेल या संदेशों को बार-बार - तुरंत देखने के बजाय दिन में तय समय पर ही जांचें, ताकि ध्यान और उत्पादकता बनी रहे।

संज्ञानात्मक रणनीतियां अपनाएं

एक साथ कई कार्य करने से बचें, क्योंकि इससे ध्यान भटकता है और कार्यक्षमता कम हो जाती है। एक समय में एक ही कार्य पर ध्यान दें और उसे पूरा करने के बाद ही अगले कार्य पर जाएं। जब मन कई चिंताओं और मांगों से भरा हो, तो उन्हें लिख लें। इससे आपका दिमाग साफ होता है और आप अपने वर्तमान काम पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही, एक नियमित दिनचर्या अपनाएं-जैसे कॉफी पीना या कार्यसूची की समीक्षा करना, जो मस्तिष्क को संकेत देती है कि अब ध्यान केंद्रित करने का समय है।

स्वयं की देखभाल

नींद की कमी से सोचने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है, इसलिए हर रात सात से नौ घंटे अच्छी नींद लेना जरूरी है। नियमित शारीरिक गतिविधि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बढ़ाती है, जिससे तनाव कम होता है। पर्याप्त पानी पिएं और पौष्टिक भोजन करें, क्योंकि मस्तिष्क को काम करने के लिए सही ऊर्जा चाहिए।

सहयोग पर टिके होते हैं पेशेवर रिश्ते, सही तरीके से निभाने पर बनते हैं भरोसेमंद और स्थायी

व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को पूरी तरह अलग रखने की बात अक्सर कही जाती है, लेकिन यह हमेशा सही नहीं होती। हम अपने सहकर्मियों के साथ बहुत ज्यादा समय बिताते हैं, इसलिए उनके साथ व्यक्तिगत जुड़ाव बनना स्वाभाविक है। यदि इन रिश्तों को संतुलन और समझदारी से निभाया जाए, तो वे विश्वास बढ़ाते हैं, सहयोग मजबूत करते हैं और काम को बेहतर बनाते हैं। इसलिए काम और रिश्तों को साथ लेकर चलना बेहतर प्रदर्शन और अधिक संतोषजनक जीवन का व्यावहारिक तरीका है।

शुरुआत व्यक्तिगत जुड़ाव से

नए पेशेवर रिश्ते अक्सर पहले व्यक्तिगत स्तर पर बनते हैं। ये साझा सोच, रुचियों और मूल्यों से जुड़कर आगे बढ़ते हैं, न कि किसी काम या फायदे से। इसलिए मजबूत पेशेवर संबंध बनाने के लिए पहले सामने वाले व्यक्ति को समझना और उससे जुड़ना जरूरी है।

जब रिश्ते सच्ची दोस्ती और आपसी मूल्यों पर आधारित होते हैं और बाद में काम के जरिये मजबूत होते हैं, तो भरोसा अपने-आप बनता है। ऐसे रिश्तों में सहयोग स्वाभाविक होता है और लंबे समय तक बना रहता है।

संतुलन से बनती है टिकाऊ दोस्ती

हर व्यक्ति के लिए मित्र का मतलब अलग होता है। कुछ लोग दोस्ती को सीमित रखते हैं, जबकि कुछ के लिए मित्र वह होता है, जिसके साथ समय बिताना अच्छा लगे। यह खुला नजरिया पेशेवर जीवन में भी आसानी से अपनाया जा सकता है। दोस्ती के भी अलग-अलग स्तर होते हैं, कुछ सहकर्मी ऐसे होते हैं, जिनसे कभी-कभार बात होती है, फिर भी रिश्ता अच्छा रहता है, जबकि कुछ करीबी दोस्त होते हैं, जिनसे नियमित बातचीत और गहरा भरोसा जुड़ा होता है। हर रिश्ते में समय और ध्यान अलग-अलग देना पड़ता है। जब इनका सही संतुलन बना रहता है, तो दोस्ती टिकाऊ बनती है।

रिश्तों से खुलते हैं नए रास्ते

व्यक्तिगत रिश्तों में पेशेवर अवसर देखना गलत नहीं है। अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले दोस्त आपको नए मौके, तकनीकें और नई सोच से परिचित करा सकते हैं। कोई पड़ोसी आपको किसी संभावित निवेशक से मिला सकता है, तो कोई पुराना मित्र किसी अहम फैसले में अलग नजरिया दे सकता है। परिवार के लोग भी कठिन पेशेवर समय में भावनात्मक सहारा बनते हैं।

छोटे कदम, गहरी मित्रता

मित्रता की नींव आपसी सहयोग पर होती है। किसी की मदद करना रिश्ते की शुरुआत और उसे गहरा करने का अच्छा तरीका है, क्योंकि इससे भरोसा और अपनापन बनता है। पहल करके आप वही मदद कर सकते हैं, जो सामने वाले के लिए उपयोगी हो और आपके लिए सहज भी।

साथ ही, जरूरत पड़ने पर मदद या सलाह मांगना भी जरूरी है, क्योंकि इससे आप दूसरे के अनुभव और ज्ञान का सम्मान करते हैं। सच्ची मित्रता लेन-देन से नहीं, बल्कि विश्वास और उदारता से बनती है। इसलिए देने से शुरुआत करें और मांगने में झिझक न करें। यही छोटे कदम जान-पहचान को गहरी दोस्ती में बदल देते हैं।

यूपीएससी परीक्षा केंद्र पर अब चेहरे से होगी उम्मीदवारों की पहचान, धोखाधड़ी की गुंजाइश कम

UPSC

संघ लोक सेवा आयोग

संघ लोक सेवा आयोग की सभी भर्ती परीक्षाओं में शामिल उम्मीदवारों की परीक्षा केंद्र पर चेहरे से पहचान की जाएगी। इसकी जानकारी शनिवार को अधिकारियों ने दी। उन्होंने कहा कि इससे परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और मजबूत होगी। आयोग की वेबसाइट पर एक नोट में यह लिखा है,यूपीएससी परीक्षा में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों की परीक्षा स्थल पर चेहरे की पहचान की जाएगी।

आयोग सरकारी नौकरियों के लिए विभिन्न भर्ती परीक्षाएं आयोजित करता है, जिनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय विदेश सेवा (IFS) और भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के अधिकारियों के चयन के लिए सिविल सेवा परीक्षा भी शामिल है।

यूपीएससी में AI-सक्षम चेहरे प्रमाणीकरण से तेज और सुरक्षित सत्यापन

यूपीएससी ने 14 सितंबर, 2025 को आयोजित एनडीए (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) और एनए (नौसेना अकादमी) द्वितीय परीक्षा, 2025 और सीडीएस (संयुक्त रक्षा सेवा) द्वितीय परीक्षा, 2025 के दौरान त्वरित और सुरक्षित उम्मीदवार सत्यापन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम चेहरे प्रमाणीकरण तकनीक का परीक्षण करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया।

पायलट कार्यक्रम गुरुग्राम के चुनिंदा केंद्रों पर चलाया गया, जहां उम्मीदवारों के चेहरे की छवियों का उनके पंजीकरण फॉर्म में जमा की गई तस्वीरों से डिजिटल रूप से मिलान किया गया। यूपीएससी अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा था कि नई प्रणाली ने सत्यापन समय को प्रति उम्मीदवार औसतन मात्र 8 से 10 सेकंड तक कम कर दिया, जिससे प्रवेश प्रक्रिया में काफी तेजी आई और सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जुड़ गई।

फोरेंसिक साइंस में ऑफिसर-असिस्टेंट भर्ती, 15 जनवरी अंतिम तिथि

दिल्ली सरकार के गृह विभाग के अंतर्गत आने वाली फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (FSL) ने वर्ष 2026 के लिए नई भर्ती निकाली है। इस भर्ती के तहत जूनियर साइंटिफिक ऑफिसर और जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट के कुल 45 पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 15 जनवरी 2026 को शाम 5:00 बजे तक एफएसएल रोहिणी स्थित कार्यालय के प्रमुख को व्यक्तिगत रूप से या पंजीकृत/स्पीड पोस्ट द्वारा अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट (जैवविज्ञान) पद के लिए उम्मीदवार के पास प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, सूक्ष्मजीव विज्ञान या फोरेंसिक विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा जिन उम्मीदवारों ने जैव प्रौद्योगिकी में बीई या बीटेक किया है, वे भी आवेदन कर सकते हैं। इस पद के लिए किसी भी तरह का अनुभव जरूरी नहीं है, इसलिए नए उम्मीदवार भी इसमें आवेदन कर सकते हैं।

कैसे होगा चयन?

दिल्ली एफएसएल भर्ती 2026 के तहत उम्मीदवारों का चयन एक तय प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। सबसे पहले प्राप्त आवेदन पत्रों की जाँच की जाएगी, जिसमें उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता और जरूरी दस्तावेज देखे जाएंगे। इसके बाद योग्यता और अनुभव के आधार पर योग्य उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

दिल्ली एफएसएल भर्ती 2026 के लिए चुने गए उम्मीदवारों का वॉक-इन इंटरव्यू एफएसएल, रोहिणी, दिल्ली में होगा। उम्मीदवारों को अपने तय इंटरव्यू वाले दिन सुबह 9:30 बजे तक पहुंच जाना होगा। 28 जनवरी 2026 को जेएसए के रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और साइबर फोरेंसिक विभाग तथा जेएसओ के रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान विभाग के इंटरव्यू होंगे। वहीं 29 जनवरी 2026 को बैलिस्टिक्स, भौतिकी विभाग, जेएसओ के बैलिस्टिक्स और भौतिकी विभाग के इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। इस भर्ती में चयन होने पर जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट (जेएसए) को हर महीने 42,632 रुपये का तय वेतन मिलेगा। जूनियर साइंटिफिक ऑफिसर (जेएसओ) को मौजूदा संविदा नियमों के अनुसार वेतन दिया जाएगा, जो पहले लगभग 68,697 रुपये प्रति माह था।

ईरान पर अमेरिका का हमला भारत के लिए कितना बड़ा खतरा? देश की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पडेगा

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)।ईरान में सरकार के खिलाफ पिछले कुछ हफ्तों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। लोग ईरान की खराब अर्थव्यवस्था और गिरती मुद्रा से बहुत नाराज हैं। इन प्रदर्शनों में 70 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। शुरुआत में लोग खाने-पीने की चीजों के बढ़ते दामों और देश में बहुत ज्यादा महंगाई से परेशान थे। लेकिन अब लोग सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। वहीं माना जा रहा है कि अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है।

ऐसा हुआ तो इसका असर भारत पर भी दिखाई देगा। ईरान में ये प्रदर्शन 28 दिसंबर से शुरू हुए थे और अब पूरे देश में फैल गए हैं। द न्यूयॉर्क पोस्ट ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से बताया है कि ट्रंप प्रशासन ईरान पर हमले के लिए शुरुआती योजना पर काम कर रहा है। इसमें ईरान में कई जगहों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले करने का ऑप्शन भी शामिल है। ट्रंप प्रशासन इस बात पर भी विचार कर रहा है कि ईरान में किन-किन जगहों पर हमला किया जाए। भारत और ईरान के बीच व्यापारिक रिश्ते काफी मजबूत हैं। पहले ईरान में विरोध-प्रदर्शन और बाद में अमेरिका का हमला भारत के लिए कुछ मुश्किलें पैदा कर सकता है।

आईएनएसटीसी भी अहम हिस्सा

ईरान में चाबहार बंदरगाह ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भी भारत की क्षेत्रीय व्यापार रणनीति का एक अहम हिस्सा है। यह एक मल्टी-मॉडल (कई तरह के परिवहन का इस्तेमाल करने वाला) व्यापार नेटवर्क है जो ईरान के जरिए भारत को रूस और यूरोप से जोड़ता है। यह लंबे और महंगे समुद्री रास्तों पर भारत की निर्भरता को कम करता है। ऐसे में चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी, दोनों ही प्रोजेक्ट भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

भारत की ईरान में बड़ी तैयारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चाबहार बंदरगाह की क्षमता को 1,00,000 टीईयूएस (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से बढ़ाकर 5,00,000 टीईयूएस करने का काम चल रहा है। बंदरगाह को ईरानी रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए चाबहार और जाहेदान के बीच 700 किलोमीटर ट्रैक बिछाने का काम भी पूरा किया जा रहा है।इन दोनों प्रोजेक्ट के साल 2026 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है।

दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध

वाणिज्य विभाग के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-ईरान द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.68 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसमें भारत ने 1.24 बिलियन डॉलर का निर्यात किया और 0.44 बिलियन डॉलर का आयात किया। ऐसे में भारत के लिए 0.80 बिलियन डॉलर का व्यापार अधिशेष (सरप्लस) रहा।

हाल के वर्षों में भारत ईरान के 5 सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक रहा है।

भारत से ईरान को मुख्य निर्यात वस्तुओं में चावल, चाय, चीनी, दवाएं, मानव निर्मित स्टेपल फाइबर, बिजली की मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं। ईरान से भारत के मुख्य आयात में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन, कांच के बने पदार्थ आदि शामिल हैं।

मोदी बोले-राजकोट को मिनी जापान बताने पर मेरा मजाक उड़ा

आज 2.50 लाख छोटे बिजनेस, यहां स्क्रू ड्राइवर से रॉकेट तक के पाट्र्स बनते हैं

राजकोट, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि भारत को दुनिया में मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने में सौराष्ट्र-कच्छ का बहुत योगदान है। राजकोट में 2.50 लाख से ज्यादा एमएसएमई हैं। यहां अलग अलग इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स में स्क्रू ड्राइवर से लेकर ऑटो पाट्र्स मशीन टूल्स, एयरोप्लेन, फाइटर प्लेन और रॉकेट तक के पॉट्र्स बनते हैं। इस दौरान पीएम ने अपने एक पुराने भाषण का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा-गुजरात का सीएम रहते हुए मैंने एक बार कहा था कि मोरबी, जामनगर और राजकोट एक दिन मिनी जापान बनेंगे। लोगों ने मजाक बनाया लेकिन आज हकीकत सबके सामने है। पीएम ने ये बातें मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में वाइब्रेंट गुजरात के सौराष्ट्र रीजनल का उद्घाटन करते हुए कहीं। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस 11 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। जापान, दक्षिण कोरिया, रवांडा और यूक्रेन के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं।

मोदी की स्पीच की 6 बड़ी बातें...

सपने से शुरू हुई यात्रा, भरोसे तक पहुंची: पीएम मोदी ने कहा- ये समिट 21वीं सदी के आधुनिक भारत की यात्रा है जो सपने से शुरू हुई और अटूट भरोसे तक पहुंच चुकी है। इस समिट के 10 एडिशन हो चुके हैं हर एडिशन के साथ ये और मजबूत हुई है। मैं इस समिट के पहले दिन से जुड़ा हूं।

समय के साथ इन्फ्लूजन का उदाहरण बन गई है: बीते दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात समिट ने लगातार कुछ नया और विशेष किया है। इसका फोकस अलग अलग क्षेत्रों में परफॉर्मेंस को बदलने का है। गुजरात के अलग अलग रीजन की अपनी ताकत है। ये समिट इन्हीं संभावनाओं पर फोकस कर रही है। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है।

भारत तीसरी इकोनॉमी बनने की दिशा में है: पीएम ने कहा मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक साफ है कि भारत से दुनिया की उम्मीदें बढ़ रही हैं। महंगाई काबू में हैं। एग्रीकल्चर प्रोडक्शन में नए रिकॉर्ड बना रहा है। मिल्क प्रोडक्शन में नंबर वन है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल डेटा कंज्यूमर: दुनिया में जो देश सबसे ज्यादा वैक्सीन बनाता है वो भारत है। पिछले 11 साल में भारत दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल डेटा कंज्यूमर बना है। हमारा यूपीआई है दुनिया का नंबर वन रियल टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन प्लेटफार्म बना है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा शिप ब्रेकिंग यार्ड यहां: दुनिया के एक तिहाई शिप यहीं पर रिसाईकिल होते हैं। भारत टाईल्स के बड़े प्रोड्यूसर्स में से एक है। इसमें मोरबी जिले का योगदान बहुत बड़ा है।

सौराष्ट्र और कच्छ ग्रीन ग्रोथ का हब: मोबालिटी और एनर्जी का यहां बड़ा हब बन रहा है। कच्छ में 30 गीगावॉट कैपेसिटी का रिन्यूबल एनर्जी पार्क बन रहा है। ये दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूबल एनर्जी पार्क होगा। ये पेरिस सिटी से पांच गुना बड़ा है।

न्यूक्लियर पॉवर सेक्टर में नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्मः भारत की पॉवर डिमांड बढ़ रही है। इसको देखते हुए न्यूक्लियर पॉवर सेक्टर में नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म किया है। इसलिए संसद के सत्र में शांति एक्ट के जरिए प्राइवेट पार्टनरशिप के लिए खोल दिया है। भारत की रिफॉर्म एक्सप्रेस अब रुकने वाली नहीं है। राजकोट समिट में 22 से अधिक देशों के लगभग 350 विदेशी प्रतिनिधि और गुजरात समेत देश भर से 5,000 से ज्यादा कारोबारियों के शामिल होने की उम्मीद है। समिट में 1,500 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स सभी मेहमानों का स्वागत करेंगे। वाइब्रेंट गुजरात के सफल मॉडल की पहुंच और प्रभाव को और अधिक बढ़ाने के लिए, पूरे राज्य में चार वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तर गुजरात क्षेत्र के लिए रीजनल कॉन्फ्रेंस का पहला एडिशन 9-10 अक्टूबर 2025 को मेहसाणा में हुआ था।

बिना बम-बारूद बनाए इस डिफेंस कंपनी ने किया मालामाल, 1 साल में दिया 70% का रिटर्न

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में अक्सर वही कंपनियां चर्चा में रहती हैं जो बड़े प्रोजेक्ट, बड़े ऑर्डर या भारी-भरकम विज्ञापनों के साथ नजर आती हैं. लेकिन कुछ कंपनियां ऐसी भी होती हैं जो चुपचाप देश के सबसे संवेदनशील मिशनों को संभालती हैं. न ये बम बनाती हैं, न मिसाइल दागती हैं, फिर भी इनके बिना डिफेंस, स्पेस और न्यूक्लियर प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सकते.

एमटीएआर टेक्नोलॉजीज ने पिछले एक साल में निवेशकों को करीब 70% का रिटर्न देकर सबका ध्यान खींचा है. बीते कुछ वर्षों में कंपनी की आय लगभग 28% की दर से बढ़ी है. शेयर की कीमत में भी 1 महीने में करीब 16% की बढ़त हुई है. एमटीएआर टेक्नोलॉजीज के शेयर ने पिछले साल में निवेशकों को करीब 70 फीसदी तक रिटर्न दिया है. ऑपरेटिंग मार्जिन 1520% के बीच बना हुआ है और कंपनी पर कर्ज भी बेहद कम है.एमटीएआर एक प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी है. यह आईएसआरओ के लिए क्रायोजेनिक फ्यूल सिस्टम, डिफेंस प्लेटफॉर्म्स के लिए खास एक्ट्यूएटर, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन के लिए अत्यंत संवेदनशील पुर्जे और ब्लूम एनर्जी जैसी ग्लोबल ग्रीन एनर्जी कंपनियों के लिए हाई-क्वालिटी कंपोनेंट बनाती है. इन प्रोजेक्ट्स

तक पहुंचना आसान नहीं होता. इसके पीछे सालों की टेस्टिंग, सख्त क्वालिटी चेक और लंबे समय में बना भरोसा होता है.एमटीएआर टेक्नोलॉजीज हथियार नहीं बनाती, लेकिन ऐसे अहम पुर्जे तैयार करती है, जिनमें जरा-सी चूक पूरे मिशन को रोक सकती है. यहां मैन्युफैक्चरिंग माइक्रॉन लेवल पर होती है. यानी इंसानी बाल से भी कई गुना छोटी हुई तो बड़ा नुकसान हो सकता है.

यही वजह है कि एमटीएआर आज भारत के स्पेस, डिफेंस, न्यूक्लियर और ग्रीन एनर्जी प्रोग्राम का भरोसेमंद हिस्सा बन चुकी है. एमटीएआर टेक्नोलॉजीज का काम बेहद नाजुक है. एमटीएआर की सबसे बड़ी ताकत इसकी सटीकता है. कई बार एक सही पुर्जा बनाने में महीनों लग जाते हैं. यही कठिनाई कंपनी के लिए एक तरह का सुरक्षा कवच भी है, क्योंकि हर कोई इस लेवल की इंजीनियरिंग नहीं कर सकता.

कभी सिगरेट का कश लेना ग्लैमरस माना जाता था, 70लाख करोड की इंडस्ट्री कैसे घोषित हुई जानलेवा?

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। 60-70 के दशक की बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों में आपने अभिनेता और अभिनेत्रियों को सिगरेट पीते हुए देखा होगा। उस दौर में सिगरेट पीना सिर्फ एक आदत नहीं थी, बल्कि यह ग्लैमरस का भी प्रतीक थी। अभी भी काफी फिल्मों में सेलिब्रिटी को सिगरेट के धुएं का छल्ला बनाए देखा जा सकता है। कई गाने भी सिगरेट पर हैं। लेकिन जैसे-जैसे समाज को स्मोकिंग के खतरों के बारे में पता चला, फिल्मों में भी इसे देखने का नजरिया बदल गया।

फिर एक समय आया कि सिगरेट पीने से होने वाले कैंसर के बारे में फिल्म शुरू होने से पहले चेतावनी दी जाने लगी, जो अभी भी आती है।

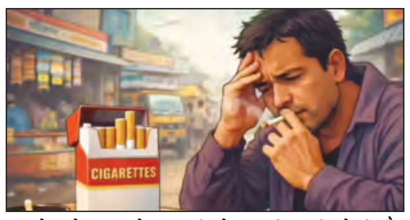

सिगरेट के डिब्बों पर भी चेतावनी छपी होती है। आज ही के दिन यानी 11 जनवरी 1964 में अमेरिका के डॉ. लूथर टेरी ने तंबाकू को कैंसर से जोड़ती एक रिपोर्ट जारी की थी। करीब 7000 वैज्ञानिक लेखों की समीक्षा के बाद, रिपोर्ट ने पहली बार आधिकारिक रूप से माना कि धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण है। इसके बाद ही सिगरेट पैकेटों पर चेतावनी अनिवार्य हुई और टीवी विज्ञापनों पर बैन लगा। इसने तंबाकू को 'ग्लैमरस' छवि से हटाकर 'जानलेवा' घोषित किया। 11 जनवरी 1964: लूथर टेरी की रिपोर्ट ने आधिकारिक तौर पर कहा कि धूम्रपान बीमारी और मौत का कारण बनता है, जिससे सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव पैदा हुआ। 1965: कांग्रेस ने संघीय सिगरेट लेबलिंग और विज्ञापन अधिनियम पारित किया । 1966: सिगरेट के पैकेटों पर पहली बार चेतावनी लेबल सावधानः सिगरेट पीना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। (सावधानः सिगरेट पीना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है) दिखाई दिया। 1970: सार्वजनिक स्वास्थ्य सिगरेट धूम्रपान अधिनियम ने टीवी और रेडियो पर सिगरेट के विज्ञापन पर बैन लगा दिया। दुनियाभर में सिगरेट की इंडस्ट्री का आकार करीब 770 अरब डॉलर (करीब 70 लाख करोड़ रुपये) है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म मोर्डोर इंटेलिजेंस के अनुसार इसमें सालाना 2.25 फीसदी की दर से तेजी आ रही है। साल 2031 में इस इंडस्ट्री का आकार करीब 821 अरब डॉलर हो सकता है। वहीं भारत की बात करें तो इसका आकार 29.2 अरब डॉलर (करीब 2.64 लाख करोड़ रुपये) है। साल 2034 में यह इंडस्ट्री 66 अरब डॉलर से ज्यादा की हो सकती है।भारत में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की कीमतें जल्द ही आसमान छूने वाली हैं।

363412.18 करोड स्वाहा... देश की 7 कंपनियों को बड़ा झटका, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई। इस गिरावट के चलते देश की टॉप 10 बड़ी कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 3,63,412.18 करोड़ रुपये कम हो गया। इस गिरावट में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा प्रभावित हुई। पूरे हफ्ते के दौरान, शेयर बाजार का मुख्य सूचकांक बीएसई सेंसेक्स, 2,185.77 अंक यानी 2.54 प्रतिशत नीचे आ गया। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने बताया कि पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका की तरफ से टैरिफ बढ़ाने की धमकी और दुनिया भर में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव थी, जिससे निवेशकों में डर बढ़ गया। टॉप-10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज , एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , भारती एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो जैसी कंपनियों का बाजार मूल्य घट गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्य में बढ़ोतरी हुई।रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप सबसे ज्यादा गिरा, जो 1,58,532.91 करोड़ रुपये घटकर 19,96,445.69 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 96,153.61 करोड़ रुपये कम होकर 14,44,150.26 करोड़ रुपये हो गया।भारती एयरटेल का मार्केट कैप 45,274.72 करोड़ रुपये गिरकर 11,55,987.81 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस को 18,729.68 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और इसका बाजार मूल्य 5,97,700.75 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 18,728.53 करोड़ रुपये घटकर 5,53,912.03 करोड़ रुपये हो गया। टी सीएस का बाजार मूल्य 15,232.14 करोड़ रुपये कम हुआ और यह 11,60,682.48 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।इंफोसिस का मार्केट कैप 10,760.59 करोड़ रुपये घटकर 6,70,875 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्य 34,901.81 करोड़ रुपये बढ़कर 10,03,674.95 करोड़ रुपये हो गया।हिंदुस्तान यूनिलीवर में 6,097.19 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,57,734.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।भारतीय स्टेट बैंक मार्केट कैप 599.99 करोड़ रुपये बढ़कर 9,23,061.76 करोड़ रुपये हो गया।

ऑफिस के काम में इंसानों को पीछे छोड़ देगा एआई

ओपनएआई असली कामकाज से ट्रेंड कर रहा नया एआई मॉडल, नौकरियां जा सकती है

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव होने जा रहा है। ये सीधे तौर पर ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियों पर असर डाल कर सकता है। वायर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई एक एडवांस सिस्टम तैयार कर रही है। ये ऑफिस के रोजमर्रा के लगभग हर काम को इंसानों से ज्यादा सटीक और बेहतर तरीके से करने में खुद-ब-खुद सक्षम होगा।

इंसानों के असली कामकाज के डेटा से ट्रेनिंग दी जा रही

इस मॉडल को तैयार करने के लिए ओपनएआई इंसानों के असली कामकाज के डेटा का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने इसके लिए 'हैंडशेक एआई' कंपनी के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत अलग-अलग प्रोफेशन के कॉन्ट्रैक्टर्स से उनके पुराने और मौजूदा ऑफिस वर्क का डेटा जुटाया जा रहा है। इससे एआई सीखेगा कि असल दुनिया में टास्क कैसे पूरे किए जाते हैं।

ओपनएआई ने कॉन्ट्रैक्टर्स से दो तरह का डेटा मांगा है...

टास्क रिक्वेस्टः मैनेजर या सहकर्मी की ओर से दिया गया वह निर्देश जिसमें किसी काम को करने के लिए कहा गया हो।

टास्क डिलिवरेबलः उस निर्देश के जवाब में तैयार किया गया असली काम। इसमें वर्ड फाइल, पीडीएफ, पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, एक्सेल शीट या इमेज जैसे असली डॉक्यूमेंट्स शामिल हैं। कंपनी ने कॉन्ट्रैक्टर्स से कहा है कि वे उन जटिल कामों का डेटा दें जिन्हें पूरा करने में घंटों या दिनों का समय लगता है। ओपनएआई यह देखना चाहता है कि उसके ट्रेंड किए गए नए एआई मॉडल्स इंसानों के मुकाबले कितने बेहतर तरीके से काम कर सकते हैं।

कंपनी ने डेटा सिक्योरिटी का भी ध्यान रखा है

कॉन्ट्रैक्टर्स को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि डेटा अपलोड करने से पहले वे 'प्रोपराइटरी' (कंपनी की निजी) और 'पर्सनली आइडेंटिफिएबल' (पहचान बताने वाली) जानकारी को हटा दें।

अमेरिका से ट्रेड डील हो या ना, भारत ने बढ़ा दिए दूसरी तरफ कदम, क्या सही साबित होगा फैसला?

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अभी तक नहीं हो पाई है। दोनों देशों का प्रयास है कि इसे जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए भारत अपने निर्यातकों को नए बाजार खोलने के लिए दूसरे देशों के साथ तेजी से व्यापार समझौते करने की कोशिश कर रहा है। पिछले साल अगस्त में भारत और अमेरिका के रिश्तों में तब खटास आ गई थी, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। इस टैरिफ से नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है और भारत की मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा को भी ठेस पहुंची है। एक्सपर्ट

का कहना है कि इस दबाव के कारण ही भारत अपने सबसे बड़े बाजार अमेरिका से आगे बढ़कर अपने व्यापारिक रिश्तों में विविधता लाने पर मजबूर हुआ है।

पिछले साल लगाया चौका

भारत ने पिछले साल चार व्यापार समझौते किए या उन्हें लागू किया। इनमें ब्रिटेन के साथ एक बड़ा समझौता भी शामिल है। यह पिछले कई सालों में सबसे तेजी से हुए समझौतों में से एक है। अब भारत नए समझौतों की ओर भी देख रहा है। यूरोपीय संघ , यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन, मेक्सिको, चिली और दक्षिण अमेरिकी व्यापार समूह मर्कूसर के साथ या तो नए समझौते करने के लिए या मौजूदा समझौतों को बढ़ाने के लिए बातचीत चल रही है।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

नई दिल्ली स्थित ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अजय श्रीवास्तव का कहना है कि अगर ये बातचीत सफल होती है, तो भारत के लगभग हर बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ व्यापारिक समझौते होंगे। श्रीवास्तव के अनुसार, 2025 व्यापार समझौतों के लिए सबसे सक्रिय सालों में से एक रहा है। उनका मानना है कि इन समझौतों का मकसद वाशिंगटन से दूरी बनाना नहीं, बल्कि टैरिफ के असर को कम करना है।

निर्यात के नए रास्ते खोजना जरूरी

अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े टैरिफ का एक कारण भारत का रूस से तेल खरीदना है। अमेरिका का कहना है कि यह तेल खरीद रूस के यूक्रेन पर हमले को बढ़ावा देती है। इसी वजह से भारत अब दूसरे बाजारों को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	धनु	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
धनु.....	04-56	बजे
मकर....	07-02	बजे
कुंभ....	08-52	बजे
मीन....	10-31	बजे
मेष.....	12-07	बजे
वृष....	13-51	बजे
मिथुन..	15-53	बजे
कर्क....	18-04	बजे
सिंह---	20-17	बजे
कन्या--	22-23	बजे
तुला---	00-28	बजे
वृश्चिक..	02-38	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्योदय 06-52
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष, सूर्यास्त. 17-55
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष सोमवार 12 January 2026
तिथि - नवमीं 12-43 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - स्वाति 21-05 तक उप विशाखा
योग - धृति 18-12 तक उप. शूल
करण - गर 12-43 तक उप. वणिज

स्वामी विवेकानंद जन्म
शुक्र मकर 20-50 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
08-14
09-35

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
अमृत	06-52 - 08-14	शुभ
काल	08-14 - 09-37	अशुभ
शुभ	09-37 - 11-01	शुभ
रोग	11-01 - 12-25	अशुभ
उत्पात	12-25 - 13-48	अशुभ
चंचल	13-48 - 15-12	शुभ
लाभ	15-12 - 16-35	शुभ
अमृत	16-35 - 17-55	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	17-55 - 19-35	शुभ
रोग	19-35 - 21-12	अशुभ
काल	21-12 - 22-48	अशुभ
लाभ	22-48 - 00-25	शुभ
उत्पात	00-25 - 02-01	अशुभ
शुभ	02-01 - 03-38	शुभ
अमृत	03-38 - 05-14	शुभ
चंचल	05-14 - 06-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है ।ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
खुशियाँ मनाने का समय है ।आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी ।आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

14 राज्यों में वॉन्टेड भोपाल का 'रहमान डकैत' गिरफ्तार

देशभर की पुलिस को 20 साल चकमा दिया, लग्जरी कार और अरबी घोड़ों का शौकीन

भोपाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर की पुलिस के लिए दो दशक से सिरदर्द बना भोपाल का कुख्यात अपराधी आबिद अली उर्फ राजू उर्फ 'रहमान डकैत' आखिरकार सूरत क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ गया।

भोपाल के कुख्यात 'ईरानी डेरा' से पूरे देश में अपराध का नेटवर्क चलाने वाला यह गैंगस्टर 14 राज्यों में सक्रिय गिरोहों का सरगना बताया जा रहा है। सूरत के लालगेट इलाके में गुप्त ऑपरेशन के तहत उसे बिना गोली चलाए गिरफ्तार किया गया।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी 20 साल से नकली सीबीआई अधिकारी, साधु-बाबा के वेश में लूट, धोखाधड़ी, हिंसक वारदात और जिंदा जलाने के प्रयास जैसे

गंभीर अपराधों को अंजाम देता रहा। महाराष्ट्र में उस पर एमसीओसीए जैसे सख्त कानून के तहत भी केस दर्ज है।

डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि इनपुट मिला था कि भोपाल निवासी राजू ईरानी सूरत में किसी बड़ी वारदात की फिराक में आया है। इसी सूचना पर क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाकर उसे दबोच लिया। आरोपी 13-14 साल से भोपाल की अमन नगर कॉलोनी में रह रहा था और छह अलग-अलग गैंग ऑपरेट कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, राजू ईरानी और उसका भाई जाकिर अली लूट के पैसों से लग्जरी कारें, महंगी स्पोर्ट्स बाइक और अरबी घोड़े पालने का शौक पूरा करते थे। इलाके में उनका रुतबा किसी 'डॉन' जैसा था।

जब भी पुलिस दबिश देने पहुंचती, गैंग घर की महिलाओं और बच्चों को आगे कर देता था और मुख्य आरोपी पीछे के रास्तों से फरार हो जाता था। दिसंबर में भोपाल पुलिस ने 150 जवानों के साथ कॉम्बिंग की थी, तब भी वह इसी तरह बच निकला था।

पुलिस ने बताया कि जो भी व्यक्ति गैंग की जानकारी देता था, उसे जान से मारने की धमकी दी जाती थी। एक मामले में मुखबिर को परिवार सहित घर में बंद कर जिंदा जलाने का प्रयास किया गया था। इसी केस में आरोपी लंबे समय से फरार था।

गैंग के सदस्य सफारी सूट पहनकर खुद को सीबीआई या वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताते थे। बुजुर्गों और अकेले लोगों को रोककर सोने-चांदी के जेवर 'सुरक्षा जांच' के नाम पर उतरवा लेते और मौका पाकर फरार हो जाते थे। कई बार साधु-बाबा बनकर भी लोगों को ठगा गया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी हरियाणा, यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत 14 राज्यों में लूट, ठगी और संगठित अपराध के मामलों में वॉन्टेड है। दिल्ली क्राइम ब्रांच में वह 2022 से ठगी के एक बड़े केस में भी फरार चल रहा था।

बीजेपी आलाकमान ने चला बड़ा दांव

जुएल ओराम को बनाया झारखंड का निर्वाचन पदाधिकारी, करेंगे ये बड़ा काम

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया को ध्यान रखते हुए बड़ा कदम उठाया है. बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने वरिष्ठ आदिवासी नेता और केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम को झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चयन की देखरेख की जिम्मेदारी दी है. उन्हें झारखंड का निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है. पार्टी के नेशनल रिटर्निंग ऑफिसर डॉ के लक्ष्मण ने इसे लेकर विज्ञप्ति जारी कर दिया है.

झारखंड प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव पर रखेंगे निगरानी

जुएल ओराम प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव पर निगरानी रखेंगे. इसके अलावा वे झारखंड से

राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के चयन की प्रक्रिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. पार्टी आलाकमान चुनाव को समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है. फिलहाल झारखंड बीजेपी की कमान पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी पर है. नये प्रदेश की नियुक्ति के लिए लंबे समय से कवायद चल रही है. निर्वाचन पदाधिकारी के बाद तैयारियां और तेज जाएगी. जिलों से लेकर मंडल स्तर तक आवश्यक निर्देश पहले ही भेजे जा चुके हैं.

जुएल ओराम का है लंबा राजनीतिक अनुभव

केंद्रीय नेतृत्व के इस फैसले को संगठनात्मक संतुलन और आदिवासी नेतृत्व को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. जुएल ओराम का लंबा राजनीतिक अनुभव और संगठन पर मजबूत पकड़ को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है.

बिहार की तर्ज पर हमारी मंईयां को भी दें 10 हजार

झारखंड ने केंद्र से की मांग

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र की बजट पूर्व चर्चा बैठक में झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भाग लिया. मौके पर उन्होंने राज्य के समग्र विकास के लिए सुझाव देते हुए वित्तीय मांगें रखीं. दिल्ली में उनके द्वारा केंद्र के समक्ष मांग पत्र प्रस्तुत किया गया. श्री किशोर ने बिहार की तर्ज पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत झारखंड की मंईयां को भी कुटीर उद्योग के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का आग्रह किया. उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य सरकार लगभग 51 लाख महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह सहायता दे रही है. मांग पत्र में सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन दूर करने, खनन क्षेत्रों में सामाजिक योगदान सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने व बुनियादी ढांचे को गति देने पर विशेष फोकस किया गया.

केंद्र सरकार से व्यापक आर्थिक पैकेज, बुनियादी ढांचे के विकास, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यटन विस्तार के लिए विशेष सहायता मांगी गयी है.

संसाधनों का समुचित लाभ नहीं मिल सका

श्री किशोर ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर भी झारखंड को बिहार की तुलना में संसाधनों का समुचित लाभ नहीं मिल सका है. खनन से होनेवाली भारी आय के बाद भी स्थानीय क्षेत्रों का विकास प्रभावित रहा है. उन्होंने केंद्र सरकार से झारखंड की जरूरतों और पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए विशेष सहयोग देने की जरूरत बतायी.

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने जीएसटी लागू होने पर राज्य को हो रहे 4,000 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान की भरपाई की मांग की. साथ ही, उन्होंने कोल कंपनियों पर बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये का तत्काल भुगतान करने और एफआरबीएम एक्ट के तहत ऋण सीमा को तीन से बढ़ाकर चार फीसदी करने का आग्रह किया. राज्य में सुरक्षा और शांति के लिए उग्रवाद विरोधी अभियानों के लिए अगले पांच वर्षों तक विशेष केंद्रीय सहायता और एसआरइ के तहत राशि देने की मांग की.

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में कैंसर उपचार के लिए रांची, पलामू और दुमका सहित सभी जिला अस्पतालों में पेट-सिटी स्कैन मशीन समेत अन्य आधुनिक मशीन लगाने की आवश्यकता है. इसके लिए केंद्र को बजट में आवश्यक प्रावधान करने की जरूरत है. मौके पर कहा गया कि झारखंड में अगले चार वर्षों में एक लाख हेक्टेयर खेतों में सिंचाई क्षमता का सृजन करने की योजना है. राज्य में सिंचाई विस्तार के लिए केंद्र प्रतिवर्ष 2000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये.

बागबाहरा धान संग्रहण केंद्र में करोड़ों का घोटाला

3.65% शॉर्टेज पर 5.71 करोड़ रुपये का गबन

महासमुंद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महासमुंद जिले के बागबाहरा धान संग्रहण केंद्र में वर्ष 2024-25 के दौरान धान शॉर्टेज के नाम पर करोड़ों रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। यह भ्रष्टाचार धान की प्राप्त मात्रा और प्रदाय मात्रा में भारी अंतर के चलते हुआ है। संग्रहण केंद्र प्रभारी ने लगभग 3.65 प्रतिशत धान का शॉर्टेज दिखाकर शासन को लगभग 5 करोड़ 71 लाख रुपये के घोटाले का शिकार बनाया है।

प्रशासन धान संग्रहण केंद्रों में धान को सुरक्षित रखने के लिए मार्कफेड के माध्यम से कर्मचारियों की तैनाती, परिवहन भाड़ा, हमाली और अन्य सुरक्षा सामग्री पर लाखों रुपये खर्च करता है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संग्रहण केंद्र में धान आने के बाद

उसकी मात्रा में कोई कमी न आए और धान पूरी तरह सुरक्षित रहे। इसके बावजूद, प्रभारियों की चालाकी से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये के धान गायब हो जाते हैं। धान की मात्रा में कमी के लिए कीट, पतंगों, चूहे, जानवरों और मौसम का हवाला दिया जाता है, जिससे बड़ी चतुराई से घोटाले को अंजाम दिया जाता है।

बागबाहरा धान संग्रहण केंद्र में सत्र 2024-25 में समितियों द्वारा 12 लाख 63 हजार 644 बोरा धान प्राप्त हुआ था, जो 4 लाख 98 हजार 193 क्विंटल 38 किलोग्राम के बराबर था। वहीं, प्रभारी ने 8 हजार 601 क्विंटल धान का सीपेज और 18 हजार 433 क्विंटल 15 किलोग्राम का शॉर्टेज दिखाकर करीब 5 करोड़ 71 लाख रुपये के धान का घोटाला किया है। यह कुल आवक का लगभग 3.65 प्रतिशत है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव ने 12 दिसंबर 2025 को एक पत्र जारी कर धान संग्रहण केंद्रों में 1 प्रतिशत से अधिक की कमी पर केंद्र प्रभारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। 1 प्रतिशत की कमी पर कारण बताओ नोटिस, 1% से 2% पर विभागीय जांच और 2% से अधिक की कमी पर त्वरित निलंबन और आपराधिक कार्रवाई के निर्देश थे। इसके बावजूद, 3.65 प्रतिशत शॉर्टेज होने पर भी बागबाहरा धान संग्रहण केंद्र में प्रशासन की ओर से अब तक कोई कार्रवाई न होना, प्रभारी के हौसले को बढ़ावा दे रहा है। इससे अगले सत्र 2025-26 में और भी बड़े घोटाले की आशंका जताई जा रही है। इस मामले में अब कांग्रेस सरकार को घेर रही है। पार्टी का आरोप है कि जिन संग्रहण केंद्रों को कांग्रेस सरकार ने इन्हीं शिकायतों के कारण बंद किया था, उन्हें बीजेपी ने कट, कमीशन और भ्रष्टाचार के लिए फिर से शुरू किया है, जिसका नतीजा अब सामने आ रहा है।

पति के मर्डर की गवाह महिला की हत्या

2023 में पति की भी गोली मारकर हत्या हुई थी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के शालीमार बाग में शनिवार सुबह 52 साल की रचना यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रचना 2023 में अपने पति की हत्या के मामले में मुख्य गवाह थीं। परिवार के मुताबिक, रचना एक पड़ोसी के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रही थीं।

घर के पास हाथ-पैर धोते समय हमलावरों ने उन्हें बेहद नजदीक से सिर पर गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। रचना शालीमार बाग की रहने वाली थीं और अपने इलाके की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) की अध्यक्ष भी थीं।

इससे पहले, 2023 में रचना के पति और प्रॉपर्टी डीलर बिजेंद्र यादव की आपसी रंजिश में गोली मारकर हत्या की गई थी। बिजेंद्र यादव भलस्वा गांव में एक बेकरी के बाहर दोस्तों के साथ बैठे हुए थे, जब हमलावरों ने उन पर करीब छह राउंड फायरिंग की थी।

पुलिस ने बताया कि उन्हें रचना की हत्या की सूचना सुबह करीब 11 बजे पीसीआर कॉल के जरिए मिली। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने रचना को सड़क पर खून से लथपथ पाया। घटनास्थल से एक खाली कारतूस भी बरामद किया गया।

क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। आसपास और पीड़ित के घर में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जांच में सामने आया कि हमलावरों ने रचना को रोका। उनमें से एक ने उनका नाम पूछा और फिर पिस्टल निकालकर सिर में गोली मार दी।

पुलिस के मुताबिक, रचना को सिर में करीब से गोली मारी गई थी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना का एक सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसमें दो हमलावर पहले से मौके पर घात लगाकर बैठे दिखे।

एक आरोपी दिल्ली रजिस्टर्ड नंबर वाली स्पोर्ट्स बाइक लेकर घटनास्थल के पास इंतजार कर रहा था। दूसरे आरोपी ने फायरिंग की और साथी के साथ बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

13.34 लाख का गांजा बरामद

एमपी लेकर जा रहे दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

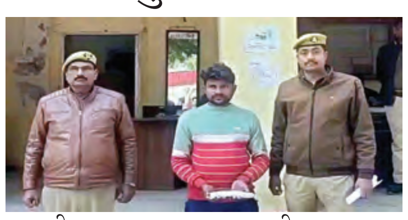

कबीरधाम, 11 जनवरी (एजेंसियां)।कबीरधाम पुलिस ने गांजा सप्लाई को लेकर बड़ी कार्रवाई किया है। जिले के बोड़ला थाना पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिन्हे जेल भेजा जा रहा है। बोड़ला एसडीओपी अखिलेश कौशिक ने बताया कि गांजा की कुल मात्रा 26.860 किलो है, जिसकी कीमत 13 लाख 34 हजार रुपए, जिस वाहन में गांजा को एमपी ले जाया जा रहा था, उस बोलेरो वाहन की कीमत 12 लाख रुपए है। दोनों तस्कर बोलेरो वाहन में विशेष रूप से बनाए गए सीक्रेट चैंबर में गांजा के 25 पैकेट छिपाकर तस्करी कर रहे थे। पकड़े गए आरोपी का नाम लाला चर्मकार पिता कामता प्रसाद चर्मकार उम्र 31 वर्ष व राधिका मल्ला पिता रामचंद्र मल्ला उम्र 28 वर्ष दोनों निवासी ग्राम जवा थाना जवा जिला रीवा मध्य प्रदेश है। बताया जा रहा है कि ये आरोपी गांजा को ओड़िसा से लेकर एमपी जा रहे थे। इस बीच बोड़ला पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। आरोपियों से पूछताछ व आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

कार पलटने से दो युवकों की मौत

दो युवतियां गंभीर रूप से घायल

अम्बिकापुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के अंबिकापुर में मणिपुर थाना क्षेत्र के हर्राटिकरा इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि कार में सवार अन्य दो युवक भी चोटिल हुए हैं।

दुर्घटनाग्रस्त कार में कुल छह लोग सवार थे। मृतकों की पहचान कार चालक विशाल तिर्की और उसके दोस्त अंजित कुजूर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विशाल तिर्की एक शिक्षिका का बेटा था और वह अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान यह दुखद घटना घटी।

हादसे में घायल हुई युवतियों की पहचान निकिता कुजूर और तारा कुजूर के रूप में हुई है, जो कॉलेज की छात्राएं हैं। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में सवार वाहन मालिक आर्यन कुजूर और अनिमेष तिर्की भी इस दुर्घटना में घायल हुए हैं।

कार में सवार दोनों युवतियां अंबिकापुर के एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थीं और वे सीतापुर व बगीचा क्षेत्र की रहने वाली हैं। वहीं, कार में सवार दो युवक मध्य प्रदेश के भोपाल और जबलपुर के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि दो अन्य युवक अंबिकापुर के ही रहने वाले थे।

पुलिस का कहना है कि सभी युवक-युवतियां सेमरडांड की ओर से लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि सभी शराब के नशे में थे। इसी दौरान हर्राटिकरा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार में पलट गई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही मणिपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

पत्नी-बुआ पर पेट्रोल डालकर लगाई आग

मंदसौर में पति ने कोर्ट से लौटकर की वारदात

पीड़िता बोली- बंदूक दिखाकर धमकाया

"मैंने पुलिस को बताया था वो मार डालने की धमकी दे रहा है। उसे पकड़ने के लिए अर्जी लगाई, लेकिन सुवासरा पुलिस ने एक नहीं सुनी।

रामसिंह
ममता के पिता

मंदसौर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पीपलखूंटा में शनिवार शाम करीब 6 बजे एक शख्स ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जब उसकी बुआ बचाने पहुंचीं, तो आरोपी ने उन पर भी पेट्रोल डालकर आग लगा दी। दोनों महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं और जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती हैं।

पीड़िता ममता (35) ने बताया कि उसने अपने पति राजूनाथ (40) के खिलाफ नवंबर 2024 में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया था।

आरोप है कि पति ने 5 लाख रुपए की मांग की थी। रकम नहीं मिलने पर घर में आए दिन विवाद और मारपीट होती थी।

इसी केस की 9 जनवरी को सीतामऊ कोर्ट में सुनवाई हुई थी। पेशी के बाद ममता अपनी बुआ कासूबाई (60) के घर पीपलखूंटा गांव चली गई थी। महिला के मुताबिक इस मामले में 2 से 3 बार कोर्ट में पेशी हो चुकी है। ममता पिछले करीब एक साल से पति से अलग रह रही थी।

तुम यादव हो, कहकर 12 इंच लंबी चोटी उखाड़ी

युवक बोला- सात साल से रखी थी

थाने में पुलिस ने कहा- डस्टबिन में डाल दो

रीवा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मैं ब्राह्मण हूं और तुम यादव हो। तुम्हें चोटी रखने का कोई अधिकार नहीं... कहते हुए उसने मेरी 12 इंच लंबी चोटी उखाड़ दी। ये आरोप रीवा जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के मझिगवां गांव में रहने वाले रोहित यादव ने एक ब्राह्मण युवक पर लगाए हैं। उसने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

"आरोपी दीपक ने धमकी देते हुए कहा था- मैं यूं ही खुलेआम घूमता रहता हूं, तेरे जैसा आदमी मेरा क्या बिगाड़ लेगा। इस बार तुझे कोई नहीं बचा पाएगा। तेरे साथ ऐसा ही करूंगा।

रोहित यादव
पीड़ित

रोहित ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि दीपक पांडेय ने उसे पीटा, गालियां दीं और सात साल से रखी हुई चोटी भी उखाड़ दी। साथ ही कहा कि आज चोटी रखोगे, कल कथा करने जाओगे। रोहित का यह भी आरोप है कि उसने पुलिस को चोटी दिखाई तो मुंशी ने कहा- इसे डस्टबिन में डाल दो।

पीड़ित रोहित ने बताया कि उसने यह चोटी सनातन धर्म और हनुमान जी की उपासना के कारण रखी थी। चोटी उखाड़ने की घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश है। सरपंच ने इसे शर्मसार कर देने वाली घटना बताया है। शिकायतकर्ता रोहित यादव ने बताया कि वो सीवर लाइन प्रोजेक्ट में ड्राइवर और हेल्पर का काम करता है। अलग-अलग जगहों पर जाकर सीवर लाइन बिछाता है। उसने बताया कि मुख्य मार्ग में सड़क किनारे काम चल रहा था। जब वह मशीन में डालने के लिए पेट्रोल निकाल रहा था, तभी दीपक पांडेय पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया और पीटना शुरू कर दी।

दीपक ने जातिसूचक गालियां देते हुए कहा कि तेरा चेहरा देखकर लगता है तू छोटी जाति से है। तू चोरी कर रहा है और ब्राह्मण न होते हुए भी इतनी लंबी चोटी रखी है। तुझे चोटी रखने का कोई अधिकार नहीं है।

रोहित के अनुसार, आरोपी ने यह भी कहा कि "आज चोटी रखोगे, कल कथा करने जाओगे।" यह कहते हुए उसने पीड़ित के ऊपर पैर रखा और पूरी ताकत से उसकी चोटी खींच ली, जिससे चोटी उखड़ गई। इसके बाद भी आरोपी नहीं रुका और मारपीट करता रहा। अब कहीं भी आने-जाने पर डराता और धमकाता है। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद उसने गांव के लोगों से जानकारी ली, तब आरोपी का नाम दीपक पांडेय सामने आया।

जहां नदी-नाले नहीं, वहां भी बने दिखाए घाट

घोटाले के आरोपी अधिकारी को प्रमोशन

जैसी पोस्टिंग, रिश्वत लेते भी पकड़ा जा चुका है

खंडवा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बहुचर्चित घाट घोटाले के मुख्य आरोपी काशीराम कानूडे की खंडवा में वापसी हो गई है। उसे जिला पंचायत में एडिशनल सीईओ नियुक्त किया गया है, जो सीईओ के बाद दूसरा सबसे अहम पद माना जाता है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जिला पंचायत में घाट घोटाले की जांच चल रही है, उसी कार्यालय में मुख्य आरोपी को पदस्थ कर दिया गया है।

कानूडे पर इस घोटाले में 58 लाख रुपए से अधिक की रिकवरी बाकी है। इसके बावजूद उसकी इस अहम पद पर तैनाती ने प्रशासनिक हलकों में सवाल खड़े कर दिए हैं।

घाट घोटाले का मामला वर्ष 2020 के कोरोना काल से जुड़ा है। उस समय पुनासा जनपद की पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत घाट निर्माण कार्य कराए गए थे। शिकायत मिलने पर जब जांच हुई तो सामने आया कि कई स्थानों पर नदी-नाले या पानी तक मौजूद नहीं था। फिर भी कागजों में घाट बना दिए गए।

इस मामले में तत्कालीन जनपद सीईओ काशीराम कानूडे, सहायक इंजीनियर, इंजीनियर और 62 ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिवों के खिलाफ गबन का केस दर्ज किया गया था।

जांच में काशीराम कानूडे को मुख्य आरोपी मानते हुए उन पर 58 लाख 64 हजार 838 रुपए की रिकवरी तय की गई थी। इसके अलावा बाद में सीईओ बनी स्वर्णलता काजले पर 1.40 लाख रुपए, तत्कालीन सहायक इंजीनियर दिलीप कैथवास पर 18.36 लाख रुपए और इंजीनियर श्वेताली लुक पर 41.68 लाख रुपए की रिकवरी तय की गई थी।

घाट घोटाले की जांच की मौजूदा स्थिति को लेकर जिला पंचायत की मनरेगा शाखा की इंचार्ज किरण बारसे ने किसी भी तरह की जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने साफ कहा, "घाट घोटाले की जांच के बारे में मैं कुछ नहीं बता सकती, मैं इस विषय पर बात नहीं करना चाहती।"

होटल में रुके काशीपुर के युवक ने गोली मारकर की आत्महत्या, कमरे में पत्नी व बेटे को लगे छर्रे

हल्द्वानी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ऊधमसिंह नगर के काशीपुर निवासी एक युवक ने हल्द्वानी के होटल में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उस वक्त कमरे में मौजूद उसकी पत्नी और बेटा छर्रे लगने से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, ग्राम पैगा निवासी सुखवंत सिंह (40) ने गौलापार के होटल में ठहरा था। शनिवार की रात ढाई बजे के करीब उसने अपनी कनपटी पर गोली चला दी।

कमरे में उसकी पत्नी परदीप कौर और बेटे गुरसेज सिंह को भी छर्रे लगे। इस दौरान मौके पर ही सुखवंत सिंह की मौत हो गई। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि परदीप और गुरसेज को एसटीएच जबकि सुखवंत के शव को मोर्चरी भेजा गया है। घटना का कारण प्रापर्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। परिवार वालों के अनुसार सुखवंत से करोड़ों रुपये लेकर गलत जमीन बैनामा की गई थी।

'सड़कों पर डटे रहें, ट्रंप ने आपकी बहादुरी देखी'

ईरानी प्रदर्शनकारियों को रेजा पहलवी का संदेश

तेहरान, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में जारी खामेनेई सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने नया संदेश जारी किया है। पहलवी ने आंदोलन कर रहे लोगों से सड़कों से नहीं हटने की अपील की। निर्वासित युवराज का यह संदेश रविवार को देशभर में चल रहे व्यापक प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर हो रही कार्रवाई के बीच जारी किया गया है। ईरान के अंतिम शाह के पुत्र पहलवी ने देशभर जारी विरोध प्रदर्शनों के लिए अपनी अपील दोहराई और आंदोलनकारियों से सड़कों पर हटे रहने का आग्रह किया।

रेजा पहलवी ने ईरानियों को यह आश्वासन भी दिया कि उनकी आवाज को दुनिया भर में उनके देशवासियों की ओर से बुलंद किया जा रहा है। निर्वासित ईरानी नेता ने ईरान के लोगों को समर्थन देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने देशवासियों को संबोधित करते हुए अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आपकी अतुलनीय बहादुरी को करीब से देखा है और आपकी सहायता के लिए तत्परता जताई है।

पहलवी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए ईरानियों के लिए अपने नए वीडियो संदेश में कहा, 'आज पूरी दुनिया आपकी राष्ट्रीय क्रांति के साथ खड़ी है और आपके साहस की प्रशंसा करती है। विशेष रूप से, स्वतंत्र विश्व के नेता के रूप में राष्ट्रपति ट्रंप ने आपकी अतुलनीय बहादुरी को करीब से देखा है और आपकी सहायता के लिए तत्परता व्यक्त की है। सड़कों पर डटे रहें। मेरा दिल आपके साथ है। मुझे पता है कि मैं जल्द ही आपके साथ होऊंगा।'

अपने संदेश में रेजा पहलवी ने कहा, 'मेरे देशवासियों, लगातार तीसरी रात ईरान भर की सड़कों पर आपकी व्यापक और साहसी उपस्थिति ने खामेनेई के दमनकारी तंत्र और उनके शासन को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। मुझे विश्वसनीय रिपोर्टें मिली हैं कि इस्लामी गणराज्य को सड़कों पर उतरे लाखों लोगों का सामना करने के लिए भाड़े के सैनिकों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, और अब तक कई सशस्त्र और सुरक्षा बलों ने अपने कार्यस्थल छोड़ दिए हैं या लोगों को दबाने के आदेशों का उल्लंघन किया है। खामेनेई के पास अब मुट्ठी भर हिंसक भाड़े के सैनिक बचे हैं, जो अपने अपराधी नेता की तरह ही गैर-ईरानी और ईरान-विरोधी हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'जान लें कि उन्हें अपने कार्यों के परिणाम भुगतने होंगे। आज, रविवार (21 देय) शाम 6:00 बजे के लिए अपने दूसरे आह्वान को दोहराते हुए मैं आप सभी से अपने मित्रों और परिवार के सदस्यों के साथ समूहों में शहरों की मुख्य सड़कों पर जाने का आग्रह करता हूं। रास्ते में, एक-दूसरे से या लोगों की भीड़ से अलग न हों; और ऐसी गलियों में न जाएं जो आपके जीवन को खतरे में डाल सकती हैं। जान लें कि आप अकेले नहीं हैं। विश्वभर में आपके देशवासी गर्व से आपकी आवाज बुलंद कर रहे हैं, और आप निश्चित रूप से टेलीविजन स्क्रीन पर उनकी व्यापक उपस्थिति के चित्र देखेंगे।'

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हाल के दिनों में ईरान को निशाना बनाने वाले कई सैन्य विकल्पों के बारे में जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप को दिए गए विकल्पों में तेहरान में चुनिंदा ठिकानों पर लक्षित हमले शामिल हैं, जिनमें शासन के आंतरिक सुरक्षा तंत्र से जुड़े गैर-सैन्य बुनियादी ढांचे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये ब्रीफिंग आकस्मिक योजना का हिस्सा है, क्योंकि प्रशासन ईरानी अधिकारियों द्वारा आगे की हिंसा को रोकने के लिए राजनयिक, आर्थिक और सैन्य उपायों का मूल्यांकन कर रहा है।

अमेरिका में फिर हुई अंधाधुंध फायरिंग, मिसिसिपी में एक बच्चे समेत 6 लोगों की मौत आरोपी गिरफ्तार

वाशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर अंधाधुंध फायरिंग हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मिसिसिपी के रहने वाले 24 साल के एक शख्स ने गुस्से में आकर ग्रामीण इलाके में 3 जगहों पर 6 लोगों की हत्या कर दी। इसमें उसके पिता, भाई, चाचा, 7 साल का चचेरा भाई, एक चर्च पादरी और पादरी का भाई शामिल हैं। गोलीबारी जैक्सन से लगभग 200 किमी उत्तर-पूर्व में खेतों, जंगलों और ज्यादातर सामान्य घरों वाले इलाके में हुई है। घटना के बाद सेडरब्लफ में एक पुलिस नाके पर आरोपी डैरिका एम मूर को गिरफ्तार किया गया है। मूर को वेस्ट पॉइंट की क्ले काउंटी जेल में हत्या के आरोपों में बिना जमानत के रखा गया था। सोमवार को जज के सामने उसकी पहली पेशी होने की उम्मीद है। क्ले काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी स्कॉट कोलम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वो मौत की सजा की मांग करेंगे।

तो क्या एक मंच पर साथ दिखेंगे मेलोनी और पुतिन? जानें इटली पीएम के बयान के मायने

रोम, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर बढ़ती बयानबाजी और यूरोप से मनमुटाव के बीच इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रूस-यूक्रेन जंग पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि यूरोपियन यूनियन को यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस से बातचीत शुरू करनी चाहिए। रोम में शुक्रवार को नए साल पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेलोनी ने साफ कहा कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से इत्तेफाक रखती हैं। उन्होंने दिसंबर में सुझाव दिया था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक बार फिर बातचीत शुरू करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉर्जिया मेलोनी ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि इस मुद्दे पर फ्रांस के राष्ट्रपति ठीक हैं। अब सही समय है और यूरोप को रूस से बातचीत करनी चाहिए। संघर्ष में सिर्फ एक पक्ष से बात करने की वजह से वार्ताओं में यूरोप का रोल सीमित रहा है। हालांकि, जल्दबाजी और गड़बड़ी से बचने के लिए मेलोनी ने दोबारा बातचीत शुरू करने के खातिर यूक्रेन के लिए यूरोपियन यूनियन के एक विशेष दूत की नियुक्ति की सलाह दी। पहली बार यह हो रहा है जब यूरोपियन यूनियन में इस प्रकार का विचार सामने आया है।

अगर आगे चलकर रूस और यूरोप के देशों की आपस में बात बन जाती है तो शायद रूसी राष्ट्रपति पुतिन और मेलोनी, एक टेबल पर बैठकर शांति के लिए बातचीत करते नजर आ सकते हैं। गौरतलब है कि यूरोपियन यूनियन में रूस के साथ संबंधों को लेकर गहरे मतभेद हैं, जिनके कारण अभी तक टॉप लीडरशिप में एक रुख नहीं बन पाया है। कुछ मेंबर देश, जैसे- बाल्टिक देश, रूस से फिर बातचीत के लगातार खिलाफ रहे हैं।

ट्रंप बोले- ईरान को आजादी दिलाने के लिए तैयार

खामेनेई ने किसे दी सजा-ए-मौत की चेतावनी

तेहरान, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका, ईरान को मौजूदा सरकार से आज़ादी दिलाने में मदद करने के लिए तैयार है। यह सरकार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में चल रही है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान शायद पहले से कहीं ज्यादा आजादी के करीब है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका हर संभव मदद देने को तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर शुरुआती योजनाओं पर काम कर रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से बताया कि अमेरिकी अधिकारी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि ईरान के खिलाफ ट्रंप की हालिया चेतावनियों के बाद क्या कदम उठाया जाए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एक विकल्प के तौर पर ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले की संभावना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। न तो अमेरिकी सेना की तैनाती की गई है और न ही कोई सैन्य उपकरण भेजा गया है।

ट्रंप ने ईरान को प्रदर्शनकारियों पर हिंसा न करने की सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा था कि अगर ईरानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, तो अमेरिका जवाब देगा। वॉशिंगटन में ईरान के हालात को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है।

अमेरिका इससे पहले भी ईरान के भीतर सैन्य कार्रवाई कर चुका है। जून में अमेरिकी सेना ने ईरान के तीन ठिकानों पर कम से कम छह बंकर-बस्टर बम गिराए थे। इनमें फोर्डो परमाणु संवर्धन केंद्र भी शामिल था, जो पहाड़ के नीचे करीब 300 फीट गहराई में स्थित है। ये हमले ईरान द्वारा इस्राइल के खिलाफ परमाणु क्षमता इस्तेमाल की धमकी देने के बाद किए गए थे और इन्हें इस्राइल की सैन्य कार्रवाई के साथ समन्वय में अंजाम दिया गया था।

मिनियापोलिस में महिला की हत्या से हंगामा

1000 से ज्यादा जगहों पर शुरू हुए धरना प्रदर्शन

मिनियापोलिस, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मिनियापोलिस में कार सवार महिला की इमिग्रेशन एजेंसी की ओर से गोली मारकर की गई हत्या के बाद से विरोध जारी है। नागरिक स्वतंत्रता और प्रवासी अधिकार समूहों ने मिनेसोटा में हत्या के विरोध में देशव्यापी रैलियों का आह्वान किया। वहीं, राज्य अधिकारियों ने हत्या की अपनी जांच शुरू कर दी है। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आइसीई) एजेंटों की बड़े पैमाने पर तैनाती को समाप्त करने की मांग को लेकर देश भर में सप्ताहांत में 1,000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। ये तैनाती ज्यादातर डेमोक्रेटिक राजनेताओं द्वारा शासित शहरों में की जा रही है। हाल ही में लगभग 2,000 संघीय अधिकारियों को मिनियापोलिस भेजा गया है। इसे गृह सुरक्षा विभाग ने डीएचएस का अब तक का सबसे बड़ा अभियान बताया।

मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज, जो एक डेमोक्रेट हैं, ने इस तैनाती की निंदा करते हुए इसे रियलिटी टीवी द्वारा शासन का एक लापरवाह उदाहरण बताया। गोलीबारी का नया वीडियो सामने आया गोलीबारी से संबंधित नया वीडियो सामने आया है। नए वीडियो में रेनी गुड शांत दिख रही हैं और अधिकारी से कह रही हैं, कोई बात नहीं, मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है। ये उनके आखिरी शब्द थे। गोली चलाने से कुछ ही क्षण पहले, जब गुड कार को सड़क पर आगे बढ़ा रही थीं। इस वीडियो से राज्य और स्थानीय सरकार के नेताओं और ट्रंप प्रशासन के सदस्यों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है।

अमरपाटन में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, एक की मौत

मैहर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमरपाटन थाना क्षेत्र में एक बड़ा और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया सतना रोड पर गुरुकुल स्कूल के पास मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी ट्रॉली में मजदूर भी सवार थे। सभी मजदूर काम के सिलसिले में उचेहरा की ओर जा रहे थे। ट्रॉली में जरूरत से ज्यादा लोहे की छड़ें भरी होने के कारण वाहन पहले से ही असंतुलित बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुकुल स्कूल के पास अचानक सामने से एक बाइक आ गई। बाइक को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे ओवरलोड लोहे की छड़ों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि ट्रॉली पर सवार एक मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

क्या है ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक, जो सीरिया में आईएसआईएस पर कहर बन टूटा?

वाशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तीन अमेरिकियों की मौत के बाद अमेरिका ने तगड़ा पलटवार करते हुए आईएसआईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। हवाई हमलों में सीरिया के अंदर इस्लामिक स्टेट के ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। अमेरिका ने यह हमले 13 दिसंबर को अमेरिकी सैनिकों पर किए गए हमले के जवाब में किए, जो कि ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक का हिस्सा है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम), जो कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य बलों की देखरेख करती है।

उसने एयर स्ट्राइक से जुड़ा एक वीडियो भी एक्स पर साझा किया है। और बताया कि ये हवाई हमले अमेरिकी समयानुसार दोपहर लगभग 12:30 बजे किए गए। यह हमले यूए सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की सेनाओं ने सहयोगी सेनाओं के साथ मिलकर आईएसआईएस के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए।

सेंटकॉम ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि कई हमलों में पूरे सीरिया के अंदर आईएसआईएस को निशाना बनाया गया। हालांकि पोस्ट में यह जानकारी नहीं दी गई कि ये हमले सीरिया में कहां हुए हैं। सेंटकॉम ने कहा ये हमले ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक का हिस्सा हैं, जिसे 19 दिसंबर, 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर शुरू किए गए थे। इससे पहले बीते महीने 19 दिसंबर को अमेरिका ने सीरिया पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए थे, जिसमें आईएस के 70 ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

उसके बाद बीते हफ्ते ही ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने भी सीरिया में हवाई हमले किए। इन हवाई हमलों का निशाना भी आईएस था। ये हमले सीरिया को होम्स प्रांत के ऐतिहासिक पल्मायरा इलाके में हुई थी।

बता दें कि आईएस, जिसे आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया) के नाम से भी पहचाना जाता है, एक सुन्नी चरमपंथी आतंकवादी संगठन है। यह आतंकी संगठन इराक में अल-कायदा से निकला है और जिसका परिचालन का केंद्र उत्तरी इराक और सीरिया में है।

अमेरिका ने सीरिया में इसी के खिलाफ ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक शुरू किया है। जिसमें पल्मायरा में अमेरिकी सेना पर हुए हमले का सीधे जवाब देते हुए बुनियादी ढांचे और हथियार रखने वाली जगहों को निशाना बनाना है। इस ऑपरेशन घोषणा 13 दिसंबर 2025 को आतंकी हमले के बाद की गई।

कोलंबिया के बोगोटा में चार्टर प्लेन क्रैश, सिंगर येइसन जिमेनेज सहित 6 लोगों की मौत

बोगोटा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कोलंबिया के बोगोटा में एक चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में कोलंबिया के लोकप्रिय गायक और गीतकार येइसन जिमेनेज भी शामिल हैं। इसके बाद जिमेनेज को चाहने वालों में दुख की लहर फैल गई। विमान दुर्घटना में जिमेनेज की मौत ने उनके प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है। सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है और प्रशंसक भावुक संदेश पोस्ट कर रहे हैं।

यह विमान दुर्घटना कोलंबिया के बोयाका प्रांत में हुई। विमान दुर्घटना की शुरुआती जांच से पता चलता है कि चार्टर विमान जुआन जोस रोंडॉन एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद ऊंचाई हासिल करने में विफल रहा और आखिरकार रनवे के नजदीक ही एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटनास्थल से मिले वीडियो में एक छोटे विमान का मलबा आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा था। यह घटना बोयाका में पाइपा और दुइतामा के बीच के इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में जिमेनेज और पायलट सहित कुल छह लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि हादसे में जान गंवाने वाले अन्य चार लोग जिमेनेज की टीम के सदस्य थे।

जिमेनेज ने बोयाका में प्रस्तुति दी और मारिनिला में अपने एक कार्यक्रम के सिलसिले में मेडेलिन एयरपोर्ट पर जाने के लिए एक निजी विमान से यात्रा कर रहे थे। येइसन जिमेनेज के विमान दुर्घटना में मौत की खबर सुनने के बाद से ही उनके प्रशंसक बेहद दुखी हैं और सोशल मीडिया पर लगातार भावुक पोस्ट कर रहे हैं।

'पाकिस्तानी सेना मुझे देती है न्योता'

लश्कर के आतंकी ने खोली आसिम मुनीर की पोल

इस्लामाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बीच लंबे समय से लगाए जा रहे संबंधों के आरोपों को एक बार फिर सबूत मिला है। लश्कर के डिप्टी चीफ और पहलगाम आतंकी हमले के कथित मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी ने खुले मंच से पाकिस्तान सेना के साथ अपने करीबी रिश्तों को स्वीकार किया है। एक सामने आए वीडियो में कसूरी ने दावा किया कि उसे पाकिस्तान सेना नियमित रूप से अपने कार्यक्रमों में बुलाती है और यहां तक कि सैनिकों की अंतिम संस्कार की नमाज पढ़ाने के लिए भी आमंत्रित करती है। यह बयान कसूरी ने पाकिस्तान के एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए दिया। वीडियो में वह यह कहते हुए नजर आता है कि पाकिस्तान सेना उसे औपचारिक निमंत्रण भेजती है। उसके इस बयान ने पाकिस्तान सरकार के उन दावों की पोल खोल दी है, जिनमें वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की बात करती रही है।

भारत को दी धमकी, ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी

सैफुल्लाह कसूरी ने भारत को लेकर भी भड़काऊ बयान दिए। उसने दावा किया कि भारत उससे डरा हुआ है। इससे पहले भी वह भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दे चुका है। कसूरी ने स्वीकार किया कि इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नुकसान पहुंचा, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि भारत ने गलती की है। उसने दोहराया कि लश्कर-ए-तैयबा कश्मीर को लेकर अपने एजेंडे से पीछे नहीं हटेगा।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर घमंड

एक अन्य रैली में कसूरी ने खुद को पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताए जाने पर गर्व जताया था। उसने कहा था कि इस आरोप के बाद उसका नाम दुनिया भर में मशहूर हो गया है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी।

ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि

पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिनों तक ड्रोन और मिसाइल हमले हुए। आखिरकार 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने को लेकर सहमति बनी।

इंडो-नेपाल सीमा पर लगाया गया फेस और आईडी स्कैनर, संदिग्ध नहीं कर सकेंगे बॉर्डर क्रॉस, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कांठमाडू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। इंडो-नेपाल बॉर्डर से आए दिन संदिग्धों को पकड़ा जा रहा है कोई भी संदिग्ध इस बॉर्डर को पार न कर पाए। इसे लेकर अब पायलट प्रोजेक्ट के तहत फेस एंड आईडी स्कैनर लगाया गया है। अब सभी लोग आईडी और चेहरा स्कैन होने के बाद ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे और भारत से नेपाल जाने की अनुमति मिलेगी। वहीं आने जाने वाले सभी वाहनों का भी डेटा एकत्रित किया जा रहा है। यूपी के बहराइच भारत-नेपाल सीमा के रूपईडीहा चेक पोस्ट पर अब संदिग्ध बॉर्डर पार नहीं कर पाएंगे। अगर प्रयास भी करते है तो उन्हें धर दबोचा जाएगा। इसके लिए चेक प्वाइंट पर हाइटेक कैमरों से लैस स्कैनर लगाया गया है, जिस पर आईडी के साथ ही चेहरे का मिलान होगा, इसके बाद ही भारत में प्रवेश दिया जाएगा। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से बड़ी संख्या में पाकिस्तान व अन्य देशों के नागरिक बगैर वीजा के भारत में घुसने की नाकाम कोशिश कर चुके हैं, जिन्हें एसएसबी के जवानों द्वारा पकड़कर जेल भेजा जा चुका है। इंडो नेपाल बॉर्डर से लगने वाले इन जिले की करीब 125 किमी खुली सीमा है,

क्या डोनल्ड ट्रंप को मिल सकता है मचाडो का नोबेल शांति पुरस्कार? नोबेल कमेटी ने दे दिया जवाब

वाशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नार्वेजियन नोबेल संस्थान ने कहा है कि नोबेल शांति पुरस्कार को हस्तांतरित, साझा या रद नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो द्वारा दिए गए उस सुझाव के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपना 2025 का शांति का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दे सकती हैं।

अपना नोबेल पुरस्कार किसी और को दिया जा सकता है?

नोबेल फाउंडेशन के नियमों का हवाला देते हुए एक बयान में संस्थान ने कहा कि नोबेल पुरस्कार देने का निर्णय अंतिम और स्थायी होता है। इसमें अपील की अनुमति नहीं है। संगठन ने यह भी उल्लेख किया कि पुरस्कार देने वाली समितियां विजेताओं के कार्यों या बयानों पर टिप्पणी नहीं करती हैं। सोमवार को मचाडो ने फॉक्स न्यूज पर बातचीत के दौरान कहा था कि डोनल्ड ट्रंप को पुरस्कार देना वेनेजुएला के लोगों की तरफ से आभार का काम होगा, क्योंकि उन्होंने निकोलस मादुरो, जोकि देश के राष्ट्रपति हैं, उन्हें उनके पद से हटा दिया।

नोबेल पुरस्कार के लिए लालायित डोनल्ड ट्रंप

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार किया था। बता दें कि ट्रंप शांति का नोबेल पुरस्कार हासिल करने के लिए ललायित हैं। मारिया कोरिना मचाडो अगले हफ्ते अमेरिकी दौरे पर जाने वाली हैं। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे लगता है कि उनका आना बहुत अच्छी बात है और मेरी समझ से इसका यही कारण है। ट्रंप ने कहा कि वे मचाडो से उनके नोबेल पुरस्कार देने के प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे। डोनल्ड ट्रंप कई बार खुद को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने का हकदार बता चुके हैं। ट्रंप का कहना है कि उन्होंने वो आठ युद्ध रुकवाए हैं, जो दुनिया में कोई नहीं रुकवा सकता था।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना हुई तेज!

अमित शाह ने एक घंटे सीएम भजनलाल से की चर्चा

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जयपुर दौरा भाजपा संगठन और राज्य सरकार दोनों के लिहाज से खास रहा। दोपहर के कार्यक्रम में जहां उन्होंने सरकार के कामकाज पर संतोष जताया, वहीं शाम को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर राजनीतिक हालात की नब्ज टटोली।

पुलिस अकादमी में हुए कार्यक्रम के बाद अमित शाह करीब साढ़े तीन घंटे मुख्यमंत्री आवास पर रहे। इस दौरान सभी नेताओं के साथ सामूहिक मंथन हुआ, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अमित शाह के बीच करीब एक घंटे अलग से चर्चा हुई।

निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव करते हुए अमित शाह पुलिस अकादमी से सीधे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। यहां करीब डेढ़ घंटे चली बैठकों में उन्होंने एसआइआर, आगामी पंचायत और निकाय चुनावों के साथ ही विभिन्न राज्यों में प्रस्तावित चुनावों में मारवाड़ी वोटर्स की भूमिका को लेकर फीडबैक लिया।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, राज्यवर्धन राठौड़, मदन दिलावर, हीरालाल नागर, मंजू बाघमार, झाबर सिंह खर्रा, वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित कई नेताओं से चर्चा हुई।

सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने सरकार को बेहतर ढंग से काम करने का संदेश दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी मुख्यमंत्री आवास पर मौजूद रहे। अमित शाह और पीयूष गोयल यहीं से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में जुड़े। रात आठ बजे के बाद दोनों रवाना हुए।

पीयूष गोयल मुंबई और अमित शाह तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुए। अमित शाह के इस फीडबैक कार्यक्रम से प्रदेश में लंबे समय से लंबित राजनीतिक नियुक्तियों और मंत्रियों के रिक्त पदों को भरने को लेकर मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों को भी बल मिला है।

पूर्व-मंत्री मालवीय ने बीजेपी छोड़ी

बोले-यहां मेरा दम घुट रहा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को लिखा पत्र

23 महीने पहले भाजपा में शामिल हुए थे

बांसवाड़ा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का दो साल में ही भाजपा से मोह भंग हो गया है। मालवीय ने बीजेपी छोड़ दी है। कांग्रेस में शामिल होने के लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को पत्र लिखा है।

मालवीय ने रविवार को जयपुर में कांग्रेस के महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात की।

मालवीय ने कहा कि BJP की सत्ता होते हुए भी मैं जनता के काम नहीं करा पा रहा हूं। भाजपा सरकार में गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं है। मनरेगा का भुगतान महीनों से अटका है, किसानों को खाद नहीं मिल रहा। मैंने कई बार मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष को चिट्ठी लिखी, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

आलाकमान क्या निर्णय करता है वो देखेंगे: डोटासरा

वहीं पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मुझे महेन्द्रजीत सिंह मालवीय का पत्र मिला है। जिसमे उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी छोड़ना मेरी भूल है। कांग्रेस ने हमेशा मुझे मान सम्मान दिया है, मैं कांग्रेस की रीति-नीति को मानने वाला व्यक्ति हूं। भारतीय जनता पार्टी में जाना मेरी बहुत बड़ी भूल थी, ऐतिहासिक भूल थी।

भारतीय जनता पार्टी से मैंने इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी में मेरा दम घुट रहा है, मैं एक सेकेंड भी वहां रहना नहीं चाहता हूं। डोटासरा ने कहा- डिसीप्लीनरी कमेटी है, हम सब लोग चर्चा करके अपनी रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी के जरिए आलाकमान को देंगे और उस पर आलाकमान क्या निर्णय करता है, वो देखना होगा।

मालवीय बोले-कांग्रेस मेरे लिए नई पार्टी नहीं

जयपुर में महेन्द्रजीत सिंह मालवीय ने कहा कि कांग्रेस मेरे लिए नई पार्टी नहीं है। पिछले 40 साल मैंने कांग्रेस में निकाले हैं, सरपंच के रूप में, प्रधान के रूप में, एमपी के रूप में, पांच बार जिला प्रमुख के रूप में, चार बार विधायक के रूप में और दो बार सरकार के मंत्री के रूप में लंबे समय तक कांग्रेस में काम किया।

लेकिन, कुछ समय पहले मेरा मन हुआ कि डबल इंजन की सरकार है, मेरे क्षेत्र में विकास रुकना नहीं चाहिए और जनता का अहित नहीं हो, उस हिसाब से मैं जरूर भाजपा में गया था। वहां जाने पर मैंने देखा कि अपना एडजस्टमेंट, अपनी सहमति ठीक ढंग से यहां नहीं बन सकती हैं।इसलिए मैंने अपने मन से और कार्यकर्ताओं से राय लेकर यह तय किया कि कांग्रेस पार्टी में जाना चाहिए।

आज नहीं तो कल कांग्रेस का राज वापस आ रहा है,उसे कोई नहीं रोक सकता है। आज मैंने कांग्रेस के महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की मौजूदगी में अपनी सहमति व्यक्त कर दी है।

कांग्रेस विधायक ने कॉलेज प्रिंसिपल को अपशब्द कहे

बोले-जूते मारेंगे, इसको निकालो यहां से, दूसरे को लगाओ; बच्चियों के वीडियो बनाता है

नागौर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मकराना (कुचामन-डीडवाना) से कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन गैसावत सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल पर भड़क गए। वे सोशल मीडिया लाइव पोस्ट में प्रिंसिपल को अपशब्द कहते नजर आए।

स्टूडेंट्स ने विधायक से प्रिंसिपल की शिकायत की थी। आरोप है कि प्रिंसिपल छात्राओं के वीडियो बनाते हैं। वहीं कुछ छात्रों और संविदा कर्मी ने अपनी हाजिरी न लगाने को लेकर भी विधायक से शिकायत की थी। 7 जनवरी को कॉलेज में छात्रों की ओर से प्रिंसिपल के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान विधायक भी कॉलेज पहुंचे थे। प्रिंसिपल को अपशब्द कहते हुए गैसावत ने कहा था- 'इसको निकालो यहां से और दूसरे को लगाओ। वरना हम उसे जूते मारेंगे। बच्चियों के वीडियो बनाता है। उनको धमकी देता है।

यह वीडियो शनिवार को सामने आया। मामला बढ़ने पर विधायक ने देर रात फेसबुक से वीडियो डिलीट कर दिया। बाद में गैसावत ने सफाई में कहा- ऐसा कुछ नहीं कहा है। वह प्रिंसिपल के नाम पर धब्बा है। उधर, कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा- किसी को समस्या है तो वह शिकायत कर सकता है।

7 जनवरी को कॉलेज में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष असलम चौधरी ने भी विधायक से प्रिंसिपल की शिकायत करते हुए आरोप लगाए। उन्होंने कहा- प्रिंसिपल स्टूडेंट्स के वीडियो बनाते हैं और यह गंभीर मामला है। असलम चौधरी ने कहा- सबसे बड़ी बात यह है कि प्रिंसिपल कॉलेज में स्टूडेंट्स, खासकर छात्राओं के वीडियो बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में नारी सम्मान की बात की जाती है, लेकिन कॉलेज में लड़कियों के वीडियो बनाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रिंसिपल को इसका अधिकार है और क्या इसके लिए कोई अनुमति ली गई है?

असलम चौधरी की बात पर विधायक ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा था कि यह बड़ी बात है। इस पर कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने कहा था कि जरूरत पड़ी तो पूरे मकराना को बंद कराया जाएगा। सूत्रों के अनुसार विवाद की वजह कुछ छात्रों और एक संविदा कर्मी की हाजिरी से जुड़ी है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में विधायक ने प्रिंसिपल को फोन किया था। प्रिंसिपल ने स्पष्ट किया था कि जो कॉलेज आएगा, उसी की हाजिरी लगेगी। इसी बात को लेकर विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। विधायक से प्रिंसिपल को अपशब्द कहने के बारे में पूछा गया तो वो साफ मुकर गए। उन्होंने कहा- मैंने नहीं कहा। विधायक से प्रिंसिपल को अपशब्द कहने के बारे में पूछा गया तो वो साफ मुकर गए।

शेखावाटी में कंपकंपाती सुब

तापमान -3.4^{0}C, कोल्ड वेव अलर्ट जारी

शेखावाटी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में लगातार चल रही सर्द हवाओं ने शेखावाटी में भीषण सर्दी का आगाज़ कर दिया है। शेखावाटी के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान -3.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। इतनी कम तापमान में सुबह हर जगह बर्फ जमी हुई दिखाई दी, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई। सूरज निकलने से पहले अधिकांश लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल पाए। किसान जो सुबह अपने खेतों पर काम करने गए, उन्होंने देखा कि खेतों में लगी पाइप, फसल, गाड़ियों की छत, बाइक की सीट और खेतों में रखे प्लास्टिक टेंट तक पर बर्फ की मोटी परत जमी हुई थी। करीब 8:30 बजे धूप निकलने के बाद लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने चेताया है कि शेखावाटी में जल्द ही ठंड में कोई राहत नहीं मिलने वाली है। सीकर में भी अगले दिन तेज सर्दी का अलर्ट जारी किया गया है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि शेखावाटी में आने वाले 48 घंटे के दौरान कोल्ड वेव का असर सबसे ज्यादा रहेगा। 12 जनवरी के लिए शेखावाटी में कोल्ड वेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें तापमान माइनस में दर्ज होने की संभावना है। सीकर में इस सीजन में आज पहली बार सबसे कम तापमान -3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले 4 जनवरी को तापमान माइनस 0.2 डिग्री दर्ज किया गया था, हालांकि उस दिन बर्फ जमने की स्थिति नहीं थी।

तेल के बाद अब नकली घी बनाने का भंडाफोड़

एसेंस डालकर तैयार कर रहे थे ब्रांडेड घी

ब्यावर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। साकेत नगर थाना पुलिस ने एसेंस डालकर घी बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। पुलिस ने मौके से 13 लीटर ब्रांडेड नाम से तैयार घी के पैकेट, सरस ब्रांड की थैलियां, मिलावटी घी तैयार करने के काम आने वाली स्टील की टंकी व कांटा मौके से बरामद किए। साथ ही एसेंस व कलर भी मिला, जो घी को असली जैसी महक देने एवं घी जैसे रंग देने के काम में लिया जा रहा था। ब्यावर शहर में लम्बे समय से यह गोरखधंधा चल रहा था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ब्यावर शहर के जालिया रोड पर घी के पैकेट लदान करने की पुलिस को शिकायत मिली। इस पर पुलिस ने मौके पर निगरानी शुरू की। इसमें पता लगा कि यहां पर न तो घी की एजेंसी है एवं न ही मवेशी है। इसके बावजूद देशी घी की सप्लाई की जा रही है। इस पर सीआई जितेंद्र फौजदार के नेतृत्व में साकेतनगर थाना पुलिस टीम ने जालियां रोड स्थित गोदाम पर दबिश दी। इसमें सामने आया कि वनस्पति घी से देशी घी तैयार किया जा रहा है।

पुलिस को मौके पर सरस घी की पैकिंग के रेपर, तौलने की मशीन एवं 13 लीटर ब्रांडेड नाम से तैयार घी के पैकेट मिले। पुलिस ने इसकी सूचना खाद्य सुरक्षा अधिकारी व सरस डेयरी प्रबंधन को दी। मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायणसिंह एवं सरस डेयरी की टीम पहुंची। उन्होंने इनकी जांच की। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके से तैयार घी के सैंपल उठाए। जबकि सरस की टीम ने रेपर व घी सरस के नहीं होने की जानकारी दी। पुलिस ने घी के रेपर, 13 लीटर घी, पैकिंग मशीन, कांटा, घी तैयार करने की स्टील की टंकी को जब्त कर थाने ले आए। मामले में पुलिस ने जितेंद्र जांगिड़ को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है।

नेटवर्क खोलेंगे राज

पुलिस नकली घी व तेल बनाने वाले नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। पुलिस पूछताछ में यह पता लगाएगी कि नकली घी व तेल तैयार करने वाले एसेंस कहां से ला रहे हैं। कलर कौन उपलब्ध करवा रहे हैं। रेपर कौन छाप रहा है। इन सबके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

साकेतनगर थाना पुलिस ने दो दिन पहले ही एसेंस से तेल तैयार करने का जखीरा पकड़ा था। इसे लेकर आरोपी कृष्णा साहू को पुलिस ने न्यायालय पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को पुलिस रिमांड पर सौंप दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एक फोन आया और डर के मारे पूर्व अधिकारी ने खुद ही निकाल कर दे दिए 68 लाख

उदयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी और मजिस्ट्रेट बताकर एक बुजुर्ग दंपति को डिजिटल अरेस्ट कर करीब 68 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी भरत व्यास और उनकी पत्नी हैं। इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर उदयपुर साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 28 दिसंबर की है। पीड़ित भरत व्यास के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को जांच एजेंसी से जुड़ा बताते हुए मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आने की बात कही। आरोपी ने दावा किया कि नरेश नामक व्यक्ति से 20 लाख रुपये के लेन.देन के चलते पीड़ित के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज हुआ है। इस धमकी से दंपति घबरा गए।

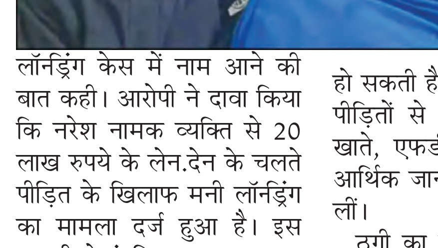

इसके बाद ठगों ने साजिश के तहत एक अन्य व्यक्ति से व्हाट्सएप कॉल कराई, जिसने खुद को सीबीआई का उच्च अधिकारी बताया। कॉल के दौरान पीड़ित दंपति को मानसिक दबाव में रखा गया और लगातार डराया गया कि अगर सहयोग नहीं किया तो उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा और गिरफ्तारी हो सकती है। इसी दौरान ठगों ने पीड़ितों से उनकी संपत्ति, बैंक खाते, एफडी, जेवर और अन्य आर्थिक जानकारियां हासिल कर लीं।

ठगी का सिलसिला यहीं नहीं रुका। एक अन्य आरोपी ने खुद को मजिस्ट्रेट बताते हुए वीडियो कॉल पर बात की और जमानत के नाम पर 12 लाख रुपये की मांग की। डर और तनाव के चलते दंपति ने आरोपी द्वारा बताए गए खातों में चरणबद्ध तरीके से रकम ट्रांसफर कर दी। इस तरह ठगों ने अलग-अलग बहानों से कुल करीब 68 लाख रुपये ऐंठ लिए।

इसके बावजूद आरोपी लगातार कॉल कर पीड़ितों को परेशान करते रहे। तब जाकर दंपति को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। जांच अधिकारी डीएसपी विनय चौधरी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान और रकम की ट्रेल खंगाली जा रही है। राजस्थान में ही इसी तरह का एक और मामला इसी सप्ताह सामने आया था। जब एक बुजुर्ग दंपति से बारह लाख रुपए का साइबर फ्रॉड हुआ। उन्हें भी डिजिटल अरेस्ट में रखा गया था।

भोपाल जा रहे हेलिकॉप्टर की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग, पायलट और को-पायलट सुरक्षित

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर से मध्य प्रदेश के भोपाल जा रहे एक प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर की रविवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना सुबह करीब 11 बजे रायसर क्षेत्र के वामनवाटी गांव के पास हुई। अच्छी बात यह रही कि पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

वामनवाटी गांव में हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग से हड़कंप मच गया। हेलिकॉप्टर के गांव में उतरते ही देखने के लिए ग्रामीणों की मौके पर भी जमा हो गई। वहीं, सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

एवन हेलिकॉप्टर के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया कि हेलिकॉप्टर उत्तराखंड के देहरादून से जयपुर लैंड हुआ था। जयपुर पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल और रिपेयरिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी।

उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद ही आई तकनीकी खराबी

लेकिन, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए रायसर के नजदीक वामनवाटी गांव में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करवाई।

फिलहाल तकनीकी टीम हेलिकॉप्टर में आई खराबी की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद हेलिकॉप्टर को दोबारा मलिकपुर हेलीपैड ले जाया जाएगा और आवश्यक मरम्मत के बाद उसे भोपाल भेजने की तैयारी की जाएगी।

रिश्वत में आईफोन लेने वाले एसई के घर एसीबी की दबिश

सोना-चांदी सहित कई कीमती सामान जब्त

कोटा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा के 'आईफोन प्रेमी' जलदाय विभाग के SE विष्णु चंद गोयल के घर जब एसीबी ने दस्तक दी, तो कुबेर का खजाना निकल आया। रिश्वत में एप्पल प्रो 13 आईफोन लेते रंगे हाथों पकड़े गए गोयल के कोटा आवास पर हुई छापेमारी में 4.8 लाख रुपये कैश, 7.7 किलो चांदी और 62 ग्राम सोना बरामद हुआ है।

इतना ही नहीं, कागजों के पुलिंदे में जयपुर के 5 और जोधपुर का 1 बेशकीमती भूखंड समेत कोटा में एक आलीशान मकान के दस्तावेज भी मिले हैं। भ्रष्टाचार की यह जड़ें इतनी गहरी हैं कि अब एसीबी अधिकारी उन पर 'आय से अधिक संपत्ति' (डीए केस) का नया मुकदमा दर्ज करने की तैयारी में हैं।

मां ने बेरहमी से की बेटे-बेटी की हत्या, खुद ने भी खाया विषाक्त

भीलवाड़ा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा। जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां एक मां ने अपने ही दो मासूम बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतकों में 8 वर्षीय बेटा भैरू और 5 वर्षीय बेटी नेहा शामिल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी महिला ने भी विषाक्त खा लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम मानपुरा में महिला संजू तेली (35), पत्नी राजू तेली ने पहले अपने बच्चे भैरू और नेहा पर धारदार हथियार से हमला किया, जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने आत्महत्या के प्रयास में विषाक्त का सेवन कर लिया। परिजन तुरंत संजू को गंभीर हालत में मांडलगढ़ उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे भीलवाड़ा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना पर मांडलगढ़ थाना पुलिस, स्पेशल टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी।

लंबे समय से बीमारी और मानसिक तनाव

पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद और गृह क्लेश से जुड़ा होना बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। बताया जा रहा है कि घटना के समय महिला का पति घर पर मौजूद नहीं था। आरोपी महिला लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थी, जिसके चलते वह मानसिक तनाव में रहती थी।

इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। पुलिस ने दोनों मासूम बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

अवैध खनन रोकने गई पुलिस टीम पर हमला, घेरकर पीटा, 4 गिरफ्तार

भरतपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के रुदावल में खनन माफिया ने 15 दिन में तीसरी बार पुलिस टीम पर हमला कर दिया। रुदावल थाने के गांव चुरारी डांग के पास अवैध खनन रोकने गई पुलिस टीम पर खनन माफिया ने हमला कर कब्जे में ली गई एलएनटी मशीन छुड़ा ले गए। रुदावल थाने के एएसआइ भरतलाल ने 13 नामजद सहित 5-6 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। चुरारी डांग में अवैध खनन होने की सूचना मिली तो हेड कांस्टेबल दाताराम के नेतृत्व में कांस्टेबल अभिषेक, महेश, कृष्णाराम खनन पहुंचे और एलएनटी मशीन जब्त कर ली। इसके बाद खनन माफिया के लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया और मारपीट की। घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आईजी कैलाशचंद्र बिश्नोई व एसपी दिगंत आनंद के निर्देशन एवं एएसपी हरिराम कुमावत व सीओ नीरज भारद्वाज के सुपरविजन में एसएचओ नरेश शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने घटना के आरोपी गांव चुरारी डांग निवासी विजय सिंह (25 वर्ष) पुत्र राजाराम गुर्जर, रामजीत उर्फ रामो (25 वर्ष) पुत्र पूरन गुर्जर, प्रेम सिंह उर्फ भुट्टी (50 वर्ष) पुत्र महाराज सिंह एवं गांव बैसोरा निवासी सुनील (22 वर्ष) पुत्र उदयसिंह को गिरफ्तार किया है।

उड़ीसा से ट्रक में लाए 493 किलो गांजा, सप्लाई से पहले पुलिस का बड़ा एक्शन; 2 तस्कर गिरफ्तार

टोंक, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जिला स्पेशल टीम ने शुक्रवार मध्यरात्रि नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से करीब 493 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है। गांजा 13 प्लास्टिक कट्टों में 88 टेप लगे पैकेटों में भरा हुआ था। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग 2.5 करोड़ रुपए आंकी गई है, जबकि वाहन सहित कुल जब्ती की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई गई है। एडिशनल एसपी रतनलाल भार्गव ने टोंक में मीडिया से बातचीत में बताया कि पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर 42 वर्षीय हरिनारायण पुत्र हीरालाल मीणा निवासी दाताढाणी, थाना देवली तथा 32 वर्षीय समीर मीणा पुत्र रामकिशन निवासी बासनी, थाना हिण्डोली, जिला बूंदी को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है।

जिला स्पेशल टीम ने एनएच-52 पर सुनियोजित तरीके से आ रहे 12 चक्का ट्रक नंबर आरजे 08 जीए 2519 को देवली हाईवे पर रुकवाने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक ट्रक को टोंक की ओर भगाने लगा, लेकिन उनको रोक लिया गया।

वृत्ताधिकारी देवली हेमराज ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपी उड़ीसा के चांदीपुर से गांजा लेकर आ रहे थे। आरोपियों ने हनुमानगढ़ और देवली में सप्लाई देना बताया, जबकि छोटे सप्लायरों के माध्यम से भीलवाड़ा, बूंदी, केकड़ी, देवली, दूनी, घाड़, टोडारायसिंह, मालपुरा, डिग्गी और टोंक में नशे की सप्लाई की योजना थी।

नशे की रोकथाम को लेकर गठित टीम में डीएसटी प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश चौधरी, हेड कांस्टेबल शरीफ मोहम्मद, कांस्टेबल राधामोहन, शिवपाल, प्रधान, रुकमकेश, राधाकिशन व राजेश शामिल रहे।

श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी कल्याणोत्सव में शामिल हुए सांसद मल्लू रवि

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कलवकुर्थी विधानसभा क्षेत्र के वेलिजाला गांव में आज श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के भव्य कल्याणोत्सव का श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर नागरकर्नूल के सांसद डॉ. मल्लू रवि तथा कलवकुर्थी विधायक कसिरेड्डी नारायण रेड्डी विशेष रूप से उपस्थित रहे और स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजाओं में भाग लिया। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि ग्राम विकास और जनकल्याण ही उनके राजनीतिक जीवन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। कांग्रेस पार्टी की जनसेवा की राजनीति का यह एक सशक्त उदाहरण है। भक्ति, आस्था और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आयोजित इस कार्यक्रम को गांववासियों का भरपूर समर्थन और सराहना मिली। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। कांग्रेस पार्टी की जनसेवा की राजनीति का यह एक सशक्त उदाहरण है। भक्ति, आस्था और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आयोजित इस कार्यक्रम को गांववासियों का भरपूर और सराहना मिली। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा।

पूर्व आईपीएस अधिकारी की पत्नी से 2.58 करोड़ की साइबर ठगी

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर ठगों ने एक पूर्व आईपीएस अधिकारी की पत्नी से दो सप्ताह में 2.58 करोड़ रुपये की ठगी की। पीड़िता को व्हाट्सएप पर शेयर बाजार में भारी मुनाफा कमाने का झांसा देकर फंसाया गया। जालसाजों ने पीड़िता का नंबर एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर उसे निवेश का मार्गदर्शन देने का बहाना बनाया। उन्होंने 500 प्रतिशत रिटर्न का दावा किया और प्लेटफॉर्म को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबी) द्वारा प्रमाणित बताया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 24 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच 19 लेनदेन के माध्यम से कुल 2.58 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। जब उसने और पैसे भेजना बंद किया, तो ठगों ने उसे धमकी दी कि उसका मौजूदा निवेश भी डूब जाएगा। साइबर धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़िता ने हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क किया, जिसने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहला वनडे- भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

कोहली ने 93 रन बनाए, कप्तान गिल की फिफ्टी, अय्यर ने 49 रन की पारी खेली

वडोदरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने वनडे सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा।

वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में रविवार को भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 300 रन बनाए।

जवाब में भारतीय टीम ने 49 ओवर में 6 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। केएल राहुल ने क्रिस्टियन क्लार्क की बॉल पर छक्का लगाकर जीत दिलाई।

उन्होंने नाबाद 29 रन बनाए। विराट कोहली ने 93, श्रेयस अय्यर ने 49 और कप्तान शुभमन गिल ने 56 रन बनाए। न्यूजीलैंड के काइल जैमिसन ने 4 विकेट लिए।

उद्यान उत्सव-2026 में राष्ट्रपति निलयम में उमड़ी भीड़

नौ दिवसीय उत्सव में लगभग एक लाख दर्शकों ने भाग लिया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के राष्ट्रपति के शीतकालीन आवास, राष्ट्रपति निलयम में 3 से 11 जनवरी तक आयोजित उद्यान उत्सव-2026 का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नौ दिवसीय इस उत्सव में लगभग एक लाख दर्शकों ने भाग लिया और इसे भारतीय विरासत, कृषि, सतत विकास और नागरिक सहभागिता का जीवंत उत्सव बनाया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रपति निलयम द्वारा किया गया और इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देशन में संचालित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय कृषि प्रसार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) का सक्रिय समर्थन रहा। इस अवसर पर स्कूल के छात्र, किसान, उद्यमी, स्टार्टअप, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और विभिन्न पृष्ठभूमि के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैनेज के महानिदेशक डॉ. सागर हनुमान सिंह ने कहा कि उद्यान उत्सव भारतीय संस्कृति और इतिहास का महत्वपूर्ण प्रतिबिंब है। उन्होंने बताया कि बच्चों ने प्रदर्शनी का खूब आनंद लिया, किसानों ने कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी की और युवाओं, विशेषकर महिलाओं की सहभागिता उत्साहजनक रही। उन्होंने राष्ट्रपति भारत की दूरदर्शिता और सभी विभागों के समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। शिवेंद्र चतुर्वेदी, निदेशक, राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा कि लोगों, विशेषकर युवाओं और स्कूल बच्चों की सक्रिय भागीदारी से वे संतुष्ट हैं।

डॉ.के. रजनी प्रिया, मैनेजर, राष्ट्रपति निलयम ने बताया कि उत्सव ने लगभग एक लाख दर्शकों को आकर्षित किया और यह इसकी बड़ी सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बागवानी और कृषि से प्रेरणा लेने और राष्ट्रपति निलयम की विरासत को जोड़ने का अनूठा प्रयास है।

जसबीर सिंह, संयुक्त निदेशक (एक्सटेंशन), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने मैनेज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसमें एफपीओ की भागीदारी, कृषि में करियर की जानकारी और नवाचार पर जोर है। डॉ. अनुगु नरसिंहा रेड्डी, निदेशक, भाषा और संस्कृति विभाग, तेलंगाना सरकार ने इस प्रदर्शनी को त्योहार जैसा बताया। उन्होंने प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे लोकगीत, नृत्य और नाटकों को उजागर किया और कहा कि यह उत्सव तेलुगु भाषा की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। डॉ. शलेन्द्र सिंह, निदेशक (एक्सटेंशन), मैनेज ने कहा कि उत्सव ने सुरक्षित कृषि उत्पादों के प्रति जागरूकता पैदा की, शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर करियर काउंसलिंग प्रदान की और सतत उत्पादों को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव युवा वर्ग को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने में मदद करेगा। उद्यान उत्सव 2026 में कृषि नवाचार, मूल्य वर्धित उत्पाद, सतत प्रथाएं और कृषि-उद्यमिता प्रदर्शित की गईं। इसमें 50 तीमेटिक स्टॉल और 120 से अधिक प्रदर्शक शामिल थे। राष्ट्रपति निलयम में आयोजित उद्यान उत्सव-2026 ने विरासत, कृषि, संस्कृति, नवाचार और सतत विकास को जोड़ते हुए इसे जनता-केंद्रित पहल में बदल दिया और भारत की समृद्ध कृषि एवं सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उत्सव साबित किया।

संक्रांति पर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति के दौरान शहर में भारी वाहन आवागमन की संभावना को देखते हुए, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 9 से 13 जनवरी और वापसी यातायात 16 से 19 जनवरी के बीच ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विभिन्न जिलों की ओर बड़े पैमाने पर यात्रा, बार-बार यात्रियों को लेने-छोड़ने, ऑटो और कैब की आवाजाही और पैदल यात्रियों की संख्या में वृद्धि के कारण काचीगुडा और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशनों जैसे प्रमुख परिवहन केंद्रों पर भीड़भाड़ होने की संभावना है।

कई प्रमुख मार्गों पर यातायात धीमा रहने की संभावना है, जिनमें अफजलगंज, सिटी कॉलेज, पुरानापुल और बहादुरपुरा होते हुए एमजीबीएस-आरामघर कॉरिडोर, एसआर नगर-लकडीकापुल खंड और अत्तापुर होते हुए रेतीबौली-आरामघर मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा, काचीगुडा-रामंतपुर और एमजीबीएस-दिलसुखनगर मार्गों पर भी देरी की आशंका है।

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाए युवा : रामचंद्र राव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवॉर्ड

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य एन. रामचंद्रराव को स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती के अवसर पर तेलंगाना मेधावी फोरम की राज्य इकाई के तत्वावधान में तारनाका स्थित उनके आवास पर आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर एन. रामचंद्रराव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने सनातन धर्म की महानता को विश्व पटल पर गर्व के साथ प्रस्तुत किया।

उन्होंने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाकर प्रेरणादायी जीवन जीने तथा देश की एकता, अखंडता और समग्र विकास के लिए योगदान देने का आह्वान किया। तेलंगाना मेधावी फोरम के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने युवाओं से भ्रष्टाचार, अराजकता, अवैध गतिविधियों और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करने की अपील की।

प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं शिक्षाविद् डॉ. लायन कोमटिरेड्डी गोपाल रेड्डी ने कहा कि युवा ही भविष्य के भारत की मजबूत नींव हैं। इस अवसर पर बताया गया कि एन. रामचंद्रराव ने पिछले 45 वर्षों से छात्र और युवा संगठनों में निरंतर सेवा की है। एक वरिष्ठ उच्च न्यायालय अधिवक्ता के रूप में उन्होंने हजारों लोगों को कानून और न्याय के प्रति जागरूक किया। भारतीय जनता पार्टी में चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ते हुए वे विधान परिषद सदस्य बने और वर्तमान में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहे हैं। इन विशिष्ट सेवाओं को मान्यता देते हुए तेलंगाना राज्य से वर्ष 2026 के लिए दिए जाने वाले एकमात्र स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवॉर्ड से उन्हें सम्मानित किया गया।

सुल्तान बाजार स्थित श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर में जारी धनुर्मास महोत्सव के अन्तर्गत श्री गोदा-रगंनाथ जी के विवाहोत्सव में पधारे महेश बैंक के पूर्व चेरमैन रमेश बंग, वाईस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी, निर्देशक अमित लढा कैलाश, मन्त्री विनाद बंग व आदि ।

धनुर्मास उत्सव में सखी बाबा मठ में ठाकुर जी का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। अवसर प्रति महंत ठाकुर दास जी ने गोपाल बल्दवा, गिरधारी लाल, नरेंद्र शारदा को आशीर्वाद प्रदान किया।

गोदा रंगनाथ कल्याण महोत्सव मनाया गया

मदनूर, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानिक बालाजी मंदिर में राजस्थान समाज के नेतृत्व में धनुर्मास मनाया गया। अवसर पर रोज पूजा-अर्चना व आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। धनुर्मास के समापन पर महिला पुरुषों ने गाजे-बाजे के साथ बालाजी मंदिर से लेकर पुराना बस्तांक तक शोभा यात्रा निकली। यह दक्षिण भारत में एक महत्वपूर्ण वैष्णव उत्सव है, जो आंडाल (गोदा देवी) और भगवान रंगनाथ (विष्णु) के दिव्य मिलन का प्रतीक है, जिसमें भक्त सच्ची भक्ति के माध्यम से परमात्मा से एकाकार होने का अनुभव करते हैं। इस अवसर पर बडी संख्या में राजस्थानी समाज के लोग उपस्थिति थे।

वड्डे ओबन्ना, दलित समुदायों के आशा की किरण : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि वड्डे ओबन्ना एक महान व्यक्तित्व के धनी थे जिन्होंने दलित समुदायों के कल्याण के लिए संघर्ष किया। रविवार को वड्डे ओबन्ना की जयंती के उपलक्ष्य में, उन्होंने जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर भवन सम्मेलन कक्ष में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समारोह में भाग लिया और वड्डे ओबन्ना के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में वड्डे ओबन्ना द्वारा प्रदर्शित वीरता सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने दलित समुदायों के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया और इस संबंध में कई आंदोलनों में वीरतापूर्ण संघर्ष किए। उन्होंने कहा कि महान नेता की जयंती और पुण्यतिथि समारोह का आधिकारिक रूप से आयोजन करना प्रसन्नता का विषय है और इन कार्यक्रमों के माध्यम से महान नेता की आकांक्षाओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सांसद ने युवाओं को क्रिकेट किट्स वितरित की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शालिगौराम मंडल स्थित एक फंक्शन हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में भुवनगिरी सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने युवाओं को क्रिकेट किट्स वितरित किए। इस अवसर पर तुंगतुर्ती विधायक मंडुल सामल भी मौजूद थे और उन्होंने विभिन्न गांवों से आए युवा खिलाड़ियों को किट्स प्रदान की। सांसद चामल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी युवाओं की खुशी, स्वास्थ्य और विकास को ध्यान में रखते हुए खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से ही एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी के सहयोग से पिछले वर्ष आयोजित सीएम कप की सफलता को देखते हुए इस वर्ष भी इसे आयोजित किया जाएगा। सांसद ने युवाओं को चेतावनी दी कि वर्तमान में कई युवा हानिकारक आदतों के शिकार हो रहे हैं और अपना सुनहरा भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। सासंद ने कहा कि ग्रामीण युवाओं में खेल-कूद की प्रतिभा को पहचानना और उन्हें प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके माध्यम से वे न केवल अपने गांव और राज्य का नाम रोशन कर सकते हैं बल्कि देश में भी पहचान बना सकते हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, नव निर्वाचित सरपंच और युवाओं ने भी भाग लिया।

उप्पल में चीनी मांजा से घायल हुआ सॉफ्टवेयर इंजीनियर

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को उप्पल मेट्रो स्टेशन के पास साई वर्धन रेड्डी नामक सॉफ्टवेयर इंजीनियर चीनी मांजा से गला कटने से घायल हो गया। वह अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी मांजे की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। वर्तमान में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने लोगों से सड़कों पर यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। तेलंगाना पुलिस ने चेतावनी दी है कि चाइना मांजा का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर तिलायचा सोनाराम कुमावत का कुमावत समाज सिकंदराबाद- हैदराबाद, किसरा के अध्यक्ष पप्पूलाल बाकरेचा व समस्त पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया।

तेलंगाना में कक्षा I प्रवेश के लिए आयु मानदंड पर अनिश्चितता

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कक्षा I में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु मानदंड को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। राज्य सरकार इस बात पर निर्णय नहीं ले पाई है कि वर्तमान पांच साल की न्यूनतम आयु सीमा जारी रखी जाए या केंद्र के आदेशानुसार छह साल की आयु सीमा अपनाई जाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में राज्य सरकार को अनुस्मारक भेजकर कक्षा I में प्रवेश के लिए न्यूनतम छह वर्ष की आयु का पालन करने का निर्देश दिया था। अधिकांश राज्य पहले ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप इस बदलाव को लागू कर चुके हैं, लेकिन तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ अभी भी इसे अपनाना बाकी है।

एनईपी 2020 के तहत 5-3-3-4 शिक्षा संरचना में पहले पांच साल को 'बुनियादी चरण' कहा गया है, जिसमें तीन साल की पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के बाद कक्षा I और II शामिल हैं। केंद्र ने 9 फरवरी 2023 से कक्षा I में प्रवेश के लिए छह साल की न्यूनतम आयु अनिवार्य कर दी है। तेलंगाना शिक्षा आयोग ने राज्य सरकार को आयु सीमा छह साल अपनाने की सिफारिश की है। आयोग ने प्रस्तावित किया है कि तीन वर्ष से अधिक आयु के बच्चे नर्सरी में, चार वर्ष से अधिक एलकेजी में, पांच वर्ष से अधिक यूकेजी में और छह वर्ष या उससे अधिक आयु के बच्चे कक्षा I में प्रवेश लें।

हालांकि, राज्य सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, जिससे स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया में असमानता देखी जा रही है। निजी स्कूल छह साल की आयु मानदंड का पालन कर रहे हैं, जबकि राज्य बोर्ड के स्कूल पांच साल की आयु सीमा जारी रखे हुए हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगर आयु मानदंड में बदलाव नहीं किया गया, तो छात्रों को भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं और अंतरराज्यीय स्थानांतरण में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। राज्य सरकार की सात सदस्यीय समिति इस मुद्दे की जांच कर रही है।

नारसिंगी में सड़क दुर्घटना में 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात शहर के बाहरी इलाके नारसिंगी में एक सड़क दुर्घटना में 30 वर्षीय सिरिपुरम किशन प्रसाद की मौत हो गई। वह विकाराबाद के निवासी थे और रात करीब 11:25 बजे अपने कार्यस्थल से हॉस्टल लौट रहे थे। नरसिंगी पुलिस ने बताया कि फिशरमैन होटल के पास किशन प्रसाद ने बाइक पर नियंत्रण खो दिया और सड़क पर गिर गए। गिरने से सिर में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के मुर्दाघर में भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

राजेंद्रनगर में महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात राजेंद्रनगर स्थित अपने घर में एक गृहिणी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, गंडीपेट की रहने वाली 38 वर्षीय श्वेता बिंदी अपने पति के साथ गंडीपेट के फ्लैट में रह रही थी। जांच में पता चला कि पिछले कुछ महीनों से महिला स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अवसाद में थी। शनिवार को उसने घर में रखे जहरीले तरल पदार्थ का सेवन कर लिया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले की शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

पंत चोट के कारण न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर

ध्रुव जुरेल को मौका; नेट प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए थे, पसली में गेंद लगी

वडोदरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया गया है। इसकी जानकारी बीसीसीआई ने रविवार को दी।

अभ्यास सत्र के दौरान पंत थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान एक गेंद उनके पेट की दाहिनी तरफ जा लगी। गेंद लगते ही पंत दर्द में जमीन पर बैठ गए। इसके बाद टीम का सपोर्ट स्टाफ और मेडिकल टीम उन्हें मैदान से बाहर ले गई। डॉक्टरों की जांच में सामने आया कि पंत की दाहिनी पसली में खिंचाव आ गया है, जिस वजह से उन्हें आराम की जरूरत है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर पहला मेंस इंटरनेशनल मैच होगा। दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट में और तीसरा वनडे 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

अगस्त 2024 में खेला था 50 ओवर का मैच

पंत पिछले दो साल से भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने आखिरी बार 50 ओवर फॉर्मेट का मैच अगस्त 2024 में श्रीलंका दौरे के समय खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले पंत को टीम से बाहर किए जाने की अटकलें तेज थीं, लेकिन अजीत अगरकर की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें टीम में बरकरार रखा।

2025 में भी चोट के कारण टीम से बाहर हुए

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीजः जुलाई 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के पहले दिन पंत को चोट लगी थी। उनके दाहिने पैर की अंगुली में फ्रैक्चर था। डॉक्टर्स ने पंत को कम से कम छह हफ्ते आराम करने को कहा था। एशिया कप 2025ः पैर की चोट के कारण सितंबर में खेले एशिया कप से भी ऋषभ पंत बाहर रहे। उन्हें टीम में नहीं चुना गया था। अक्टूबर में वेस्टइंडीज से खेले गए 2 टेस्ट के लिए भी पंत को टीम में नहीं रखा गया था।

जुरेल ने अब तक वनडे नहीं खेला

ध्रुव जुरेल ने भारत के लिए अपना इंटरनेशनल करियर साल 2024 में शुरू किया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू किया और अपने पहले ही मौके पर शानदार प्रदर्शन किया। घरेलू क्रिकेट और IPL में लगातार अच्छे खेल के दम पर उन्होंने इंटरनेशनल टीम में जगह बनाई और अब उन्हें वनडे टीम में भी मौका मिला है।

पीडब्ल्यूएल 5वीं प्रो रेसलिंग लीग 15 जनवरी से

हरियाणा के ओलिंपिक मेडलिस्ट और हिंद केसरी होंगे आमने-सामने

झज्जर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के खिलाड़ियों का दमदार खेल कुश्ती दुनिया में परचम लहरा रहा है। इन्हीं खिलाड़ियों के दम पर पीडब्ल्यूएल प्रो रेसलिंग लीग का 5वीं बार 15 जनवरी से आगाज होने जा रहा है। जिसमें बड़ दिग्गज खिलाड़ी भाग लेने वाले हैं। ओलंपियन अमन सहरावत से लेकर, हिंद केसरी हैवी वेट पहलवान दिनेश भी रेसलिंग लीग के मैदान में उतरेंगे। इस लीग में हरियाणा के बड़े दिग्गज पहलवान आमने सामने होंगे।

प्रो रेसलिंग लीग ने अपने बहुप्रतीक्षित पीडब्ल्यूएल 2026 से पहले आधिकारिक टीजर जारी कर भारत की इस प्रमुख फ्रेंचाइज-आधारित कुश्ती प्रतियोगिता की जबरदस्त वापसी का माहौल तैयार कर दिया है। हिंदी कहानी पर आधारित टीजर में कुलीन कुश्ती की पहचान बन चुके साहस, बलिदान और अथक तैयारी को दर्शाया गया है।

साथ ही इसमें अमन सहरावत, सुजीत कलकल, कलवा गुज्जर, मुकुल दहिया, प्रिया मलिक और अंतिम पंघाल सहित इस खेल के कुछ प्रमुख भारतीय सितारों को भी दिखाया गया है। हरियाणा की मिट्टी से निकले रेसलर आज दुनिया में अपना नाम चमका रहे हैं। हरियाणा के बड़े खिलाड़ियों को रेसलिंग पीडब्ल्यूएल के ऑक्शन में 1 करोड़ 55 लाख में खरीदा गया है। अमन सहरावत को मुंबई ने 51 लाख, अंतिम को यूपी ने 52 लाख, सुजीत को दिल्ली ने 52 लाख और दिनेश धनखड़ को पंजाब की टीम ने 36 लाख में खरीदा है।

पीडब्ल्यूएल अखाड़े में दिखेंगे बड़े रेसलर

जिनमें से दो झज्जर जिले के रहने वाले हैं और तीसरा अंतिम पंघाल हांसी जिला और चौथा सुजीत कलकल दादरी जिले का रहने वाला है। इन खिलाड़ियों के पीडब्ल्यूएल के लिए बोली में बेस प्राइस भी रखे गए थे। उसकी के आधार पर टीमों की ओर से बोली लगाई गई और सुजीत कलकल और अंतिम पंघाल रिकॉर्ड 52-52 लाख रुपए में बिके और अमन सहरावत 51 लाख रुपए में बिका।

वहीं इन खिलाड़ियों में झज्जर जिले का रहने वाला 4 बार के हिंद केसरी रह चुके दिनेश धनखड़ भी चमकते नजर आए और 36 लाख रुपए में बिके। पीडब्ल्यूएल के लिए अलग अलग 6 फ्रेंचाइजी बनी हैं। वहीं सभी के लिए नए रूल भी बनाए गए और भारतीयों को आगे बढ़ाने के लिए इस पीडब्ल्यूएल में उन्हें ही महत्ता भी दी गई है। पीडब्ल्यूएल में खेलने के लिए यूं तो हरियाणा से कई बड़े खिलाड़ियों को खरीदा गया है, लेकिन इनमें 4 बड़े नाम हैं, जिनमें से दो झज्जर जिले के रहने वाले हैं। ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत और दिनेश धनखड़ हिंद केसरी। अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतकर दुनिया में नाम कमाया है।

अंडर-19 वर्ल्डकप 2026 वॉर्म-अप मैच

वैभव ने 50 गेंदों पर 96 रन बनाए; भारत ने स्कॉटलैंड को डकवर्थ-लुईस से 121 रन से हराया

बुलावायो, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 से पहले खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ने स्कॉटलैंड को डीएलएस पद्धति से 121 रन से हरा दिया।

मैच के हीरो 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने सिर्फ 50 गेंदों पर 96 रन की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 7 छक्के लगाए। वैभव शतक से सिर्फ चार रन दूर रह गए।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 374 रन बनाए। बारिश के कारण स्कॉटलैंड को 24 ओवर में 234 रन का लक्ष्य मिला। इसके जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 9 विकेट पर 112 रन ही बना सकी।

वैभव सूर्यवंशी के अलावा इस मैच में भारत के लिए विहान मल्होत्रा ने 77, एरन वर्गीज ने 61 और अभिग्यान कुंडूः 55 रन बनाए। वहीं, खिलान पटेल ने 4 रन देकर 3 विकेट, दीपेश द्रेवेंद्रन ने 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

अपने पहले अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहले तंजानिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को 81 रन (डीएलएस पद्धति) से हराकर मजबूत संदेश दिया। टीम के कप्तान लक्ष बकरानिया ने बेहतरीन ऑलराउंड खेल दिखाया और नाबाद 53 रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 2 विकेट भी झटके। तंजानिया की टीम एक समय 17 रन पर 3 विकेट गंवाने के बाद दबाव में थी, लेकिन वहां से शानदार वापसी करते हुए 204/9 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची।

इस दौरान करीम किसेटो ने 34 रन और ऑगस्टीन म्वामेले ने 23 रन का अहम योगदान दिया। जवाब में संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान की टीम तंजानिया के घातक गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम सिर्फ 45 रन पर ढेर हो गई। गेंदबाजी में रेमंड फ्रांसिस ने 3 रन देकर 7 विकेट झटके, जबकि कप्तान लक्ष बकरानिया ने 13 रन देकर 2 विकेट लेकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहने पर विवाद

बांग्लादेशी क्रिकेटर्स अपने ही बोर्ड पर भड़के; प्रेसिडेंट बोले- डायरेक्टर का बयान निजी राय

सिलहट, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के फाइनेंस डायरेक्टर के तमीम इकबाल को भारत का एजेंट कहने पर विवाद हो गया है। कप्तान नजमुल हसन शांतो, तस्कीन अहमद, पूर्व कप्तान मोमिनुल हक और स्पिनर ताइजुल इस्लाम जैसे कई क्रिकेटर्स ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है।

इसके बाद बीसीबी प्रेसिडेंट ने अमीनुल इस्लाम ने कहा है- 'यह उस निदेशक की निजी राय थी। मैंने संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है।'

इस्लाम ने आगे कहा- 'तमीम ने देश के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और सार्वजनिक बयान देते समय उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए था।'

एक दिन पहले शुक्रवार को बीसीबी की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल ने एक फेसबुक पोस्ट में तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था।

नजमुल ने यह पोस्ट तमीम के उस बयान के बाद की थी, जिसमें पूर्व बांग्लादेश कप्तान ने बीसीबी को टी-20 वर्ल्ड कप के मामले में समझदारी से फैसला लेने की सलाह दी थी।

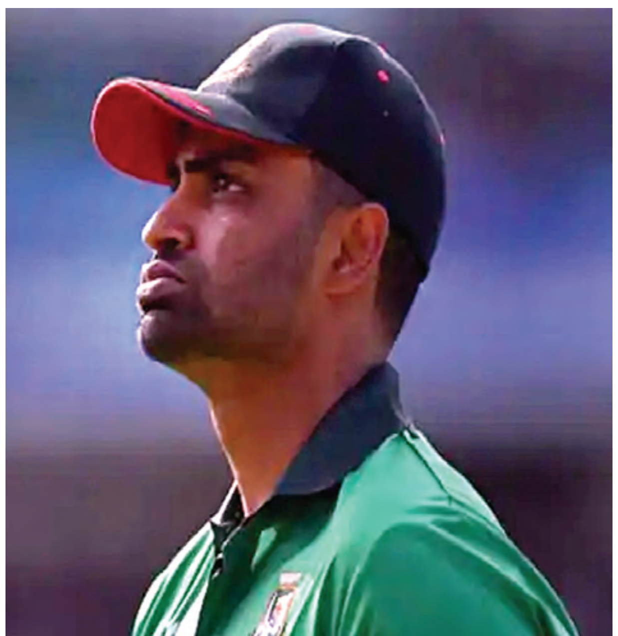

बीसीबी प्रेसिडेंट ने अमीनुल इस्लाम यह भी कहा-

हमें अभी तक आईसीसी से कोई जवाब नहीं मिला है। हमने अपनी चिंताओं से जुड़े सभी डॉक्यूमेंट्स और सबूत भेज दिए हैं।

भारत के किसी भी शहर में मैच शिफ्ट करने से हमारी चिंता दूर नहीं होंगी। भारत का कोई भी वैकल्पिक वेन्यू भारत में ही रहेगा।

अगर आईसीसी हमारे मैच श्रीलंका में खेलने की अनुमति नहीं देता है, तो हम आगे क्या करेंगे, इस पर अभी कुछ नहीं कह सकता।

मैंने हैदराबाद और चेन्नई के बारे में नहीं सुना है। संभव है कि हमें सोमवार या मंगलवार तक कुछ जानकारी मिले।

शांतो ने कहा- इस तरह का बयान दुखद

नजमुल के बयान पर बांग्लादेश की टेस्ट टीम के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने कहा- 'यह अस्वीकार्य है। एक खिलाड़ी, चाहे वह पूर्व कप्तान हो या नहीं, सम्मान का हकदार होता है, अंततः एक क्रिकेटर सम्मान की आशा रखता है।'

शांतो के अलावा, तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद, पूर्व कप्तान मोमिनुल हक और स्पिनर ताइजुल इस्लाम समेत कई क्रिकेटर्स ने नाराजगी जाहिर की।

पूर्व क्रिकेटर्स बोले- यह बयान मनोबल तोड़ने वाला

मामले में बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (बीसीडब्ल्यूए) ने कहा, 'बीसीबी निदेशक नजमुल द्वारा पूर्व कप्तान तमीम इकबाल के बारे में दिया गया बयान चौंकाने वाला है।

बीसीडब्ल्यूए ने कहा- तमीम बांग्लादेश के सबसे सफल ओपनर रहे हैं। उन्होंने 16 वर्षों तक देश का प्रतिनिधित्व किया है। यह केवल तमीम जैसे खिलाड़ी के बारे में नहीं है।

देश के किसी भी क्रिकेटर के खिलाफ ऐसी टिप्पणियां पूरी क्रिकेटिंग समुदाय के लिए अस्वीकार्य और अपमानजनक हैं।

क्या है पूरा मामला

तमीम इकबाल ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में बांग्लादेश क्रिकेट टीम को लेकर एक सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि भारत में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने या न लेने का फैसला भावनाओं में बहकर नहीं, बल्कि भविष्य के नतीजों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

तमीम के इस बयान के बाद बीसीबी के निदेशक और वित्त समिति के चेयरमैन नजमुल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा- 'इस बार बांग्लादेश के लोगों ने अपनी आंखों से एक भारतीय एजेंट का उदय होते हुए देखा है।'

डब्ल्यूपीएल 2026 से यास्तिका भाटिया बाहर

घुटने की सर्जरी से नहीं उबर पाईं ; गुजरात जायंट्स ने 50 लाख में खरीदा था

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में नहीं खेल पाएंगी। घुटने की लिगामेंट सर्जरी के बाद वह पूरी तरह फिट नहीं हो सकीं। उन्हें पिछले साल हुए मिनी ऑक्शन में गुजरात जायंट्स ने 50 लाख रुपए में खरीदा था।

यास्तिका की इस सीजन में उपलब्धता पहले से ही संदिग्ध थी। उन्होंने अक्टूबर 2025 में घुटने की लिगामेंट सर्जरी करवाई थी। डब्ल्यूपीएल प्रबंधन ने नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट कर दिया था कि यदि यास्तिका को खरीदा जाता है और वह टूर्नामेंट से बाहर होती हैं, तो टीम को उनका रिप्लेसमेंट लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इसके बावजूद गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स ने उन पर बोली लगाई। अंत में गुजरात जायंट्स ने उन्हें 50 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया।

गुजरात जायंट्स के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर यास्तिका की रिकवरी को लेकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम उन्हें पूरी तरह फिट होकर भविष्य में गुजरात जायंट्स के लिए खेलते देखने की उम्मीद कर रही है।

टीम ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि यास्तिका ऑरेंज जर्सी में चमक सकती थीं, लेकिन परिस्थितियां उनके पक्ष में नहीं रहीं। फ्रेंचाइजी ने उनकी जल्द रिकवरी की कामना की है।

मैच के दौरान टीम के साथ रहीं यास्तिका

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले मुकाबले में, जो नवी मुंबई में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स के बीच खेला गया, यास्तिका भाटिया टीम के साथ मौजूद रहीं। हालांकि वह मैदान पर नहीं उतरीं और स्टैंड में टीम ओनर्स के साथ बैठकर गुजरात जायंट्स को सपोर्ट करती नजर आईं।

इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के 48 घंटे बाद 48 गेंदों पर किया धमाका

टीम को जिताकर बना हीरो

पर्थ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जनवरी को उस्मान ख्वाजा इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हुए और 10 जनवरी को उन्होंने बिग बैश की पिच पर आग लगा दी. इंटरेनशनल क्रिकेट से रिटायर होने के 48 घंटे के बाद उन्होंने धमाका भी सिर्फ 48 गेंदों वाला ही किया. ऐसा करते हुए ख्वाजा ने अपनी टीम को तो जीत दिलाई ही, साथ ही प्लेयर ऑफ द मैच भी बने. उस्मान ख्वाजा ने सिडनी में अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला. इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज का आखिरी टेस्ट उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच रहा. अपने उस रिटायरमेंट की घोषणा ख्वाजा टेस्ट मैच के पहले ही कर चुके थे.

इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद उन्होंने 10 जनवरी को अपना पहला मैच खेला, जो कि बिग बैश में ब्रिसबेन हीट्स और सिडनी थंडर के बीच खेला मैच रहा. ये मुकाबला ब्रिसबेन में हुआ, जिसमें उस्मान ख्वाजा ने सिर्फ 48 गेंदों पर तूफानी पारी खेली. इस मुकाबले में सिडनी थंडर ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन बनाए.

जवाब में 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने ब्रिसबेन हीट्स की टीम जब उतरी, तो उसमें उसके कप्तान उस्मान ख्वाजा ने लीड रोल प्ले किया. ओपनिंग करने उतरे उस्मान ख्वाजा ने ओपनिंग में टीम को फ्रंट से लीड किया. इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के 48 घंटे बाद सिर्फ 48 गेंदों पर उन्होंने ऐसी पारी खेली, जिसने टीम को जीत दिला दी. उस्मान ख्वाजा ने 48 गेंदों पर 78 रन बनाए. 162.50 की स्ट्राइक रेट से खेली ब्रिसबेन हीट्स के कप्तान की पारी में 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. ख्वाजा की इस तेज तर्रार पारी की बदौलत ब्रिसबेन हीट्स ने 181 रन के लक्ष्य को 16.2 ओवर में ही चेज कर लिया. उस्मान ख्वाजा को उनकी धमाकेदार इनिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

ना सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद बल्कि बिग बैश लीग के मौजूदा सीजन में भी ये उस्मान ख्वाजा का पहला मैच था और अपने पहले ही मैच में वो जिस तरह से छाए, उसने ब्रिसबेन हीट्स के लिए आगे की उम्मीदें भी जगा दी हैं.

ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हॉकी टीम के सदस्य रह चुके पंजाब पुलिस के रिटायर्ड आईजी का निधन

जालंधर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। 1980 मास्को ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे पंजाब पुलिस के रिटायर्ड आईजी दविंदर सिंह गरचा का शनिवार को निधन हो गया। उन्हें जालंधर स्थित घर में सुबह हार्ट अटैक आया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही उन्हें स्टेंट डाले गए थे और उनकी तबीयत स्थिर थी।

1980 में हुए ओलिंपिक में उन्होंने 6 मुकाबलों में आठ गोल कर टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इंटरनेशनल स्तर पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह फेमस मोहित सिंह मुंशी हॉकी टूर्नामेंट के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन पर सुरजीत हॉकी कमेटी सहित कई खेल संस्थाओं और ओलिंपियनों ने दुख जताया है। फिलहाल उनके अंतिम संस्कार की तिथि और समय की घोषणा नहीं हुई है। परिवार की ओर से बताया गया है कि इसकी जानकारी जल्द साझा की जाएगी।

गरचा ने 30 से अधिक इंटरनेशनल मैच खेले

गरचा का जन्म 7 दिसंबर 1952 को हुआ। वह 3 इंटरनेशनल टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। अपने करियर में 30 से अधिक इंटरनेशनल मैच खेले। इन मुकाबलों में उन्होंने कुल 19 गोल किए।

नाबालिग शूटर से रेप केस में पुलिस को सबूत मिले

फरीदाबाद में होटल के सीसीटीवी, स्टाफ के बयान, मोबाइल लोकेशन शिकायत से मेल खा रहे

फरीदाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। फरीदाबाद में 17 साल की नेशनल शूटर के यौन शोषण के मामले में आरोपी नेशनल कोच अंकुश भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। शुरुआती जांच में आरोपी के खिलाफ पुलिस के हाथ कुछ पुख्ता सबूत लगे हैं। महिला थाना इंचार्ज माया ने बताया कि अभी तक की जांच में शूटर की शिकायत, मौके की स्थिति और टाइम लाइन मेल खा रही है। पीड़ित और आरोपी कोच के बीच की कड़ियां एक दूसरे से मैच कर रही हैं। पुलिस ने फाइव स्टार होटल के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें शूटर के होटल में जाने के फुटेज मिले हैं। आरोपी कोच और लड़की के मोबाइल की लोकेशन भी मैच हुई हैं। दोनों की लोकेशन होटल में एक ही जगह की हैं। होटल के स्टाफ से भी इस केस को लेकर पूछताछ की है। 6 जनवरी को एनआईटी महिला थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद से कोच अंकुश भारद्वाज फरार है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमें बनाई गई हैं।

पीड़ित के बयान के अनुसार, 16 दिसंबर को दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में नेशनल लेवल की शूटिंग प्रतियोगिता थी। उसका मैच सुबह साढ़े 10 बजे से पौने 12 बजे तक चला।

इसी दौरान कोच ने शूटर को मैच को लेकर चर्चा करने के लिए रेंज में रुकने के लिए कहा। दोपहर 2 बजे तक पीड़ित शूटिंग रेंज में ही कोच का इंतजार करती रही।पीड़ित ने बताया कि इसी दौरान उसके पास कोच ने कॉल किया और फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित एक फाइव स्टार होटल में बुलाया। यहां लॉबी में आकर मैच के बारे में एनालाइज करके लिखने को कहा। सीसीटीवी में शूटर का होटल में आना और लॉबी में जाना उसके बयान से मैच कर रहा है।

इसी दौरान कोच ने फिर से कॉल करते उसे लिफ्ट एरिया में आने के लिए कहा। लिफ्ट एरिया में जाने के बाद कोच उसे अपने कमरे में ले गया। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में भी पीड़ित के लिफ्ट एरिया में जाने के सबूत मिले हैं।

शिकायत में नाबालिग शूटर ने बताया था कि वह कमरे में कुर्सी पर बैठकर मैच डिस्कस कर रही थी। मैच डिस्कस के बाद उसने घर जाने के लिए बोला तो कोच ने उसे बैक क्रैक करने के बहाने रोक लिया, लेकिन उसने कोच को मना कर दिया। कोच ने उसे जबरदस्ती बेड पर लेटा दिया और अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर कोच ने करियर बर्बाद करने की धमकी दी। पीड़ित ने यह भी बताया कि कोच ने उसे धमकी देकर कहा कि वह पहले की तरह नॉर्मल व्यवहार करे। इसके बाद करीब शाम 4 बजे कोच उसे होटल के नीचे कार तक छोड़ने के लिए भी आया। होटल से वह सीधा अपने पापा के ऑफिस गई। जहां वह पापा के साथ अपने घर पहुंची, लेकिन डर के चलते उसने किसी को कुछ नहीं बताया। होटल की फुटेज में भी कोच पीड़ित को गाड़ी तक छोड़ता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद आरोपी कोच पहले की तरह उसके पास शूटिंग से जुड़े मैसेज करता रहा। कोच ने उसके माता-पिता से उसकी शिकायत करते हुए कहा- मेरी बातें कम मान रही है। जिसके बाद बार-बार मम्मी के पूछे जाने पर शूटर ने सारी कहानी बताई।

547 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, 18 आरोपी गिरफ्तार

खम्मम, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने एक बड़े साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 547 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का खुलासा किया है। इस मामले में दर्ज 24 आरोपियों में से 18 को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधियों के साथ मिलकर देशभर के लोगों से धोखाधड़ी कर रहे थे।

रविवार को पेनुबली थाना परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने बताया कि मुख्य आरोपी उदायनेनी विकास चौधरी, पोटरू मनोज कल्याण, पोटरू प्रवीण, मेदा भानुप्रकाश, मेदा सतीश और मोरमपुडी चेन्नाकेशवा बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर उनके बैंक खाते खुलवाते थे और उनका इस्तेमाल साइबर अपराध में करते थे। यह मामला 24 दिसंबर 2025 को सथुपल्ली मंडल के तुम्बुरु गांव निवासी मोदुगा साईकिरण की शिकायत के बाद सामने आया। जांच के दौरान आरोपियों और उनके परिजनों के बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेनदेन का पता चला।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी विदेशों में चल रहे कॉल सेंटरों से जुड़े साइबर अपराधियों के संपर्क में थे। वे लोग निवेश, शादी, गेमिंग, सट्टा, शेयर बाजार और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर लोगों को ठगते थे। पीड़ितों को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर फर्जी लिंक भेजे जाते थे, जिससे उनके खाते खाली हो जाते थे। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह की मदद करने वाले कई एजेंटों और खाताधारकों को भी गिरफ्तार किया गया है।

बेघर परिवार को सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए इंदिरम्मा योजना : भट्टी

डिप्टी सीएम ने रामगुंडम में जनसभा को संबोधित किया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार ने इंदिरम्मा आवास योजना इस उद्देश्य से शुरू की है ताकि बेघर और जरूरतमंद गरीबों को सम्मानजनक आवास मिल सके। उन्होंने कहा, यह भी उत्साहजनक है कि उन गरीबों को भी मकान स्थल उपलब्ध कराने के लिए कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं जिनके पास घर बनाने के लिए अपनी जमीन तक नहीं है।

रविवार को रामगुंडम में आयोजित एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस के दस वर्षों के शासन में गरीबों की जरूरतों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया गया और बीआरएस नेताओं ने सामंती मानसिकता के साथ शासन करते हुए लोगों को प्रताड़ित किया। उन्होंने कहा, तेलंगाना देने वाली कांग्रेस पार्टी को जनता ने सत्ता में लाया ताकि राज्य के लिए संघर्ष करने वाले तेलंगाना समाज को स्वतंत्रता, सामाजिक समानता, अवसर, संसाधन, रोजगार और आत्मसम्मान मिल सके। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, पदयात्रा के दौरान मैंने इस क्षेत्र की जरूरतों को नोट किया और जनता की सरकार बनने के बाद हम उन सभी जरूरतों को क्रमबद्ध रूप से पूरा कर रहे हैं। बेघर गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए राज्य भर में 4.5 लाख इंदिरम्मा मकानों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 22,500 करोड़ रुपये की लागत से इंदिरम्मा आवास योजना शुरू की गई है, जिसके तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 3,500 मकान सुनिश्चित किए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गरीबों को राशन दुकानों के माध्यम से मोटा चावल दिया जाता था। पदयात्रा के दौरान किया गया वादा गरीबों को महीन (फाइन) चावल देने का जनता की सरकार बनते ही लागू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जो एक साथ 96 लाख परिवारों को महीन चावल वितरित कर रहा है। उन्होंने बताया कि वित्त विभाग 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के तहत गरीबों की ओर से हर महीने बिजली विभाग को बिलों का भुगतान कर रहा है और राज्य भर में 29 लाख कृषि पंप सेटों के बिजली बिल भी सरकार वहन कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिंगरेणी कोलियरीज तेलंगाना का मुकुटमणि है, जिसमें 42,000 से अधिक नियमित कर्मचारी और लगभग 40,000 आउटसोर्सिंग कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि इस संस्थान की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। खनन के क्षेत्र में सिंगरेणी की विशेषज्ञता देश के किसी भी अन्य संस्थान से बेजोड़ है। भविष्य में सिंगरेनी को दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) के खनन में भी प्रवेश करना चाहिए, जिससे यह वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बनेगी और अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि सिंगरेणी कर्मचारियों के परिवारों को दुर्घटनाओं की स्थिति में परेशानी न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने पहले ही 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा घोषित किया है। यह बीमा कवरेज सभी बिजली क्षेत्र की संस्थाओं के कर्मचारियों और श्रमिकों तक भी बढ़ा दिया गया है।

मनमाने परिसीमन के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे : तलसानी

संक्रांति पर्व के बाद आगे की रणनीति घोषित की जाएगी

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने स्पष्ट किया है कि परिसीमन (डिलिमिटेशन) के नाम पर सिकंदराबाद को विभाजित करने का कोई भी फैसला स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रविवार को सिकंदराबाद में लश्कर ज़िला सदना समिति द्वारा आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए बीआरएस विधायक ने ग्रेटर सिकंदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि जरूरत पड़ने पर वे भूख हड़ताल तक करने को तैयार हैं। श्रीनिवास यादव ने ग्रेटर सिकंदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और एक अलग जिले के गठन की मांग करते हुए कांग्रेस के पिछले दो वर्षों के शासन में हुए विकास पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में हैदराबाद एक वैश्विक शहर के रूप में फला-फूला, लेकिन कांग्रेस शासन में इसकी स्थिति बिगड़ गई है। उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया के तहत डिवीजनों की संख्या 150 से बढ़ाकर 300 करने के प्रस्ताव पर जनता और जनप्रतिनिधियों की राय न लेने पर गहरा आक्रोश जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शांति मार्च निकालने की भी घोषणा की। इसके अलावा, बीआरएस विधायक ने कहा कि संक्रांति पर्व के बाद आगे की रणनीति घोषित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम काले झंडों के साथ शांति मार्च निकालेंगे और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन तथा जुबली बस स्टेशन का घेराव करेंगे। इसके बाद हम बंद का आह्वान करेंगे।

बीआरएस अध्यक्ष ने रेवंत रेड्डी पर बेरोजगारी और अधूरी नौकरियों को लेकर साधा निशाना

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पिछली बीआरएस सरकार द्वारा जारी की गई सरकारी नौकरियों का श्रेय ले रहे हैं, लेकिन बेरोजगार युवाओं की समस्याओं का सामना नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने सरकार से तत्काल दो लाख नौकरियों के लिए अधिसूचना जारी करने और प्रदर्शन कर रहे युवाओं से बातचीत करने की मांग की। तेलंगाना भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रामाराव ने कहा कि राज्यभर में बेरोजगार युवा आंदोलन कर रहे हैं क्योंकि सरकार ने नौकरी की अधिसूचनाएं जारी नहीं की हैं और न ही अपने नौकरी कैलेंडर का पालन किया है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी आरटीसी चौराहे पर शॉपिंग मॉल का उद्घाटन करने गए, लेकिन अशोकनगर में प्रदर्शनकारी युवाओं से मिलने और रोजगार का आश्वासन देने की हिम्मत नहीं की।

रामाराव ने मुख्यमंत्री को ईमानदार धोखेबाज बताते हुए कहा कि उन्होंने वादों का पालन नहीं किया और अपशब्दों का सहारा लिया। उन्होंने बीआरएस के शासन काल की तुलना करते हुए मिशन भागीरथा, हैदराबाद जल परियोजनाओं और कोविड-19 के दौरान निर्बाध शासन का उदाहरण दिया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि दो वर्षों में दोहरी पेंशन, रायथु भरोसा, दलित बंधु, दो लाख नौकरियों और वेतन संशोधन आयोग सहित किसी भी वादे को पूरा करने में विफल रही है। रामाराव ने दलबदलू विधायकों की स्थिति पर भी टिप्पणी की और राजेंद्रनगर से बीआरएस में शामिल हुए पूर्व मेयर बांडलागुडा श्रीलता और उनके पति प्रेम गौड़ का स्वागत किया। पूर्व मंत्री पी सबिता इंदिरा रेड्डी, पूर्व विधायक मेथुकु आनंद, वरिष्ठ नेता पी कार्तिक रेड्डी और अन्य लोग भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

श्री गोविंदराज स्वामी मंदिर में 25 को सलकटला रथ सप्तमी

तिरुपति, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोविंदराज स्वामी मंदिर, तिरुपति में वार्षिक सलकटला रथ सप्तमी महोत्सव 25 जनवरी को भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर श्री गोविंदराज स्वामी अपनी पत्नियों के साथ सात विभिन्न वाहनों (वाहन सेवाओं) पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। उत्सव के अंतर्गत प्रातः 3 बजे से 5 बजे तक श्री चक्रत्तालवार की शोभायात्रा श्री कपिलेश्वरस्वामी मंदिर स्थित आलवार तीर्थम तक निकाली जाएगी, जहां चक्रस्नान (पवित्र स्नान) संपन्न होगा। इसके बाद प्रातः 5.30 बजे से 7.30 बजे तक सूर्य प्रभा वाहन सेवा होगी। सुबह 8 बजे से 9 बजे तक हंस वाहन, 9.30 बजे से 10.30 बजे तक हनुमंथ वाहन, 11.30 बजे से 1.00 बजे तक पेद्द शेष वाहन, 1.30 बजे से 3.00 बजे तक मुत्यापु पंदिरी वाहन, और 3.30 बजे से 5.00 बजे तक श्रीदेवी एवं भूदेवी के साथ सर्वभूपाल वाहन पर भगवान भक्तों को आशीर्वाद देंगे। रात्रि 8 बजे से 9.30 बजे तक गरुड़ वाहन पर भगवान दर्शन देंगे। भक्त रथ सप्तमी को अर्ध ब्रह्मोत्सव या एक दिवसीय ब्रह्मोत्सव के रूप में भी मानते हैं। इस अवसर पर टीटीडी हिंदू धर्म प्रचार परिषद और श्री अन्नमाचार्य परियोजना के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

नई बिजली उपभोक्ता संपर्क पहल में 83 लाख लाभार्थी शामिल

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देशों के अनुसार, तेलंगाना की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) ने बिजली उपभोक्ताओं से सीधा संवाद मजबूत करने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल शुरू की है। इस पहल के तहत, ग्रुह ज्योति योजना के लाभार्थियों और कृषि बिजली उपभोक्ताओं को उपमुख्यमंत्री की ओर से नववर्ष और संक्रांति की शुभकामनाओं वाले संदेश पत्र भेजे जा रहे हैं।

उपभोक्ता के नाम और सेवा कनेक्शन नंबर के साथ ये व्यक्तिगत पत्र दक्षिणी तेलंगाना बिजली वितरण कंपनी और उत्तरी तेलंगाना बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों द्वारा सीधे उपभोक्ताओं के घरों तक पहुंचाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 52,82,498 ग्रुह ज्योति लाभार्थियों और 30,03,813 कृषि बिजली उपभोक्ताओं को ये पत्र प्राप्त हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से उपभोक्ताओं और विभागीय अधिकारियों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा, जिससे भविष्य में अधिक पारदर्शी, कुशल और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। कई उपभोक्ताओं ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से व्यक्तिगत शुभकामना पत्र प्राप्त होने पर खुशी व्यक्त की और कहा कि यह कार्यक्रम जनता की सरकार की जन-केंद्रित सोच को दर्शाता है।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री और ईमानदारी के प्रतीक महान नेता लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि के अवसर पर, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) महेश कुमार गौड़ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लाल बहादुर शास्त्री के ऐतिहासिक नारे 'जय जवान, जय किसान' को स्मरण करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि शास्त्री जी ने राष्ट्रीय सुरक्षा और किसानों के कल्याण को समान महत्व दिया। अत्यंत सादा जीवन जीते हुए उन्होंने असाधारण नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया और वे आज भी देश के लिए एक प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान शास्त्री जी के साहसिक नेतृत्व ने देश का आत्मविश्वास बढ़ाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया। राजनीति में मूल्यों, ईमानदारी और अनुशासन के प्रतीक के रूप में लाल बहादुर शास्त्री का जीवन आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक प्रकाश बना हुआ है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि शास्त्री जी के आदर्शों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी और उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी किसानों, जवानों और गरीबों के कल्याण को अपना मूल उद्देश्य मानते हुए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

पेद्दापल्ली कांग्रेस सभा में दो नेताओं के बीच हाथापाई

पेद्दापल्ली, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली कांग्रेस में आंतरिक कलह एक बार फिर सामने आई, जब उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में आयोजित एक सार्वजनिक सभा के मंच पर दो नेताओं के बीच हाथापाई हो गई। उपमुख्यमंत्री के साथ मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, डी श्रीधर बाबू, कोंडा सुरेखा और अदलुरी लक्ष्मण कुमार गोदावरीखानी कस्बे में विभिन्न विकास कार्यक्रमों और इंदिराम्मा हाउस पट्टे के वितरण में शामिल हुए। विकास कार्यों की आधारशिला रखने के बाद, नेताओं ने जूनियर कॉलेज परिसर में जनसभा को संबोधित किया। भाषण समाप्त होने और मंच से उतरने के बाद, दो स्थानीय नेताओं के बीच इंदिराम्मा के घर के पट्टे बांटे जाने को लेकर बहस शुरू हुई और यह हाथापाई तक पहुंच गई। बैठक में तैनात पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर एक नेता को घटनास्थल से बाहर ले जाकर स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों नेताओं के बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता के कारण यह विवाद फिर उभरकर सामने आया।

कट्टा मैसाम्मा मंदिर को अपवित्र करने को लेकर विरोध प्रदर्शन

मंदिर अपवित्र करने के आरोप में 26 वर्षीय युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद इलाके के मलकाजगिरी, सफीलगुड़ा में शनिवार रात एक मंदिर को अपवित्र किए जाने की कथित घटना के बाद तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

पुलिस ने कट्टा मैसाम्मा मंदिर परिसर में कथित रूप से अशोभनीय कृत्य करने के आरोप में एक 26 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए लोगों को शांत कराया और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस घटना के बाद शहर के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए। कई घंटे तक तनाव की स्थिति बनी रही। हलांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सफीलगुड़ा स्थित कट्टा मैसाम्मा मंदिर में शनिवार रात हुई। आरोपी की पहचान अल्ताफ के रूप में हुई है। वह कर्नाटक के बीदर जिले का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने अवैध रूप से मंदिर परिसर में प्रवेश किया और देवी की प्रतिमा के सामने अशोभनीय हरकत की। प्रदर्शनकारियों और कुछ संगठनों ने उस पर मंदिर परिसर में पेशाब करने का आरोप लगाया है।

नेरडमेट पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत पूजा स्थल में अवैध प्रवेश और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय की ओर से जानकारी दी गई कि आरोपी को रविवार को शहर की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी, विभिन्न हिंदू संगठनों और श्रद्धालुओं ने विरोध प्रदर्शन किए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें कुछ लोग आरोपी से पूछताछ के बाद उसके साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने कहा कि इस वीडियो की सत्यता और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस बीच, पुलिस ने साफ किया है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास और पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है तथा कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जनता से अफवाहों और अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करने तथा उन्हें सोशल मीडिया पर साझा न करने की अपील की है। पुलिस ने सभी वर्गों से शांति, संयम और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने का आग्रह किया है।

कांग्रेस शासन में हिंदुओं की स्थिति चिंताजनक : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस शासन में राज्य में हिंदू समाज की स्थिति दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि मंदिरों पर हमले और गोरक्षकों पर हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जो सरकार की घोर लापरवाही और तुष्टिकरण की राजनीति को दर्शाती हैं। श्री राव ने कहा कि मंदिरों पर हो रहे हमले कोई अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि यह एक खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार हिंदुओं की सुरक्षा और धार्मिक भावनाओं की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है। मलकाजगिरी की हालिया घटना का उल्लेख करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह हिंदू आस्था पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मलकाजगिरी स्थित पवित्र कट्टा मैसाम्मा मंदिर परिसर को अपवित्र किए जाने की घटना पर न तो कांग्रेस सरकार ने प्रतिक्रिया दी और न ही अन्य राजनीतिक दलों या मुख्यधारा के मीडिया ने आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी इस कठोर सच्चाई को उजागर करती है कि तेलंगाना में यदि हिंदुओं पर कोई हमला होता है तो व्यवस्था आंखें मूंद लेती है भाजपा अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि तेलंगाना में भाजपा मूकदर्शक बनकर नहीं बैठेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिरों की रक्षा, हिंदू सम्मान की सुरक्षा और गौमाता की रक्षा के लिए पार्टी संघर्ष करेगी।

संक्रांति के लिए घर लौटने वालों से हैदराबाद-विजयवाड़ा हाईवे जाम

समय-समय पर जाम एक किलोमीटर तक पहुंच रहा है

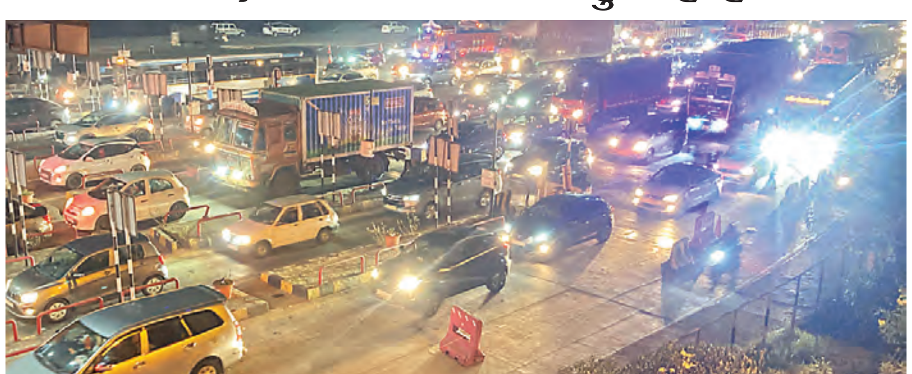

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के अवसर पर घर लौट रहे लोगों के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की भारी भीड़ बनी हुई है। यादाद्री-भुवनगिरी जिले के पंतांगी टोल प्लाजा पर रविवार तड़के अचानक यातायात का दबाव बढ़ गया। हजारों वाहन एक साथ चलने के कारण टोल प्लाजा पर आधा किलोमीटर तक यातायात ठप हो गया। एक समय पर जाम एक किलोमीटर तक फैल गया। टोल प्लाजा संचालकों और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फास्टैग प्रणाली लागू होने के बावजूद वाहनों की अत्यधिक संख्या और कुछ फास्टैग के स्कैन न होने से लंबा जाम लग रहा है। राचकोंडा पुलिस और जीएमआर टोल प्लाजा का स्टाफ यातायात को नियंत्रित करने में जुटा हुआ है। आंध्र प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण अतिरिक्त टोल बूथ खोले गए हैं। इसके बावजूद कारें और अन्य वाहन बेहद धीमी गति से चल रहे हैं। केतेपल्ली मंडल के कोरलपहाड़ क्षेत्र में फास्टैग की तकनीकी खराबी के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। टोल भुगतान ठीक से न हो पाने के कारण वाहन रुक गए और जाम और बढ़ गया। इस बीच, राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर भी वाहनों का भारी दबाव बना हुआ है। कई स्थानों पर वाहनों की संख्या बढ़ने और हाईवे के ब्लैक स्पॉट्स पर सुरक्षा उपायों की कमी से वाहन चालकों में चिंता बढ़ गई है। ड्राइवर टोल प्लाजा पर देरी, फास्टैग की समस्याओं और सुरक्षा उपायों की कमी को लेकर नाराजगी जता रहे हैं और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पंतांगी टोल प्लाजा के कर्मचारियों के अनुसार, शनिवार शाम 6 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक लगभग 70,000 वाहन आंध्र प्रदेश की ओर गए। टोल प्लाजा पर यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए पेट्रोलिंग वाहन, क्रेन और एंबुलेंस की व्यवस्था पंथांगी, कोरलपहाड़ और चिल्लकल्ली टोल प्लाजा पर की गई है। इस बीच, हैदराबाद से आ रहे वाहनों के कारण आंध्र प्रदेश के नंदीगामा के पास भी जाम लग गया है।

निजामाबाद का नाम बदलने के बयान पर नवाब नजफ अली खान की कड़ी आपत्ति

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के पोते नवाब नजफ अली खान ने निजामाबाद जिले का नाम बदलने को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद के हालिया बयान की निंदा करते हुए इसे आपत्तिजनक और निंदनीय बताया। हाल ही में एक बैठक के दौरान सांसद ने कहा था कि यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो निजामाबाद का नाम बदलकर इंदूर किया जाना चाहिए। उनका दावा था कि जिले का मूल नाम इंदूर था, जिसे बाद में राजनीतिक कारणों से बदला गया, और पुराने नाम को वापस लाने से क्षेत्र का विकास होगा।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नवाब नजफ अली खान ने कहा कि सातवें निजाम (जिनका निधन 58 वर्ष पहले हो चुका है) का नाम इस राजनीतिक विवाद में घसीटना या तो इतिहास की अज्ञानता को दर्शाता है या फिर जानबूझकर किया गया दुर्भावनापूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि उनके दादा के खिलाफ की गई टिप्पणियां अत्यंत आपत्तिजनक हैं और किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की भाषा शोभा नहीं देती। उन्होंने इसे इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करना और राष्ट्रीय स्मृति का अपमान बताया। नवाब नजफ अली खान ने कहा कि सातवें निजाम का योगदान मानवता, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना और सामाजिक सद्भाव के क्षेत्र में व्यापक रूप से दर्ज है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि सातवें निजाम ने बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के सभी समुदायों की सेवा की और उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष शासक के रूप में याद किया जाता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.